जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

बीकानेर, मंगलवार 6 जनवरी, 2026

इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय
MINISTRY OF ELECTRONICS AND INFORMATION TECHNOLOGY
सत्यमेव जयते

राजस्थान सरकार
Government of Rajasthan
सत्यमेव जयते

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

2 साल
नव उत्थान - नई पहचान
बढ़ता राजस्थान - हमारा राजस्थान

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री, राजस्थान

AI IMPACT SUMMIT
भारत 2026 INDIA

सर्वजन हिताय । सर्वजन सुखाय
WELFARE FOR ALL | HAPPINESS OF ALL

राजस्थान रीजनल AI इम्पैक्ट कॉन्फ्रेंस 2026

AI - सबकी पहुंच में, सबके लिए

6 जनवरी 2026 • JECC, जयपुर

मुख्य अतिथि
श्री अश्विनी वैष्णव
माननीय केंद्रीय मंत्री, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी, भारत सरकार

अध्यक्षता
श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री
राजस्थान

विशिष्ट अतिथि
श्री जितिन प्रसाद
माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी, भारत सरकार

विशिष्ट अतिथि
कर्नल राज्यवर्धन राठौड़
माननीय मंत्री, सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार
राजस्थान सरकार

AI के क्षेत्र में राज्य सरकार की पहल

- AI द्वारा सिलिकोसिस मरीजों की पहचान
- राजस्थान सम्पर्क 181 के AI वॉइस बॉट से समस्याओं का समाधान
- 4 लाख सरकारी स्कूलों में कमज़ोर विद्यार्थियों को AI से सीखने में मदद
- राज निवेश चैटबॉट से निवेशकों को अपने आवेदन की रियल टाइम जानकारी
- AI से लाखों किसानों को फसल के पोषण और बीमारियों की पहले से ही जानकारी

राजस्थान AI/ML पॉलिसी 2026

- AI आधारित नए पब्लिक प्लेटफॉर्म
- उद्योगों को AI अपनाने हेतु विशेष प्रोत्साहन
- सरकारी सेवाओं में AI का और अधिक इस्तेमाल
- स्कूल, ITI एवं विश्वविद्यालयों में AI एज्यूकेशन पर विशेष ज़ोर
- 50,000+ युवाओं व 20,000+ सरकारी अधिकारियों को AI प्रशिक्षण
- बूटकैंप, हैकेथॉन, इनोवेशन चैलेंज आदि के माध्यम से AI को बढ़ावा

Digital India Power To Empower
INDIAai
DoIT.C RAJASTHAN

सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग, राजस्थान

राजस्थान संवाद

विचार बिन्दु

पराधीन को जिन्दा कहें, तो मुर्दा कौन है। –हितोपदेश

वेनेजुएला पर अमेरिका का आधिपत्य संयुक्त राष्ट्र संघ बना अप्रासंगिक

जिस प्रकार गत शनिवार को 30 मिनट के सैन्य ऑपरेशन में अमेरिका द्वारा दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को गिरफ्तार कर अमेरिका ले जाया गया, उसने एक बार फिर संयुक्त राष्ट्र संघ की उपयोगिता और प्रासंगिकता पर प्रश्न चिन्ह खड़ा कर दिया है। इसके पहले कि हम संयुक्त राष्ट्र संघ की समाप्त होती प्रासंगिकता पर विचार करें, यह होगा कि इसकी स्थापना की पृष्ठभूमि और इसके उद्देश्यों का उल्लेख किया जाए।

राष्ट्र संघ द्वारा द्वितीय विश्व युद्ध को रोकने में असफल रहने पर द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति के बाद 1945 में 51 देशों ने मिलकर संयुक्त राष्ट्र संघ का गठन किया। इसके मुख्य उद्देश्य इस प्रकार थे–

1. अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को सुनिश्चित करना और विश्व युद्ध को रोकना
2. इसके सदस्य देशों में मित्रता व्यवहार विकसित करना
3. वैश्विक समस्याओं पर अंतर्राष्ट्रीय सहयोग प्राप्त करना
4. मानव अधिकारों का सम्मान करना एवं उनका संवर्धन करना
5. उपरोक्त उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए संवाद स्थापित करने हेतु मंच प्रदान करना

24 अक्टूबर, 1945 को स्थापित किए गए संयुक्त राष्ट्र संघ के वर्तमान में 193 देश सदस्य हैं। विश्व के लगभग सभी स्वतंत्र राष्ट्र इसके सदस्य हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए इसकी अन्य संस्थाएं भी बनाई गई जैसे सुरक्षा परिषद, विश्व बैंक, विश्व स्वास्थ्य संगठन, यूनेस्को, यूनिसेफ आदि।

प्रारंभिक कुछ वर्षों में संयुक्त राष्ट्र संघ ने विभिन्न देशों के संघर्ष को रोकने में एवं विकासशील देशों को आगे बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जब कोई देश संयुक्त राष्ट्र संघ के द्वारा पारित प्रस्ताव का उल्लंघन करता दिखाई दिया, तो उसके विरुद्ध कई प्रकार के प्रतिबंध भी लगाए गए, जिसका अन्य सदस्य देशों ने पालन भी किया।

संयुक्त राष्ट्र संघ के विभिन्न क्रियाकलापों के लिए अधिकांश वित्तीय सहायता अमेरिका द्वारा दी जाती है। इसका मुख्यालय भी न्यूयॉर्क में है। इस संस्था से यह अपेक्षा थी कि वह विभिन्न देशों के मध्य शांति स्थापित करेगा और प्रत्येक सदस्य राष्ट्र की संप्रभुता पर किसी प्रकार की आंच नहीं आने देगा। जब भी किसी राष्ट्र ने किसी दूसरे राष्ट्र की स्वतंत्रता पर आघात पहुंचाने का प्रयास किया तो संयुक्त राष्ट्र संघ एवं उसकी एक घटक संस्था सुरक्षा परिषद के माध्यम से आक्रामक देश को नियंत्रित करने का काम भी किया। अनेक बार सुरक्षा परिषद और महा सभा द्वारा इस प्रकार के देशों के विरुद्ध निंदा प्रस्ताव पारित किए गए।

संयुक्त राष्ट्र संघ अपनी स्थापना के 80 वर्ष पूरे कर चुका है एवं इसकी सफलता का एक पैमाना यह माना जा सकता है कि यह संस्था अभी तक अस्तित्व में है और यह 80 वर्षों में तीसरा विश्व युद्ध रोकने में सफल हुई है। अब संयुक्त राष्ट्र संघ की प्रभावशीलता एवं इसका महत्व धीरे-धीरे कम हो गया है। ऐसी स्थिति उत्पन्न करने में मुख्य भूमिका अमेरिका ने निभाई है। अमेरिका द्वारा, विशेषकर डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद, संयुक्त राष्ट्र संघ को दी जाने वाली आर्थिक सहायता बहुत कम कर दी गई है, जिसके कारण इसके विभिन्न कार्यक्रम प्रभावित हुए हैं।

चूंकि संयुक्त राष्ट्र संघ, सभी सदस्य देशों की ही एक संस्था थी है, इसलिए नैतिक रूप से इसके सदस्य राष्ट्रों पर यह दबाव था कि वे संयुक्त राष्ट्र संघ में लिए गए निर्णयों की पालना करें और उनकर सम्मान करें। धीरे-धीरे, कुछ राष्ट्रों ने, विशेष कर ,अमेरिका और चीन ने इसकी परवाह करना बंद कर दिया और अपनी मनमानी करने लगे।

संयुक्त राष्ट्र संघ में अमेरिका का सदा ही वर्चस्व रहा है। सुरक्षा परिषद के स्थाई सदस्यों को यह अधिकार प्राप्त है कि वे किसी भी प्रस्ताव को वीटो कर सकते हैं अर्थात किसी भी प्रस्ताव पारित होने से रोक सकते हैं। जब से चीन संयुक्त राष्ट्र संघ का सदस्य बना है, तब से कई बार भारत के पक्ष में होने वाले निर्णय को चीन ने वीटो के द्वारा रोक दिया है।

यह सही है कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद कोई विश्व युद्ध नहीं हुआ किंतु संघर्ष की स्थिति अनेक स्थानों पर बनी।

गत कुछ वर्षों में विश्व में इस प्रकार के संघर्ष हुए जिससे संयुक्त राष्ट्र संघ की प्रभावशीलता पर प्रश्न चिन्ह लगे जैसे अमेरिका द्वारा अफगानिस्तान, इराक और ईरान पर आक्रमण, इजरायल द्वारा फलस्तीन पर आक्रमण, रूस द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण। कुछ साल पहले अमेरिका ने पाकिस्तान में घुसकर ओसामा बिन लादेन को मार दिया और अंतरराष्ट्रीय जगत कुछ नहीं कर पाया। इसी प्रकार चार वर्षों से रूस ने यूक्रेन के विरुद्ध युद्ध छेड़ रखा है और एक तरह से यूक्रेन को तबाह कर दिया है। यूक्रेन पूर्व सोवियत संघ का ही एक भाग था। रूसी राष्ट्रपति पुतिन अभी तक अपने आक्रामक रवैए को बनाए रखे है।

अधिकांश वैश्विक संस्थाएं अधिकतर अमेरिका के आर्थिक सहयोग पर निर्भर करती हैं और जब वही इन संस्थाओं को वित्तीय सहायता बंद कर दे, तो इन संस्थाओं को चलाना वैसे भी कठिन हो जाएगा। कुल मिलाकर हम यह कह सकते हैं कि संयुक्त राष्ट्र संघ अपनी उपयोगिता और प्रासंगिकता लगभग पूरी तरह खो चुका है और उसे बनाए रखने का अब कोई औचित्य नहीं है।

गत कुछ वर्षों में संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका एक अधिकार विहीन मूक दर्शक की हो गई है। इसके द्वारा पारित प्रस्तावों की कोई परवाह नहीं करता है। कोई भी देश, जब चाहे, किसी दूसरे देश की संप्रभुता पर चोट कर रहा है।

गत शनिवार को तो अमेरिका ने अंतरराष्ट्रीय कानून की धज्जियां उड़ा दीं जब उसने वेनेजुएला पर आक्रमण करके वहां के राष्ट्रपति को बंदी बनाकर अमेरिका ले गया और उस पर अधिपत्य जमा लिया। उल्लेखनीय है कि वेनेजुएला की जनसंख्या लगभग तीन करोड़ है और विश्व का सर्वाधिक तेल भंडार यहां है। यह अंतरराष्ट्रीय कानून का घोर उल्लंघन था और संयुक्त राष्ट्र के सिद्धांतों के भी विपरीत भी, किंतु अभी तक संयुक्त राष्ट्र संघ अथवा सुरक्षा परिषद ने इस बारे में कोई भी कार्रवाई नहीं की है। जब से डोनाल्ड ट्रंप दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बने हैं, वे अपने अजीबोगरीब बयानों के लिए जाने जाते रहे हैं। कभी शांति दूत की तरह अपनी पहचान बनाना चाहते हैं और स्वयं को नोबेल शांति पुरस्कार का अधिकारी घोषित कर देते हैं। पाकिस्तान द्वारा उन्हें नोबेल पुरस्कार देने की सिफारिश भी करवा देते हैं। वे दावा करते हैं कि उन्होंने विश्व में आठ अलग-अलग स्थान पर देशों के बीच में युद्ध को रोका है। इनमें भारत-पाकिस्तान के युद्ध विराम का श्रेय लेने से भी नहीं चूकते और 50 से अधिक बार इस प्रकार का दावा कर चुके हैं। यह अलग बात है कि अब इस प्रकार के दावों को न केवल भारत बल्कि अन्य देश भी गंभीरता से नहीं लेते हैं।

यह एक विडंबना ही है कि ऐसा व्यक्ति जो नोबेल शांति पुरस्कार प्राप्त करने की दावेदारी कर रहा था, उसने अचानक अपने पड़ोसी देश वेनेजुएला पर आक्रमण करके और उस पर अधिपत्य जमा लिया। संयुक्त राष्ट्र संघ के गठन के बाद इस प्रकार किसी देश पर दूसरे देश द्वारा कब्जा करना की पहली घटना है। ट्रंप ने यह कार्रवाई वेनेजुएला के राष्ट्रपति मादुरो के ड्रग माफिया में लिप्त होने के आरोप के आधार पर करने की बात कही है। ट्रंप ने यह कार्रवाई करके संयुक्त राष्ट्र संघ के अस्तित्व पर ही प्रश्न चिन्ह लगा दिया है और इसे लगभग अप्रासंगिक बना दिया है। देखना यह है कि अमेरिका के आक्रमण के बाद चीन का क्या रुख रहता है? फिलहाल तो अंतरराष्ट्रीय जगत में एक ही बात चरितार्थ होती दिखाई देती है कि "जिसकी लाठी उसकी भैंस"।

किसी भी देश की सीमाओं का अतिक्रमण करके उस पर अधिपत्य जमाना अंतरराष्ट्रीय कानून का स्पष्ट उल्लंघन है। यह उल्लंघन अब बार-बार होने लगा है एवं इसका कोई संज्ञान संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा नहीं लिया जा रहा है।

पूर्व में अमेरिका ने इराक पर हमला यह कहते हुए किया था कि इराक के पास रासायनिक हथियार हैं जबकि इराक पर हमला समाप्त होने के बाद भी कभी यह सिद्ध नहीं हो पाया कि इराक के पास कोई रासायनिक हथियार थे।

ट्रंप अब तक पुतिन को यूक्रेन पर हमले करने से रोकने के लिए कह रहे थे किंतु अब उनका यह नैतिक अधिकार भी समाप्त हो गया है। कहीं ऐसा ना हो कि ट्रंप के द्वारा की गई कार्रवाई से प्रेरणा लेकर रूस यूक्रेन को अपने कब्जे में लेने की कार्रवाई तेजी से करने लगे। ऐसी स्थिति चीन और ताइवान के बीच में बन सकती है। यह उल्लेखनीय है कि वेनेजुएला के राष्ट्रपति मादुरो कम्युनिस्ट पार्टी के थे। रूस और चीन ने उनका समर्थन किया है। अब देखना यह भी है कि क्या रूस और चीन मादुरो का समर्थन करते हुए अमेरिका के विरुद्ध कोई सैनिक कार्रवाई करेंगे? अब तक के घटनाक्रम से ऐसा होने की संभावना कम ही दिखाई देती है।

अमेरिका, विशेष कर राष्ट्रपति ट्रंप ने कई प्रकार के अंतरराष्ट्रीय समझौतों से भी अपना हाथ खींच लिया है। जलवायु परिवर्तन के बारे में जिस प्रकार की सहायता अमेरिका द्वारा अब तक दी जाती रही थी उसे भी बंद करने की घोषणा ट्रंप ने कर दी है। अधिकांश वैश्विक संस्थाएं अधिकतर अमेरिका के आर्थिक सहयोग पर निर्भर करती हैं और जब वही इन संस्थाओं को वित्तीय सहायता बंद कर दे, तो इन संस्थाओं को चलाना वैसे भी कठिन हो जाएगा।

कुल मिलाकर हम यह कह सकते हैं कि संयुक्त राष्ट्र संघ अपनी उपयोगिता और प्रासंगिकता लगभग पूरी तरह खो चुका है और उसे बनाए रखने का अब कोई औचित्य नहीं है।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

राजस्थान संपर्क पोर्टल प्रदेशवासियों के भरोसे व संवाद का विश्वसनीय मंच बना

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार संवेदनशीलता से नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान कर रही है

अंजलिका पंवार

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार संवेदनशीलता के साथ प्रदेशवासियों की समस्याओं का समाधान कर रही है। आमजन की सहायता के लिए स्थापित राजस्थान

■ **हेल्पलाइन 181 के माध्यम से आमजन की समस्याओं की नियमित सुनवाई हो रही है**

सम्पर्क पोर्टल की हेल्पलाइन 181 सभी समस्याओं के त्वरित निस्तारण का एक बेहतरीन मंच साबित हो रही है। यह पोर्टल (हेल्पलाइन 181) प्रदेशवासियों और राज्य सरकार के बीच संवाद और समाधान के सोपान का अनूठा माध्यम बनता जा रहा है। यह प्रणाली एक ही प्लेटफार्म पर सुगम, सरल, पारदर्शी और त्वरित राहत का एक जरिया बनकर उभर रही है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा समय-समय पर स्वयं हेल्पलाइन 181 कॉल सेंटर पर पहुंच कर आमजन की समस्याओं को सुनते हैं और उनके त्वरित निस्तारित करने के लिए अधिकारियों को निर्देश भी देते हैं। राजस्थान संपर्क के माध्यम से प्रदेश में आमजन की शिकायत निवारण और राज्य सरकार के विभागों से संबंधित जानकारी प्रदान करने का मजबूत तंत्र विकसित हुआ है। यह हेल्पलाइन एक एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली के रूप में कार्य करते हुए ऑनलाइन माध्यम से तय समय सीमा में शिकायतों और सवालों को संबंधित विभागों तक पहुंचाती है। साथ ही, नागरिकों को इस संबंध में लगातार अपडेट करते हुए उनसे फीडबैक भी लेती है। राजस्थान सम्पर्क द्वारा प्रतिदिन लोगों की समस्याओं का निस्तारण किया जा रहा है।

आवश्यक दस्तावेज सम्बन्धी समस्या का समयबद्ध समाधान :- हनुमानगढ़ निवासी प्रभुराम के जाति प्रमाण पत्र से जुड़ी समस्या का समाधान राजस्थान संपर्क के माध्यम से समयबद्ध रूप से हुआ। जब राजस्व विभाग द्वारा जाति प्रमाण पत्र जारी करने में विलम्ब हुआ तो 11 अक्टूबर, 2025 को शिकायत दर्ज की गई। शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए राजस्व विभाग ने 13 अक्टूबर, 2025 को जाति प्रमाण पत्र जारी कर दिया। परिवाद के सत्यापन के दौरान शिकायतकर्ता ने संतुष्टि दर्ज करते हुए धन्यवाद भी व्यक्त किया।

इसी तरह कोटा निवासी शिवानी रजत के जनआधार में आय प्रमाण पत्र अपडेट नहीं होने से काम अटका हुआ था। 25 नवम्बर, 2025 को यह समस्या राजस्थान संपर्क पर दर्ज की गई और यहीं से समाधान की प्रक्रिया ने गति पकड़ी। शिकायत पर संज्ञान लेते हुए 28 नवम्बर, 2025 को आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग द्वारा जनआधार अपडेट कर दिया गया।

सफाई की शिकायत, तुरंत कार्रवाई :- बीकानेर निवासी गोविंद सिंह ने जब अपने क्षेत्र में सफाई नहीं होने की समस्या को लेकर 11 दिसम्बर, 2025 को राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन 181 पर शिकायत दर्ज कराई तो उन्हें तुरंत जवाब मिला। नगरपालिका बीकानेर ने तुरंत कार्रवाई करते हुए क्षेत्र में सफाई करवाकर समस्या का निस्तारण किया। यही नहीं, अंता (बारां) निवासी रवि की कॉलोनी में नाले का गंदा पानी सड़क पर बहने लगा था, जिससे परेशानी बढ़ती जा रही थी। 2 दिसम्बर, 2025 को यह समस्या राजस्थान संपर्क पोर्टल पर दर्ज हुई और समाधान भी तुरंत हुआ। शिकायत मिलते ही नगर पालिका, बारां ने उसी दिन बताए गए स्थान पर सफाई करवाई। शिकायतकर्ता से संवाद कर निस्तारण का सत्यापन भी किया गया।

खेत तक पहुंची रोशनी, कृषक को मिली राहत :- भीलवाड़ा जिले के जहाजपुर निवासी श्यामलाल के खेत पर एक महीने तक बिजली आपूर्ति बाधित होने से कृषि संबंधी कार्य बाधित हो रहा था। 26 नवम्बर को यह समस्या राजस्थान संपर्क पर दर्ज हुई। शिकायत पर त्वरित संज्ञान लेते हुए अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड ने 28 नवम्बर को खेत पर बिजली आपूर्ति सुचारु कर दी।

सुविधाओं का सुचारू संचालन हुआ सुनिश्चित :- सलूम्बर के बामनिया निवासी महेश कुमार के क्षेत्र में पाइपलाइन टूट जाने से जल आपूर्ति प्रभावित हो रही थी। कई बार सूचना देने के बाद भी समस्या जस की तस बनी रही, तब 5 दिसम्बर को यह शिकायत राजस्थान संपर्क पर दर्ज की गई। शिकायत मिलते ही जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग सक्रिय हुआ और 7 दिसम्बर, को संबंधित उपखंड के सहायक अभियंता द्वारा टूटी पाइपलाइन को ठीक करवा दिया गया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

ऐसा ही एक मामला सवाईमाधोपुर जिले के बोली क्षेत्र में देखने को मिला, जब सार्वजनिक हैंडपंप खराब होने से पेयजल समस्या उत्पन्न हो गई। स्थानीय निवासी श्री दिनेश कुमार ने 12 अक्टूबर को यह शिकायत राजस्थान संपर्क पर दर्ज कराई और प्रशासन ने तुरंत संज्ञान लिया। अगले ही दिन, 13 अक्टूबर को जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा हैंडपंप को ठीक करवा दिया गया।

उपरोक्त सभी उदाहरण यह साबित करते है कि जब नागरिक अपनी समस्या सही मंच तक पहुंचाते हैं, तो प्रशासन भी उतनी ही संवेदनशीलता और तत्परता से समाधान सुनिश्चित करता है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा संचालित राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन नागरिक और सरकार के बीच विश्वास की वह कड़ी है, जहां हर शिकायत सिर्फ सुनी ही नहीं जाती, बल्कि जमीनी स्तर पर कार्रवाई के साथ उसका समाधान किया जाता है। यही जनसेवा की सच्ची पहचान है।

अंजलिका पंवार,
एपीआरओ, राजस्थान सरकार

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप शिक्षा में नवाचार

बच्चों को खेल-खेल में मिलेगी शिक्षा, बच्चों पर किताबों का भार होगा कम

डॉ. अमृता कटारा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार शिक्षित राजस्थान-समर्थ राजस्थान के संकल्प को साकार करने की दिशा में निरंतर प्रभावी कदम उठा रही है। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा प्राथमिक शिक्षा को अधिक बाल अनुकूल, सरल और सीखने में रुचिकर बनाने के उद्देश्य से पाठ्यपुस्तकों के भार को कम करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है। यह पहल न केवल विद्यार्थियों के शारीरिक स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है बल्कि विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता और रुचि को भी बढ़ाने वाली साबित होगी।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 प्री स्कूल और प्राथमिक शिक्षा में स्थानीय बोली में शिक्षा देने, बस्ते के बोझ को कम करने तथा खेल-खेल में पढ़ाने पर केन्द्रीत है। राज्य सरकार ने इस शिक्षा नीति की भावना को जमीनी स्तर पर साकार करने के लिए कई कदम उठाए हैं। इनमें राजकीय विद्यालयों में शनिवार को 'नो बैग डे' आयोजित कर बच्चे को तनावमुक्त कर कला, खेलकूद, नेतृत्व क्षमता, सहकारिता व सहयोग की भावना पर जोर देना शामिल है।

इसी की कड़ी में कक्षा 1 से 5 तक के बच्चों की पुस्तकों को जोड़कर इस शैक्षणिक वर्ष में दो चरणों में, प्रत्येक चरण में दो-दो पुस्तकों के रूप में वितरित किया जाएगा। इससे विद्यार्थियों के स्कूल बैग का भार लगभग 50 प्रतिशत तक कम हो जाएगा। यह व्यवस्था बच्चों के लिए पढ़ाई को बोझ नहीं बल्कि आनंद का माध्यम बनाने की दिशा में एक ठोस कदम है।

अगले शैक्षणिक वर्ष से प्रत्येक तिमाही के लिए केवल एक ही समेकित पुस्तक भेजी जाएगी, जिससे बच्चों पर किताबों का भार और घटकर 25 प्रतिशत रह जाएगा। यह व्यवस्था राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप है, जिसमें विद्यार्थियों पर अनावश्यक शैक्षिणक दबाव कम करने, समग्र विकास तथा अनुभवात्मक शिक्षण पर विशेष बल दिया गया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में शिक्षित राजस्थान अभियान के तहत राज्य सरकार का स्पष्ट लक्ष्य है कि बच्चों को हल्का स्कूल बैग, सुरक्षित वातावरण और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले। शिक्षा केवल परीक्षा तक सीमित न रहे, बल्कि बच्चों के व्यक्तित्व, कौशल और नैतिक मूल्यों के विकास का माध्यम बने। पुस्तक भार कम करने की यह पहल भी इसी सोच का परिणाम है।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ही उद्देश्य- गौरतलब है कि राज्य में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए निरंतर बहुआयामी प्रयास किए जा रहे है। इन्हीं प्रयासों के तहत विद्यालयों में आधारभूत संरचनाओं का सुदृढ़ीकरण किया जा रहा है। नए कक्षा-कक्ष, स्मार्ट क्लास, विज्ञान प्रयोगशालाएं, पुस्तकालय तथा स्वच्छ पेयजल एवं शौचालय सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है।

डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देते हुए ई-कंटेंट, स्मार्ट बोर्ड और आईसीटी आधारित शिक्षण को प्राथमिक विद्यालयों तक पहुंचाया जा रहा है, जिससे बच्चे तकनीक के साथ सीख सकें। नामांकन वृद्धि और ड्रॉपआउट कम करने के लिए विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं, ताकि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देते हुए दिव्यांग, वंचित एवं ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों के लिए विशेष योजनाएं लागू की जा रही है।

व्यवहारिक, आधुनिक और विद्यार्थी-केंद्रित स्कूल शिक्षा के लिए अभिनव पहल-

इन सभी पहलों का उद्देश्य शिक्षा को व्यवहारिक, आधुनिक और विद्यार्थी-केंद्रित बनाना है। पुस्तक भार में कमी से बच्चों की नियमित उपस्थिति बढ़ेगी, सीखने में रुचि विकसित होगी और अभिभावकों की चिंता भी कम होगी। राज्य सरकार की यह दूरदर्शी पहल राजस्थान को शिक्षा के क्षेत्र में एक अग्रणी राज्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। यह कदम आने वाले वर्षों में बच्चों के शैक्षणिक परिणामों, स्वास्थ्य और समग्र विकास पर सकारात्मक परिणाम का एक बड़ा कदम साबित होगा।

–डॉ. अमृता कटारा,
एपीआरओ, राजस्थान सरकार

टोंक में पुलिस ने गुम हुये 80 मोबाइल बरामद कर परिवादियों को लौटाये

टोंक, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार मीना के निर्देशन में जिले में चलाये गये विशेष अभियान के तहत आमजन के गुमशुदा मोबाइल नहीं मिलने के सम्बन्ध में आये दिन प्राप्त हो रहे परिवादों को संज्ञान में लेकर पिछले एक वर्ष में गुमशुदा ऐसे मोबाइलों को बरामद करने हेतु सायबर टीम ने कार्यवाही करते हुए गुमशुदा मोबाइलों की एक्टिवेशन डिटेल प्राप्त करने के बाद बरामद कर सम्बन्धित थाना स्तर पर एक विशेष टीम बनाकर मोबाइल बरामद करने का अभियान चलाया गया। उक्त अभियान के दौरान अब तक 80 मोबाइल बरामद किये जा चुके हैं। बरामद मोबाइलों की अनुमानित किमत लगभग 14 लाख 7 हजार हैं। बरामद किये गये 80 मोबाईल सम्बन्धित परिवादियों को वितरित करने हेतु नव वर्ष पर जिला एवं थाना स्तर पर एक साथ कार्यक्रम आयोजित कर सम्बन्धित परिवादियों को मोबाईल वितरित किये गये।

■ **बरामद मोबाइलों की किमत 14.7 लाख रुपये बताई**

इसके अलावा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रतनलाल भार्गव के निर्देशन में वृत्ताधिकारी उनियारा आकांक्षा चौधरी एवं सोप थानाधिकारी विनोद कुमार के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा सोप थाना क्षेत्र स्थित गलवानिया बांध की पाल के पास सार्वजनिक स्थान पर रूपये/पैसों का दांव लगाकर संगठित होकर जुआ सट्टा खेलते हुए आरोपी दिनेश सिंह पुत्र उमराव सिंह, महेन्द्र सिंह पुत्र भवानी, नफीस हुसैन पुत्र शेर खां, गोविन्दा पुत्र कैलाश, राकेश पुत्र रामप्रसाद मीना को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 63 हजार 510 रूपये जुआ राशि एवं सट्टा उपकरण व एक कार को जब्त किया गया।

पुलिस ने जब्त मोबाइल परिवादियों को लौटाये।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

मंगलवार 6 जनवरी, 2026

माघ मास, कृष्ण पक्ष, तृतीया तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2082, आश्लेषा नक्षत्र दिन 11:18 तक, प्रीति योग रात्रि 8:21 तक, विष्टि करण प्रातः 8:02 तक, चन्द्रमा आज दिन 11:18 से सिंह राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-धनु, चन्द्रमा-कर्क, मंगल-धनु, बुध-धनु, गुरू-मिथुन, शुक्र-धनु, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से दिन 12:18 तक है। भद्रा प्रातः 8:02 तक रहेगी। आज अंगारक सकष्ट चतुर्थी और तिलकुटा चौथ व्रत है। चन्द्रोदय जयपुर में रात्रि 9:04 पर होगा। आज सौभाग्य सुन्दरी व्रत है। आज चतुरथी तिथि का क्षय हुआ है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:56 से 11:14 तक, लाभ-अमृत 11:14 से 1:50 तक, शुभ 3:08 से 4:26 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 7:21, सूर्यास्त 5:44

मेष
परिजनों के व्यवहार के कारण दुःख हो सकता है। आवश्यक कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। आपसी ईर्ष्या-वैमनस्यता के कारण परेशानी हो सकती है।

वृष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।

मिथुन
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

कर्क
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनःस्थिति ठीक रहेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

सिंह
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनःस्थिति ठीक रहेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

तुला
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा।

धनु
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। नवीन कार्यों में परेशानी हो सकती है। मन में असंतोष बना रहेगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

मकर
परिवार में आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। व्यावसायिक यात्रा संभव है। दिन के मध्यान्ह पश्चात चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है।

कुंभ
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
आज महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। महत्वपूर्ण कार्य योजना बनेगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

बीकानेर

Rashtradoot

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 47 संख्याः 164 प्रभात बीकानेर, मंगलवार 6 जनवरी, 2026 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रू.

असम चुनाव, प्रियंका के लिए इम्तिहान की घड़ी बना

प्रियंका गांधी को असम चुनाव के लिए बनाई गई स्क्रीनिंग कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया है और स्क्रीनिंग कमेटी के सदस्य भी प्रियंका गांधी के भक्त लोग, जैसे इमरान मसूद ही हैं

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 जनवरी। संभवतः यह पहला अक्सर है कि नेहरू-गांधी परिवार के किसी सदस्य को किसी चुनावी राज्य की स्क्रीनिंग कमेटी की ज़िम्मेदारी दी गई है।

प्रियंका गांधी वाड्रा को असम के लिए स्क्रीनिंग कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया है, जहाँ कांग्रेस का मुक़ाबला भाजपा और उसके नेता हेमंत बिस्वा शर्मा से है। हेमंत बिस्वा शर्मा पहले कांग्रेस में थे, बाद में भाजपा में शामिल हुए और जल्दी ही भाजपा नेतृत्व के चहेते बन गए।

इस कमेटी में कांग्रेस सांसद इमरान मसूद भी शामिल हैं, जिन्होंने सार्वजनिक रूप से यह माँग की है कि प्रियंका गांधी को देश का प्रधानमंत्री बनाया जाना चाहिए।

कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच प्रियंका गांधी को पार्टी में बड़ी भूमिका दिए जाने की माँग लगातार बढ़ती जा रही है। यह बात उन्होंने सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे और यहाँ तक कि राहुल गांधी तक को साफ़-साफ़ बता दी है।

- **लोकसभा में राहुल की अनुपस्थिति में, प्रियंका गांधी का प्रदर्शन बहुत सराहनीय रहा था और प्रियंका को पार्टी में महत्वपूर्ण व निर्णायक भूमिका देने की मांग जोरों से उठी है और यह बात सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी तक भी पहुंचायी जा चुकी है।**
- **अतः असम में प्रियंका गांधी और उनकी टीम यदि सफल होती है, तो उनकी अवहेलना करना मुश्किल हो जाएगा और प्रियंका गांधी असम में फेल हो जाती हैं तो उन्हें कोई और महत्वपूर्ण व निर्णायक भूमिका देने की मांग अपने आप ठंडी पड़ जाएगी।**
- **यह सब समझते हुए, प्रियंका गांधी असम में यह जोखिम भरी जिम्मेवारी निभाने को क्यों तैयार हो गईं? क्या वे कुछ निराश सी हो गई थीं और जोखिम उठाने के अलावा उनके समक्ष कोई विकल्प नहीं रह गया था। ''बोरियत'', का चक्रव्यूह तोड़ने के अलावा।**

राहुल गांधी की अनुपस्थिति में संसद में प्रियंका गांधी के शानदार प्रदर्शन ने इस धारणा को और मज़बूत किया है कि उनकी क्षमताओं का पूरा उपयोग नहीं हो रहा है जबकि वे भाजपा और उसके नेतृत्व को चुनौती देने में पूरी तरह सक्षम हैं।

पार्टी में होने वाले संभावित फेरबदल में उनकी भूमिका क्या होगी, इस पर फिर से बहस शुरू हो गई है। यह भी सवाल उठ रहा है कि क्या उन्हें संगठन में कोई बड़ी और अहम ज़िम्मेदारी मिलेगी या चुनावी प्रबंधन से जुड़ी वह बड़ी भूमिका सौंपी जाएगी, जिसका वादा तो किया गया है, लेकिन अब तक पूरा नहीं हुआ।

पहले भी यह कहा जाता रहा है कि राहुल गांधी की टीम, प्रियंका गांधी को बड़ी भूमिका देने के पक्ष में नहीं है, क्योंकि उन्हें डर है कि इससे राहुल गांधी की छवि दब सकती है या पार्टी के भीतर कोई वैकल्पिक शक्ति केन्द्र बन सकता है।

लेकिन सूत्रों का कहना है कि पार्टी एक के बाद एक चुनाव हार रही है और राहुल गांधी अपनी बनाई हुई बिखरी हुई सी टीम के साथ अकेले पार्टी को संभाल पाने में असमर्थ दिख रहे हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'अब यही है मेरी जिंदगी'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 जनवरी। पाँच साल जेल में रहने के बाद जब उनके लिए एक और दरवाज़ा बंद हो गया, तो सामाजिक कार्यकर्ता और जेएनयू के पूर्व छात्र नेता उमर ख़ालिद ने अपनी महिला मित्र से कहा कि अब जेल में रहना ही उस की ज़िंदगी बन गई है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें खुशी है कि मामले में पाँच अन्य लोगों को ज़मानत मिल गई है।

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को 2020 के दिल्ली दंगों की साज़िश के मामले में

- **सुप्रीम कोर्ट द्वारा जमानत अर्जी खारिज़ होने पर बेहद निराशा में उमर खालिद ने कहा, पर अन्य 5 को जमानत मिलने पर खुशी जताई।**

ख़ालिद और उसके साथी छात्र कार्यकर्ता शरजील इमाम को ज़मानत देने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि उनके खिलाफ़ आपराधिक साज़िश में शामिल होने के पर्याप्त सबूत मौजूद हैं। हालांकि, कोर्ट ने इसी मामले में नामज़द पाँच अन्य लोगों, कार्यकर्ता गुलफ़िशा फ़ातिमा, मीरान हैदर, शिफ़ा उर रहमान, मोहम्मद सलीम ख़ान और शादाब अहमद को ज़मानत दे दी। कोर्ट ने कहा कि इन लोगों की स्थिति ख़ालिद और इमाम के समान नहीं है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ट्रंप ने क्यूबा, कोलंबिया और मैक्सिको को भी सैन्य कार्यवाही की धमकी दी

वेनेज़ुएला के सैन्य ऑपरेशन से ट्रंप बेहद उत्साहित हैं, उन्होंने कहा, अमेरिका पूरी तरह से तैयार है

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 जनवरी। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने अपनी ताकत दिखाते हुए क्यूबा, कोलंबिया और मैक्सिको को कड़ी चेतावनी दी है, और आरोप लगाया है कि इन देशों की सरकारें मादक पदार्थों की तस्करी, गैंगवॉर और क्षेत्रीय अस्थिरता को बढ़ावा दे रही हैं। उनका कहना है कि वॉशिंगटन का धैर्य समाप्त हो रहा है, क्योंकि वैस्टर्न हैमिस्फीयर में सुरक्षा खतरों में इजाफा हो रहा है।

मार-ए-लागो से लौटते हुए एयरफोर्स वन पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि यदि ये देश नशीली दवाओं के उत्पादन, सीमा पार अपराध और मादक पदार्थ तस्करों के गिरोहों के प्रभाव को नियंत्रित करने में विफल रहते हैं, तो संयुक्त राज्य अमेरिका पूरी तरह से तैयार है और निर्णायक कार्रवाई करेगा।

क्यूबा पर ध्यान केन्द्रित करते हुए, ट्रंप ने दावा किया कि वेनेज़ुएला में हाल की अमेरिकी कार्रवाई के बाद हवाना की स्थिति तेज़ी से कमज़ोर हुई है। उन्होंने कहा, यह एक प्रमुख आर्थिक लाइफलाइन के कटने जैसा है।

- **ट्रंप ने कहा, वेनेज़ुएला की मादुरो सरकार के पतन के बाद क्यूबा की कोई इनकम नहीं बची है और अब क्यूबा की सरकार भी गिर जाएगी, हमें वहाँ जाने की जरुरत शायद ना पड़े।**
- **ट्रंप ने कोलंबिया नेतृत्व पर कोकीन उत्पादन और अमेरिका में कोकीन बेचने का आरोप लगाया और सैन्य कार्यवाही का संकेत देते हुए कहा, अमेरिका ज्यादा दिन ऐसा नहीं होने देगा।**
- **ट्रंप ने मैक्सिको के बारे में कहा कि ड्रग्स तस्करों के गिरोह ही मैक्सिको का शासन चला रहे हैं। वहाँ की राष्ट्रपति खुद ही भयभीत हैं। अगर मैक्सिको में हालात ठीक नहीं हुए तो हमारी सेना वहाँ जाएगी।''**

ट्रंप ने कहा, ''क्यूबा की अब कोई आय नहीं है,'' उन्होंने आरोप लगाया कि ''यह द्वीप राष्ट्र वेनेज़ुएला से तेल आपूर्ति पर अत्यधिक निर्भर था, उन्होंने अपनी सारी आय वेनेज़ुएला से प्राप्त की और अब क्यूबा सचमुच गिरने के कगार पर है।'' ट्रंप ने तत्काल अमेरिकी सैन्य हस्तक्षेप से इनकार किया, लेकिन उन्होंने यह सुझाव भी दिया कि यहां भारी उटलफेर हो सकता है, हम इस देश में नहीं घुस रहे हैं। मुझे लगता है कि यह खुद गिरने वाला है। यह गिरने के लिए तैयार है।'' उन्होंने यह भी जोड़ा कि क्यूबा मूल के कई अमेरिकी ऐसे परिणाम का स्वागत करेंगे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

उमर खालिद और शर्जील इमाम को सुप्रीम कोर्ट ने नहीं दी जमानत

जमानत के लिए अपील करने पर भी एक साल की रोक भी लगाई

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 जनवरी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार (5 जनवरी 2025) को एक्टिविस्ट उमर खालिद और शर्जील इमाम को 2020 में दिल्ली में हुए दंगों से जुड़े एक मामले में जमानत देने से इनकार कर दिया। यह मामला गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत दर्ज किया गया था, जिसमें कथित ''बड़ी साजिश'' का आरोप है।

लेकिन कोर्ट ने पांच अन्य आरोपियों, गुलफिशा फातिमा, मीरान हैदर, शिफा उर रहमान, मोहम्मद सलीम खान और शादाब अहमद की कथित भूमिकाओं में अंतर होने के कारण उनकी जमानत मंजूर कर दीं।

न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और एन.वी. अंजरिया की बेंच ने दोनों ऐक्टिविस्टों पर लगाये गये आरोपों की गंभीरता को रेखांकित करते हुए कहा कि ये दोनों एक्टिविस्ट अन्य आरोपियों की तुलना में अलग श्रेणी में खड़े हैं।''

- **सुप्रीम कोर्ट ने 2020 के दिल्ली दंगों की साजिश रचने के आरोप में हालांकि उमर खालिद और शर्जील इमाम पर सख्ती की लेकिन 5 अन्य को जमानत दे दी और कहा कि पांचों की भूमिका स्पष्ट नहीं है।**
- **सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उमर खालिद और शर्जील इमाम गवाहों की जाँच पूरी होने या वर्तमान आदेश की तारीख का एक वर्ष पूरा होने या इनमें से जो भी पहले हो उसके बाद ही फिर से जमानत याचिका दायर कर सकते हैं।**
- **फरवरी 2020 में दिल्ली में हुए साम्प्रदायिक दंगों में 53 लोग मारे गए थे तथा सैकड़ों घायल हो गए थे। इस मामले हाई कोर्ट पहले ही सभी आरोपियों की जमानत खारिज कर चुका था।**

सुप्रीम कोर्ट ने 10 दिसंबर 2025 को इस मामले पर निर्णय सुरक्षित रखा था, जब इन आरोपियों ने दिल्ली उच्च न्यायालय के 2 सितंबर के उस फैसले

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एसआई भर्ती- डमी अभ्यर्थी बैठाने वाला एक और आरोपी गिरफ्तार

जयपुर, 5 जनवरी। उपनिरीक्षक पुलिस संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा-2021 में फर्जीवाड़े के एक बड़े मामले में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। एसओजी ने परीक्षा में चयन कराने के लिए सहयोग करने वाले सुनील कुमार विश्नोई को गिरफ्तार किया है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एसओजी विशाल बंसल ने बताया कि

- **गिरफ्तार आरोपी सुनील कुमार विश्नोई शारीरिक शिक्षा अध्यापक भर्ती में पहले भी गिरफ्तार हो चुका है।**

राजस्थान लोक सेवा आयोग अजमेर द्वारा आयोजित उपनिरीक्षक पुलिस संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा-2021 में डमी अभ्यर्थी बैठाकर परीक्षा दिलाने और अवैध रूप से चयन कराने के संबंध

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ट्रंप ने भारत के माल पर टैरिफ और बढ़ाने की धमकी दी

सोमवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए ट्रंप ने कहा, भारत जानता है कि वे ''भारत द्वारा रूस से ऑयल खरीदने से मैं खुश नहीं हूँ और अगर मैं खुश नहीं हूँ, तो कभी भी टैरिफ बढ़ा सकता हूँ''

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 जनवरी। भारत पहले से ही अमेरिका की ओर से 50 प्रतिशत भारी टैरिफ का सामना कर रहा है। इसी बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने टैरिफ और बढ़ाने की धमकी दी है। उन्होंने कहा कि ''रूस से भारत द्वारा तेल ख़रीदने के कारण, वॉशिंगटन बहुत जल्दी नई दिल्ली पर टैरिफ बढ़ा सकता है।''

एयर फ़ोर्स वन विमान में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा, ''वे (भारत) असल में मुझे खुश करना चाहते थे। मोदी बहुत अच्छे आदमी हैं, वे अच्छे इंसान हैं। उन्हें पता था कि मैं (भारत के रूसी तेल आयात से) खुश नहीं था और मुझे खुश करना ज़रूरी था। वे व्यापार करेंगे और हम उन पर बहुत जल्दी टैरिफ बढ़ा सकते हैं। यह उनके लिए बहुत बुरा होगा।''

- **ट्रंप के साथ खड़े अमेरिका के सीनेटर लिन्डसे ग्रेहम ने ट्रंप का तर्क दोहराया और कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त करने के लिए रूस के राष्ट्रपति पुतिन के ग्राहकों पर दबाव बनाना जरूरी है।**

ट्रंप की यह ताज़ा टिप्पणी, कई महीने पहले दिए गए उनके उस दावे के बाद आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें ''आश्वासन दिया था कि भारत रूस से तेल ख़रीदना बंद कर देगा। अब कोई आयात नहीं होगा, वे तेल नहीं ख़रीद रहे हैं।''

भारत ने ट्रंप के इस दावे को ख़ारिज करते हुए कहा था कि प्रधानमंत्री मोदी और ट्रंप के बीच ऐसी कोई बातचीत नहीं हुई थी।

इधर, ट्रंप के साथ विमान में मौजूद अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने कहा कि भारत पर लगाए गए टैरिफ ही ''मुख्य कारण'' हैं कि अब नई दिल्ली रूस से काफ़ी कम तेल ख़रीद रही है। उन्होंने कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के ग्राहकों पर दबाव बनाना ज़रूरी है।

ग्राहम ने कहा कि एक महीने पहले जब उनकी मुलाक़ात भारतीय राजदूत से हुई थी, तो ''वह केवल यही बात करना चाहते थे कि भारत रूस से कम तेल ख़रीद रहा है। क्या आप राष्ट्रपति से टैरिफ हटाने के लिए कहेंगे।''

ग्राहम के दावे पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन रूस से भारत के तेल आयात में गिरावट का रुझान ज़रूर दिख रहा है। भारत ने कहा है कि उसकी नीतियाँ बाज़ार में उपलब्ध विकल्पों और भारतीय उपभोक्ताओं की ज़रूरतों के आधार पर तय होती हैं।

हालाँकि हाल के महीनों में आयात घटा है, फिर भी रूस भारत का सबसे बड़ा तेल आपूर्तिकर्ता बना हुआ है। ट्रंप प्रशासन के अधिकारियों ने पहले आरोप लगाया था कि भारतीय कंपनियाँ रूस से ख़रीदे गए तेल को फिर से बेचकर अरबों डॉलर का मुनाफ़ा कमा रही हैं।

साल के पहले कार्यदिवस पर वकीलों ने पैरवी नहीं की

जयपुर, 5 जनवरी। राजस्थान हाईकोर्ट में माह के दो शनिवार को कार्य दिवस घोषित कर मुकदमों की सुनवाई करने के निर्णय का वकीलों ने विरोध किया है। हाईकोर्ट में इस साल के पहले कार्यदिवस पर वकीलों ने मुकदमों में पैरवी नहीं की। निचली अदालत में इवनिंग कोर्ट आरंभ करने का पायलट प्रोजेक्ट शुरू करने के विरोध में वकीलों ने अदालतों का बहिष्कार किया और प्रकरणों में पैरवी नहीं की। ये दोनों निर्णय हाल ही में हाईकोर्ट की पूर्ण पीठ की बैठक में लिए गए थे। इसके तहत हर माह के दो शनिवार को कार्य दिवस

- **वे इवनिंग कोर्ट के पायलट प्रोजैक्ट तथा माह में दो शनिवार कार्यदिवस घोषित होने का विरोध कर रहे हैं।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हिंदुओं पर ''अत्याचार'' के खिलाफ हो रहे हल्ले व क्रोध का कोई असर नहीं है, बांग्लादेश के प्रशासन पर

एक नवीन घटना में एक हिंदू विधवा के साथ सरे मार पिटाई के बाद, कई बार बलात्कार हुआ, वह चीखती-चिल्लाती रही, पर, कोई बचाने नहीं आया

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 जनवरी। भारत की भावनाओं और जन आक्रोश के बावजूद, बांग्लादेश हिंदू समुदाय की पीड़ा के प्रति पूरी तरह उपेक्षा बरत रहा है।

बांग्लादेश ने भारत की बार-बार की अपीलों और वहाँ हिंदुओं के साथ हो रहे व्यवहार को लेकर आम लोगों की गहरी पीड़ा की भावनाओं पर बहुत कम ध्यान दिया है।

हाल की एक घटना में, एक हिंदू विधवा का पीछा किया गया, उसे परेशान किया गया और बाद में दो लोगों ने उसकी गुहार की अनदेखी करते हुए, उसे पकड़कर प्रताड़ित किया। स्थानीय प्रशासन ने भी उसे सुरक्षा देने के लिए प्रयास नहीं किए।

आखिरकार उसके पीछा करने वालों ने उसे पकड़ लिया, उसे बेरहमी से यातनाएँ दीं, पेड़ से बाँध दिया और उसके साथ बार-बार बलात्कार किया। बाद में स्थानीय लोगों ने उसे बेहोशी की हालत में पाया और उसे एक स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। उसका इलाज शुरू होने और होश में आने के बाद ही उसकी पीड़ा और दुर्गति की पूरी जानकारी सामने आ सकी।

महिला पर हुए इस भयानक हमले का खुलासा होने के बाद ही पुलिस ने कुछ कदम उठाए और दो अपराधियों को गिरफ़्तार किया। वह इतनी डरी हुई थी कि उसने शुरू में अपनी ओर से कुछ भी बताने की हिम्मत नहीं की। बांग्लादेश में हिंदुओं के लिए डर और धमकाने का ऐसा ही माहौल बना हुआ है।

- **डर इतना व्याप्त था कि उस महिला को रिपोर्ट लिखाने की हिम्मत नहीं हुई। पर, अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी दुर्दशा देखकर, घटना सामने आई।**
- **हंगामा बढ़ता देख पुलिस हरकत में आई और दो अपराधियों को गिरफ्तार किया।**
- **दूसरी ओर, बांग्लादेश के खिलाड़ी को आईपीएल मैचों से बाहर करने के बाद, आईपीएल मैचों के बांग्लादेश में प्रसारण पर रोक लगाई। पर, इसका कोई असर नहीं हो रहा, क्योंकि, भारत में ही इन मैचों की ''व्यूअरशिप'' इतनी है कि आईपीएल मैच की लोकप्रियता पर बांग्लादेश की रोक का कोई महत्व नहीं दिख रहा।**

जैसे-जैसे ऐसी घटनाओं और अत्याचारों के समाचार आ रहे हैं, भाजपा के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार की बांग्लादेश के हिंदुओं की दुर्दशा एवं पीड़ा के प्रति निष्क्रियता को लेकर निराशा आमजन में बढ़ती जा रही है। कुछ लोग यह भी याद दिला रहे हैं कि अमेरिका दुनिया भर में अपने नागरिकों और अपने हितों की रक्षा के लिए कितने सख़्त और सक्रिय कदम उठाता है।

अमेरिकी नीतियों की तुलना में भारत दब्बूपन का रवैया अपना रहा है और पड़ोसी देशों में हिंदुओं की रक्षा करने की अपनी क्षमता को लगभग बिल्कुल भी नहीं दर्शा रहा है।

इस बीच, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा एक बांग्लादेशी खिलाड़ी को आईपीएल टीम से बाहर किए जाने के फ़ैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए, बांग्लादेश सरकार ने अपने देश में आईपीएल मैचों के प्रसारण पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया है।

इसका आईपीएल मैचों या उनकी लोकप्रियता पर ज़्यादा असर पड़ने की संभावना नहीं है। भारत में दर्शकों की संख्या ही आईपीएल को ऊँची टीआरपी दिलाने के लिए काफ़ी है। बांग्लादेश द्वारा आईपीएल के प्रसारण पर रोक लगाने के निर्णय पर भारत ने अभी तक कोई औपचारिक टिप्पणी नहीं की है।

खिलाड़ी चयन के पूरे मुद्दे को इन्टरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) के संज्ञान में भी लाया गया है। आईसीसी का मैच स्थलों, अलग-

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आंध्र प्रदेश में ओएनजीसी के कुएं से गैस लीक

कोनसीमा, 05 जनवरी। आंध्र प्रदेश के कोनासीमा जिले में ओएनजीसी के एक चालू तेल कुएं से बड़े पैमाने पर गैस लीक हो गई। इससे पूरे इलाके में दहशत फैल गई। घटना तब हुई, तब कुएं में कुछ समय के लिए प्रोडक्शन बंद होने के बाद वर्कओवर रिग का इस्तेमाल करके मरम्मत की जा रही थी।

- **लीक हुई गैस में आग लगी, लोगों को बिजली का इस्तेमाल नहीं करने व चूल्हा नहीं जलाने के निर्देश।**

मरम्मत के दौरान एक जोरदार धमाका हुआ और कच्चे तेल के साथ मिली हुई गैस भारी मात्रा में हवा में बहुत ऊपर तक चली गई। यह तेल का कुआं कोनासीमा के राजोल इलाके के इरुसुमंडा गांव में है।

स्थानी अधिकारियों के मुताबिक,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भीलवाड़ा : जमीन विवाद में की थी अधेड़ की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

रायला थाना क्षेत्र में 31 दिसंबर की रात हुई अधेड़ की मौत मामले का पुलिस ने खुलासा किया

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के रायला थाना क्षेत्र में 31 दिसंबर की रात हुई एक मौत के मामले में पुलिस ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। जिसे पहले एक सड़क हादसा समझा जा रहा था, वह दरअसल जमीनी विवाद में रची गई एक साजिश निकली। पुलिस ने इस हिट एंड रन को मर्डर केस में बदलते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

घटना 31 दिसंबर 2025 की रात करीब 9:30 बजे की है। लाम्बिया कलां निवासी 42 वर्षीय रामनारायण जाट अपनी मोटरसाइकिल से घर लौट रहे थे। जैसे ही वह महाकाल फैक्टरी के पास पहुंचे, पीछे से आ रही एक ग्रे रंग की वरना कार ने उन्हें टक्कर मार दी। आरोपियों ने न केवल टक्कर मारी, बल्कि रामनारायण को घसीटते हुए एक बिजली के पोल से टकरा दिया और मौके से फरार हो गए। इस घटना में रामनारायण की मौके पर ही मौत हो गई थी। मृतक के बेटे किशन ने पुलिस को रिपोर्ट दी थी कि यह हादसा नहीं हत्या है। पुलिस जांच में यह सच साबित हुआ। पुलिस के मुताबिक, मृतक रामनारायण और आरोपी पक्ष के भंवरलाल जाट के बीच जमीन को लेकर पुराना विवाद चल रहा था। इसी रंजिश का बदला लेने के लिए

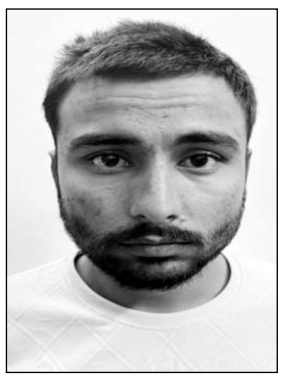

गिरफ्तार आरोपी

भंवरलाल के भांजे, आरोपी सत्यनारायण जाट ने अपने दोस्त कमलेश धाकड़ और मिठूलाल के साथ मिलकर प्लान बनाया। उन्होंने पहले रामनारायण की रेकी की और फिर प्लान के मुताबिक कार से कुचलकर उनकी हत्या कर दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश आर्य के निर्देशन में एक विशेष टीम गठित की गई। रायला थानाधिकारी मूलचंद वर्मा और साइबर सेल की मदद से पुलिस ने कड़ी से कड़ी जोड़ी। अनुसंधान में यह मामला गैर इरादतन हत्या का न होकर सुनियोजित हत्या का पाया गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी सत्यनारायण (निवासी लाम्बिया खुर्द) को गिरफ्तार कर लिया है। वारदात में इस्तेमाल कार और अन्य फरार साथियों की तलाश अभी जारी है। फिलहाल पुलिस गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ कर रही है।

घर में घुसकर हमला किया, दो इनामी बदमाश गिरफ्तार

- पुलिस से बचने के लिए बदमाशों ने भिखारी का वेश बना रखा था
- प्रकरण में तीन लोगों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट की जिला पश्चिम की डीएसटी और प्रतापनगर सदर पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए दो इनामी बदमाशों को पकड़ा है। दोनों आरोपी हिस्ट्रीशीटर है। एक के खिलाफ प्रतापनगर सदर और दूसरे की सूरसागर थाने में हिस्ट्रीशीट खुली है। दोनों पर दस-दस हजार का इनाम घोषित हो रखा था। दोनों गत 15 दिसम्बर को जोधपुर में वारदात कर फरार हुए थे। प्रकरण में तीन लोगों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। दोनों अभियुक्त पुलिस से बचने के लिए अपना हुलिया बदला और भिखारी जैसा रूप धर लिया था। बाल काटने के साथ भिखारी वेश धारण कर रखा था।

एडीसीपी वेस्ट रोशन मीणा ने बताया कि प्रतापनगर सदर थाना क्षेत्र में गत 15 दिसम्बर को एक घर में घुसकर कुछ लोगों ने हमला किया था, जिसमें छेड़छाड़ भी शामिल थी। पुलिस ने घटना के तुरंत बाद कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था, मगर दो मुख्य आरोपियों की पहचान संजय परिहार और मुकेश के रूप में हुई थी, जोकि वारदात के बाद से ही फरार थे। संजय परिहार प्रतापनगर सदर और मुकेश सूरसागर थाने के हिस्ट्रीशीटर है। इनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की स्पेशल टीम डीएसटी प्रभारी मेहराज के नेतृत्व में लगाई गई। पुलिस को सूचना मिली कि दोनों आरोपी दिल्ली भागे हैं और फरारी काट रहे हैं। इस पर पुलिस की टीम को रेल मार्ग से दिल्ली भेजा गया। दूसरी टीम को सड़क मार्ग से तलाश में लगाया गया। सर्दी के मौसम के बीच में बदमाशों ने अपना हुलिया भी बदल लिया था। दोनों से सिर के बाल कटवा रखे थे और भिखारीनुमा वेश धारण कर रखा था। पुलिस की टीमें इनका पीछा कर रही थी तब सूचना मिली कि दोनों जोधपुर रेलवे स्टेशन की तरफ आ गए हैं। जिस पर पुलिस जोधपुर रेलवे स्टेशन पहुंची तथा दोनों को दस्तयाब कर लिया।

किसान से 1.45 लाख की रिश्वत मांग रहा बिजली कर्मचारी गिरफ्तार

- आरोपी ने कृषि कुएं की वीसीआर के सेटलमेंट के नाम पर रिशत मांगी थी

बीकानेर, (निसं)। कृषि कुएं की वीसीआर के सेटलमेंट के नाम पर 1.45 लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए बिजली कार्मिक को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। सहायक अभियंता ऊपनी कार्यालय में एसीबी सीआई महेंद्र कुमार मय टीम ने एक कर्मचारी को गिरफ्तार किया है। एक तय राशि नगद लेने के बाद तीस हजार रुपए की रिश्वत ली जा रही थी। कार्रवाई चूरू एसीबी की टीम ने श्रीडूंगरगढ़ में की है। आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

एसीबी के एडिशनल एसपी महावीर शर्मा ने बताया कि कृषि कुएं पर तीन लाख 54 हजार रुपए की वीसीआर को डेढ़ लाख रुपए में सेटल करवाने की बात हुई। आरोपी ने तीन लाख 54 हजार रुपए की जगह डेढ़

गिरफ्तार आरोपी

लाख रुपए में सेटल करवाने की बात कही। ज्यादा दबाव डाले पर एक लाख 45 हजार रुपए में सौदा तय हुआ।

इसमें आरोपी ने वीसीआर के बदले एक लाख 15 हजार रुपए का नोटिस भी जारी करवा दिया। वो ये राशि जमा करवाने के बाद शेष तीस हजार रुपए रिश्वत में लेने की कोशिश में था। टीम ने मौके से 1 लाख 45 हजार रुपए की राशि बरामद की है। आरोपी कार्मिक विनोद पूनियां को गिरफ्तार कर लिया गया है। एसीबी टीम ने सहायक अभियंता ऊपनी कार्यालय में दबिश देकर आरोपी को मौके पर ही पकड़ लिया और रिश्वत की राशि जब्त की। फिलहाल पूछताछ जारी है।

देसूला गांव में जमीन विवाद गहराया

अलवर, (निसं)। अलवर जिले के देसूला गांव में जमीन को लेकर विवाद लगातार गहराता जा रहा है। इसी के विरोध में सोमवार दोपहर दलित समाज और विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं ने देसूला से पैदल मार्च रैली निकाली। रैली मिनी सचिवालय पहुंची, जहां कार्यकर्ता मुख्य गेट पर धरने पर बैठ गए और जमकर विरोध प्रदर्शन किया।

जानकारी के अनुसार विवादित जमीन को लेकर यूआईटी (अर्बन इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट) का दावा है कि यह भूमि कब्रिस्तान की है, जिसकी नाप-तोल और पैमाइश कर सीमा ज्ञान पहले ही कराया जा चुका है। यूआईटी अधिकारियों का कहना है कि कुछ दिन पहले इस जमीन से अतिक्रमण हटवाकर सीमाज्ञान किया गया था। हालांकि स्थानीय लोगों का इस पर विरोध है।

प्रदर्शनकारियों का कहना है कि जमीन को लेकर पहले भी गांव में विरोध हो चुका है। दलित समाज के प्रतिनिधि चौधरी जगदीश जाटव ने आरोप लगाया कि कुछ लोग देसूला की जमीन पर पहुंचे और उसे कब्रिस्तान बताते हुए धमकियां देकर जगह खाली करवा दी। उनका कहना है कि इसके बाद वहां मौजूद हरे पेड़ भी काट दिए गए। चौधरी जगदीश जाटव ने बताया कि इस मामले की पुलिस को सूचना दी गई और पटवारी से भी जानकारी ली गई।

उनका आरोप है कि यूआईटी द्वारा जमीन को कब्रिस्तान बताया जा रहा है, जबकि वहां कोई कब्रिस्तान की भूमि नहीं है, इसकी निष्पक्ष जांच की जानी चाहिए। साथ ही पेड़ काटने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है। इसके अलावा आरोप लगाए गए कि देसूला के सरपंच द्वारा वहां गोचर भूमि के पट्टे दिलवाए गए, जिसकी भी जांच होनी चाहिए। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि जमीन पर बुलडोजर चलाने और हरे पेड़ काटने वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर सख्त कार्रवाई की जाए।

अलवर जिला अस्पताल की मेडिकल आईसीयू के बाथरुम की छत गिरी

बाथरूम के भीतर कोई मरीज या स्टाफ मौजूद नहीं था, बड़ा हादसा टला

- अस्पताल प्रशासन ने मेडिकल आईसीयू में भर्ती सभी मरीजों को दूसरी आईसीयू में सुरक्षित रूप से शिफ्ट कराया
- बताया जा रहा है कि छत गिरने से पहले किसी प्रकार की सीलन, दरार या कमजोरी नजर नहीं आ रही थी

अलवर, (निसं)। अलवर जिला अस्पताल की मेडिकल आईसीयू में उस समय हड़कंप मच गया, जब आईसीयू के बाथरूम की छत अचानक भरभराकर नीचे गिर गई। गनीमत रही कि जिस समय यह हादसा हुआ, उस समय बाथरूम के भीतर कोई मरीज या स्टाफ मौजूद नहीं था, जिससे बड़ा हादसा टल गया। घटना के बाद अस्पताल प्रशासन तुरंत मौके पर आया और एहतियात के तौर पर मेडिकल आईसीयू में भर्ती सभी मरीजों को दूसरी आईसीयू में सुरक्षित रूप से शिफ्ट कर दिया। बताया जा रहा है कि छत गिरने से पहले किसी प्रकार की सीलन, दरार या कमजोरी नजर नहीं आ रही थी। छत पूरी तरह ठीक हालत में थी और अचानक गिरने से सभी हैरान रह गए। घटना की सूचना मिलते ही अस्पताल प्रशासन, नर्सिंग स्टाफ और तकनीकी कर्मचारी मौके पर पहुंचे और स्थिति को संभाला।

इस मामले में जिला अस्पताल के प्रमुख चिकित्सा अधिकारी (पीएमओ) डॉ. सुनील चौहान ने बताया कि मेडिकल आईसीयू की बाथरूम की छत अचानक गिर गई है। फिलहाल किसी तरह की जनहानि नहीं हुई है, जो राहत की बात है। उन्होंने बताया कि मामले की जानकारी तुरंत पीडब्ल्यूडी विभाग को दे दी गई है और जल्द ही छत की मरम्मत करवाई जाएगी। साथ ही अस्पताल भवन के अन्य हिस्सों की भी जांच कराई जाएगी, ताकि कहीं और कोई संभावित खतरा न हो। डॉ. चौहान ने स्पष्ट किया कि प्रारंभिक जांच में छत गिरने का कोई स्पष्ट कारण सामने नहीं आया है। न तो सीलन और न ही किसी तकनीकी खामी के स्पष्ट संकेत मिले हैं। गंभीरता को देखते हुए जांच कराई जा रही है।

झुंझुनूं में नोएडा की युवती से अभद्रता, ड्राइवर व कंडक्टर गिरफ्तार

रोडवेज बस स्टैंड पर किराए को लेकर युवती के साथ हरियाणा रोडवेज बस के ड्राइवर और कंडक्टर ने विवाद किया था

झुंझुनूं, (निसं)। जिला मुख्यालय पर स्थित रोडवेज बस स्टैंड पर किराए को लेकर नोएडा निवासी 20 वर्षीय युवती के साथ हरियाणा रोडवेज के ड्राइवर और कंडक्टर ने रात को करीब छह घंटे तक विवाद किया। परेशान युवती ने आधी रात को पुलिस कंट्रोल रूम में फोन किया। तब तक विवाद शांत हुआ। वहीं झुंझुनूं कोतवाली पुलिस ने हरियाणा रोडवेज के ड्राइवर और कंडक्टर को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के मुताबिक नोएडा निवासी एक 20 वर्षीय युवती रविवार को दिल्ली से बीकानेर जाने के लिए हरियाणा रोडवेज बस में बैठी थी। यह रोडवेज दिल्ली से झुंझुनूं तक की थी। बस झुंझुनूं में रविवार शाम को करीब छह बजे पहुंच गई। सभी सवारियां भी चली गई, लेकिन हरियाणा रोडवेज के ड्राइवर और कंडक्टर ने रात 12 बजे तक युवती को उसका सामान नहीं दिया। बताया जा रहा है कि दोनों पक्षों के बीच किराए को लेकर विवाद था, लेकिन युवती अपना सामान लेने के लिए परेशान होती रही। रात को 12 बजे बाद युवती ने पुलिस कंट्रोल रूम में फोन पर अपने साथ अभद्रता की शिकायत करते हुए बताया कि हरियाणा रोडवेज के ड्राइवर और कंडक्टर उसका सामान नहीं दे रहे हैं, जिस पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने ना केवल युवती को उसका सामान दिलवाया, बल्कि युवती की रिपोर्ट पर महेंद्रगढ़ जिले के नारनौल थाना इलाके के बापडोली गांव निवासी 40 वर्षीय कंडक्टर विपिन पुत्र राज सिंह जाट तथा महेंद्रगढ़ जिले के सिटी नारनौल थाना इलाके के नीरपुर गांव निसासी 47 वर्षीय ड्राइवर सुरेश पुत्र नेकीराम मेघवाल को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के बाद युवती बीकानेर के लिए रवाना हो गई।

हरियाणा रोडवेज रविवार शाम को झुंझुनूं आई थी। पुलिस कार्रवाई के कारण रोडवेज बस भी सुबह रवाना नहीं हो पाई और दिनभर बस डिपो में खड़ी रही। देर शाम को दोनों ड्राइवर व कंडक्टर को जमानत पर छोड़ा गया। इसके बाद वे झुंझुनूं से रवाना हुए।

उदयपुर में झूठा प्रकरण दर्ज करने पर खटीक समाज का प्रदर्शन

उदयपुर, (कासं)। दुकानदार के खिलाफ राजकार्य बाधा का झूठा प्रकरण दर्ज करने पर खटीक समाज के लोगों ने जिला कलैक्ट्री कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की तथा झूठा मुकदमा हटाने की मांग करते हुए जांच की मांग की।

अखिल भारतीय खटीक समाज एवं श्री खटीक समाज उदयपुर की ओर से सोमवार को जिला कलैक्ट्री कार्यालय के बाहर प्रदर्श कर अम्बामाता थाना पुलिस कांस्टेबल गोपालसिंह पुत्र फतहसिंह द्वारा रामपुरा चौराहे पर स्थित दुकानदार खटीक समाज के मुकेश खटीक के खिलाफ राजकार्य बाधा का प्रकरण दर्ज करवाने का विरोध करते हुए जांच की मांग की। इस दौरान वहां मौजूद लोगों ने बताया कि 31 दिसंबर को नववर्ष की पूर्व संध्या पर रामपुरा चौराहा पर बेरिकेडिंग लगाने के लिए टेम्पो से मुकेश की दुकान के सामने से उतारने पर उसने आगे उतारने को कहा था। इसको लेकर सिविल ड्रेस में आए पुलिस के जवान ने जातिगत गाली-गलौच करते हुए मारपीट की तथा टेंपो में डालकर मुकेश को थाने ले आए, जहां कुछ समय बाद छोड़ दिया। दो दिन बाद कांस्टेबल गोपाल की रिपोर्ट पर मुकेश के खिलाफ राजकार्य बाधा का प्रकरण दर्ज कर दिया, जो सरासर गलत एवं झूठा हैं। पुलिस ने धमका कर जातिगत गाली-गलौच कर प्रकरण दर्ज किया है। समाज जनों ने उक्त मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग को लेकर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा को ज्ञापन देकर कार्यवाही की मांग की है।

डूंगरपुर में चलती बाइक से गिरा युवक, मौत

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के चौरासी थाना क्षेत्र के गडा रोदा गांव में एक युवक की चलती बाइक से गिरने से मौत हो गई। युवक को अचानक चक्कर आने के कारण यह हादसा हुआ। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

चौरासी थाने के हेड कॉनि. ईश्वरलाल ने बताया कि गडा रोदा निवासी अशोक गमेती ने इस संबंध में मामला दर्ज कराया है। रिपोर्ट के अनुसार अशोक अपने चाचा मोहनलाल के साथ बाइक से खेतों पर गया था। खेतों का काम खत्म करने के बाद वे वापस घर लौट रहे थे। इसी दौरान मोहनलाल को अचानक चक्कर आ गया। चक्कर आने से मोहनलाल चलती बाइक से नीचे गिर गया और गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तुरंत डूंगरपुर जिला अस्पताल ले जाया गयाए जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मोहनलाल को मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस डूंगरपुर जिला अस्पताल पहुंची और घटना की जानकारी ली। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया।

निजी बस ने बाइक सवार व्यक्ति को कुचला

घटना के कुछ देर बस कंडक्टर और बाइक चालक के बीच बहस हुई थी

झुंझुनूं, (निसं)। शहर में सोमवार को एक निजी बस ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार एक व्यक्ति की टायर के नीचे आने से मौत हो गई। बताया जा रहा है कि इस घटना से कुछ मिनट पहले ही इसी बस के कंडक्टर और बाइक चालक के बीच हलकी बहस हुई थी।

जानकारी के मुताबिक गुढ़ा रोड रेलवे फाटक पर ट्रेन आने के कारण फाटक बंद था। उसी वक्त एक निजी बस का कंडक्टर आया और पास खड़ी बाइक के चालक झुंझुनूं शहर निवासी किशोरीलाल कुमावत से बाइक साइड में लेने की बात कही। पीछे दयानंद कुमावत बैठा था। किशोरीलाल ने थोड़ी बाइक साइड में ले ली, लेकिन बस कंडक्टर बाइक को रॉन्ग साइड खड़ा करवाना चाह रहा था, जो किशोरीलाल ने मना कर दिया। इसके बाद जब फाटक खुला तो थोड़ी ही दूर किशोरीलाल की बाइक को उसी बस ने टक्कर मार दी, जिससे किशोरीलाल बाइक के साथ सड़क पर जा गिरा और दयानंद बस के पीछे के टायर के नीचे आ गया। जिसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद बस चालक तेज गति से बस चलाकर भगा ले गया।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों को अस्पताल पहुंचाया, जहां मेड़तनी बावड़ी के समीप रहने वाले 45 वर्षीय दयानंद कुमावत को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया, जबकि किशोरीलाल को प्राथमिक उपचार दिया गया। घटना की सूचना मिलने बीडीके अस्पताल पहुंचे निवर्तमान पार्षद अशोक प्रजापति व कुमावत समाज के प्रतिनिधि सुशील प्रजापति तथा अन्य ने शहर कोतवाल श्रवण कुमार नील से कार्रवाई की मांग करते हुए बस को जब्त और चालक-परिचालक को गिरफ्तार करने की मांग की है। कार्रवाई ना होने तक पोस्टमार्टम कराने से भी इंकार कर दिया। मोर्चरी के बाहर धरना शुरू कर दिया।

करीब दो-तीन घंटे के विरोध के बाद कोतवाली पुलिस ने परिजनों व समाज के लोगों को जानकारी दी कि बस को जब्त कर लिया है और एफआईआर दर्ज कर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। तब पोस्टमार्टम हुआ। परिजनों व समाज के लोगों ने संभावना जताई है कि फाटक पर हुई बहस के बाद ही चालक और परिचालक ने जान बूझकर बाइक को टक्कर मारी है, जिससे दयानंद की जान चली गई है, लेकिन पुलिस की जांच के बाद सारी स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। किशोरीलाल भवन निर्माण मिस्त्री है, जबकि दयानंद उसके पास ही हेल्पर का काम करता था। दयानंद के घर पर ही निर्माण चल रहा है, जिसके लिए दोनों ईंट लेने के लिए गुढ़ा रोड की तरफ बाइक पर आए थे।

गुड़ामालानी व धोरीमन्ना क्षेत्र को बाड़मेर में रखने की मांग

धोरीमन्ना, (निसं)। धोरीमन्ना व गुड़ामालानी को बाडमेर जिले में ही रखने की मांग को लेकर धोरीमन्ना में सोमवार को धरना प्रदर्शन तीसरे दिन भी जारी रहा।

भारतीय जनता पार्टी के नेता और कार्यकर्ताओं का कहना है कि हमने 50 साल आगे की राजनीति की है। कांग्रेस कहती है कि धोरीमन्ना व गुडामालानी क्षेत्र को बालोतरा जिले में जोड़ने से लाखों लोगों को असुविधा में धकेलने का काम भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने किया, ऐसा राग अलाप रही है। गुड़ामालानी विधानसभा के क्षेत्र की काट छांटकर अपनी सुविधा के अनुसार परिसीमन करके धोरीमन्ना व गुडामालानी के क्षेत्र को बालोतरा से जोड़कर समस्त जनता को 160 किलोमीटर की यात्रा करने को बाध्य कर दिया गया। साथ ही मांगता आडेल नोखडा तीनों पंचायत समितियां की एक जाति विशेष की बहुलता को देखते हुए मंत्री के के बिश्नोई ने अपने भविष्य को सुरक्षित कर लिया।

धोरीमन्ना व गुड़ामालानी क्षेत्र का आमजन हजारों सालों से बाडमेर के साथ जुड़ा हुआ है तथा मात्र 65 किलोमीटर दूर धोरीमन्ना क्षेत्र है। इसकी जगह 160 किलोमीटर की लंबी यात्रा करने को लोग मजबूर होंगे। नगर पालिका धोरीमन्ना से मात्र 3 किलोमीटर दूर लुखू गांव को नोखडा तहसील में जोड़कर उनको बालोतरा की जगह बाडमेर जिले में रखा गया है, जबकि धोरीमन्ना के पास लुखु निवासियों को भी भारतीय जनता पार्टी ने स्पेशल तोहफा दिया है कि वह 40 किलोमीटर दूर नोखडा तहसील से अपने आप को संबंध करें, जबकि धोरीमन्ना लुखू सीमा से 2 किलोमीटर दूर है उनको नोखडा तहसील से अटैच कर दिया गया। धोरीमन्ना के पास तीन किलोमीटर के अंतर में जिले बदल गए लगता है। राजनीति ने अपने लाभ के लिए समाज में भेद पैदा कर दो जातियों को आपस में तोड़कर आमने-सामने कर दिया है। साथ ही धोरीमन्ना व गुडामालानी विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस के कार्यकर्ताओं व पूर्व मंत्री हेमाराम चौधरी, पूर्व प्रधान ताजाराम, कांग्रेस जिला अध्यक्ष लक्ष्मण गोदारा, मनोहर विश्नोई पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष धोरीमन्ना, नाथाराम व नजीर खान, धोधेखान, हरखाराम भील, कुंभाराम प्रजापति, जवानाराम प्रजापति सहित गुडामालानी के विधानसभा क्षेत्र के कई कांग्रेस नेताओ ने ज्ञापन दिया। कार्यकर्ताओं के नेतृत्व में उपखंड अधिकारी भंवरलाल बिश्नोई को राज्यपाल के नाम से ज्ञापन दिया गया।

बस परिवहन व्यवस्था सुधारने की मांग : रेवदर में भारतीय जनता पार्टी सिरोही के जिला प्रवक्ता दीपेंद्र सिंह देवडा ने आमजन की समस्याओं को लेकर राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम, सिरोही आगार के मुख्य प्रबंधक को दो महत्वपूर्ण मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपे। ज्ञापन में रेवदर क्षेत्र से उदयपुर के लिए नियमित सीधी बस सेवा प्रारंभ करने की मांग की गई। ज्ञापन में बताया गया कि शिक्षा, चिकित्सा, व्यापार एवं रोजगार के लिए प्रतिदिन बडी संख्या में यात्रियों का उदयपुर आवागमन रहता है, लेकिन सीधी बस सेवा उपलब्ध नहीं होने के कारण यात्रियों को भारी असुविधा का सामना करना पडता है। यदि रेवदर से उदयपुर तक नियमित बस सेवा शुरू की जाती है तो विद्यार्थियों, मरीजों, कर्मचारियों एवं व्यापारियों को सीधा लाभ मिलेगा तथा परिवहन निगम की आय में भी वृद्धि होगी। ज्ञापन में रेवदर पंचायत समिति की ग्राम पंचायत सनवाडा में आने वाली एक्सप्रेस एवं लोकल बसों के लिए प्राथमिक बस स्टैंड निर्धारित करने की मांग की गई।

मेंगलवा में क्रिकेट प्रतियोगिता में मारपीट, एक घायल

सायला, (निसं)। सायला पुलिस थाना क्षेत्र के मेंगलवा गांव में चल रही क्रिकेट प्रतियोगिता में शरारती तत्वों द्वारा टेंट जलाने व मारपीट को लेकर सायला पुलिस थाने में मामला दर्ज हुआ है।

जानकारी के अनुसार जसवंत पुत्र नृसिंह आचार्य निवासी मेंगलवा ने रिपोर्ट पेश कर बताया कि ग्रामीणों द्वारा 1 से 4 जनवरी 2026 तक शीतकालीन क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया था जो प्रतियोगिता स्कूल के खेल मैदान में आयोजित की थी। प्रतियोगिता के दौरान 3 जनवरी 2026 को धीराराम पुत्र पारसाराम मेघवाल व केराराम पुत्र कालूराम भील निवासी मेंगलवा के विरुद्ध ग्रामीणों ने टेंट जलाने, गाली गलौज करने व ग्रामीणों को धमकी देने के संबंध में पुलिस में रिपोर्ट पेश की थी। जिस पर रविवार 4 जनवरी को प्रतियोगता के समापन समारोह के बाद शाम को सात बजे धीराराम पुत्र पारसाराम, पारसाराम पुत्र नौनजीराम मेघवाल दोनों इनोवा कार में सवार होकर तेज गति से चलाकर खेल मैदान में लेकर आए। गाडी से उतर कर वहां खडे मेरे छोटे भाई प्रकाश पुत्र नृसिंह व टैंट का कार्य करने वाले ओमाराम पुत्र अचलाराम जाति गवारिया, मफाराम पुत्र नरसिंह जाति भील निवासी कोडी हाल मेंगलवा के साथ मारपीट करने लगे। साथ ही धीराराम ने प्रकाश के नाक पर लाठी मारी, जिससे गंभीर चोट लगने से खून बहने लगा तथा हाथ में चोट आई। खेल मैदान में खड़े शाबीर खान पुत्र पीके खां, रजाक खान पुत्र रसूल खान, शिवराज पुत्र खीमाशंकर आचार्य, रमेश कुमार पुत्र केसाराम प्रजापत निवासी मेंगलवा व अन्य लोगों ने बीच बचाव किया।

बाद में धीराराम ने गाड़ी में सवार होकर वहां खड़े ग्रामीणों को कुचलने के प्रयास में तेज गति से गाड़ी को दौड़ाया। अगर ग्रामीण वहां से नहीं भागते तो बड़ा हादसा हो सकता था। वहीं घायल प्रकाश को सायला के सरकारी अस्पताल में लेकर आए, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद आगे रेफर किया। जिसका भीनमाल के निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है। जसवंत ने रिपोर्ट में बताया कि उक्त सारी घटना मुझे प्रकाश व शाबीर खान ने बताई। धीराराम आदतन अपराधी प्रवृत्ति का है। रिपोर्ट में आरोपियों के खिलाफ जानलेवा हमला व ग्रामीणों को कुचलने का मामला दर्ज करने की मांग की है।

मेंगलवा में क्रिकेट प्रतियोगिता में शरारती तत्वों द्वारा मारपीट करने, वाहन से कुचलने के प्रयास के मामले में ग्रामीणों में काफी रोष व्याप्त है। उन्होंने एसडीएम सूरजभान विश्नोई को ज्ञापन देकर आरोपियों के विरुद्ध पुलिस प्रशासन से कड़ी कार्यवाही की मांग की है, जिस पर एसडीएम विश्नोई ने उचित कार्यवाही का भरोसा दिलाया।

तीन स्थायी वारंटी गिरफ्तार : सरवाड़ पुलिस ने चार प्रकरणों में न्यायालय में स्थायी गिरफ्तारी वारंटों में फरार तीन मुल्जिमों को गिरफ़्तार किया। वांछित अपरोधियों के धरपकड़ अभियान में सरवाड़ थानाधिकारी रामपाल शर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम द्वारा जेएम न्यायालय सरवाड़ केकड़ी द्वारा जारी स्थायी गिरफ्तारी वारंटों की पालना में लंबे समय से चार मुकदमों में वांछित तीन मुल्जिमों को गिरफ्तार किया गया। मुल्जिमों को न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस ने कानाराम पुत्र छोटू लाल निवासी सेदारिया पुलिस थाना भिनाय, रामधन पुत्र भीवडा बागारिया निवासी लल्लाई पुलिस थाना सरवाड़, हरीराम पुत्र रमडा गुर्जर निवासी गणेशपुरा थाना सरवाड़ से गिरफ्तार किया गया।

ग्राम पंचायत पुनर्गठन का विरोध, नगला बंजारा के ग्रामीणों का प्रदर्शन

आरोप है कि उनके गांव को हंतरा ग्राम पंचायत से हटाकर अरौदा ग्राम पंचायत में जोड़ा गया है

भरतपुर, (निसं)। ग्राम पंचायत के पुनर्गठन को लेकर के विरोध देखा जा रहा है। जिला कलैक्ट्रेट कार्यालय के बाहर नगला बंजारा गांव के ग्रामीणों ने आंखों पर काली पट्टी बांध अर्धनग्न विरोध प्रदर्शन किया। उनका आरोप है कि उनके गांव को हंतरा ग्राम पंचायत से हटाकर अरौदा ग्राम पंचायत में जोड़ा गया है। उनकी मांग है कि उन्हें हंतरा ग्राम पंचायत में ही रहने दिया जाए। क्योंकि अरौदा ग्राम पंचायत काफी दूर है और लोगों को आने-जाने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। जिला कलैक्टर को ज्ञापन देकर मांग कि है कि उनकी अगर मांग नहीं मानी गई तो वह आने वाले सभी चुनावों का बहिष्कार करेंगे।

कौशल फौजदार ने बताया कि नगला बंजारा हंतरा को ग्राम पंचायत हंतरा को अरौदा में जोड़ दिया गया है। इसे वापस हंतरा में जुडवाने के लिए जिला मुख्यालय पर ग्रामीणों की मांग है कि नगला बंजारा हंतरा ग्राम पंचायत हंतरा का भाग है एक गांव का आधा-आधा किसी भी पंचायत में नहीं जोड़ा जा सकता है। गांव हंतरा का नगला बंजारा हंतरा एक वार्ड है तथा विद्यालय, कृषि भूमि, अस्पताल सभी हंतरा में हैं जबकि ग्राम पंचायत पुर्नगठन में नगला बंजारा को ग्राम पंचायत अरौदा में जोड़ दिया है जो कि गलत है। नगला बंजारा को गांव अरौदा जाने के लिये कोई रास्ता भी नहीं है। अगर इसमें सुधार नहीं किया गया तो ग्रामीण प्रत्येक चुनावों का विरोध व बहिष्कार करेंगे।

बीकानेर के जोड़बीड़ एरिया में 15 से अधिक विदेशी प्रजातियों के गिद्ध पहुंचे

मंगोलिया, कजाकिस्तान और रूस समेत कई देशों से करीब पांच हजार किलोमीटर का सफर तय कर आए गिद्ध पक्षी जोड़बीड़ एरिया में पहुंचे

- बीकानेर का जोड़बीड़ वल्चर कंजर्वेशन सेंटर भारत के महत्वपूर्ण गिद्ध संरक्षण क्षेत्रों में गिना जाता है, इसे ''गिद्धों का स्वर्ग'' भी कहा जाता है
- यहां आने वाली प्रजातियों में यूरोशियन ग्रिफॉन, सिनेरियस वल्चर, इजिप्शियन ग्रिफॉन यहां सबसे ज्यादा हैं

बीकानेर, (निसं)। यहां शहर के पास इन दिनों दुनियाभर से आए गिद्धों (वल्चर) ने डेरा डाल रखा है। मंगोलिया, कजाकिस्तान और रूस समेत कई देशों से पाकिस्तान होते हुए करीब पांच हजार किलोमीटर का सफर तय कर आए ये पक्षी शहर के पास जोड़बीड़ एरिया में हैं। खास बात यह है कि पांच साल के भीतर यहां आने वाले गिद्धों की तादाद दोगुनी हो गई है। कोरोना काल यानी साल 2020 में यहां 4 हजार से ज्यादा गिद्ध आए थे। इस बार इनकी संख्या करीब 10 हजार तक पहुंच गई है।

बीकानेर का जोड़बीड़ वल्चर कंजर्वेशन सेंटर भारत के महत्वपूर्ण गिद्ध संरक्षण क्षेत्रों में गिना जाता है। ऐसे पक्षियों के लिए सुरक्षित होने के कारण इसे ''गिद्धों का स्वर्ग'' भी कहा जाता है। सर्दी के मौसम में यहां मध्य एशिया और यूरोप से सिनेरियस वल्चर भी पहुंच गए हैं। इन्हें दुनिया के सबसे बड़े गिद्धों में गिना जाता है। हिमालयन गिफ्रॉन के अलावा लाल सिर वाला किंग वल्चर भी दिखाई दिया है। इसके अलावा पीली चोंच वाला इजिप्शियन वल्चर, लाल सिर वाला किंग वल्चर जैसी प्रजाति भी यहां मेहमान के रूप में आए हैं। जोड़बीड़ के करीब 50 बीघा एरिया में संरक्षण केंद्र बनाया गया है, जहां गिद्धों को सब कुछ मिल रहा है। शहरभर में मरने वाले आवारा पशुओं को यहीं पर फेंका जाता है। इन गिद्धों के लिए सबसे बेहतर भोजन यही है। प्रशासन ने मृत पशुओं की चमड़ी उतारने का ठेका भी दिया है। ऐसे में वल्चर को यहां भोजन आसानी से मिलता है और कठोर चमड़ी तोड़नी नहीं पड़ती। इसी कारण ये वल्चर करीब 4 से 5 हजार किलोमीटर की दूरी तय करके बीकानेर आते हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार दिसंबर से फरवरी तक यूरो-एशिया जोन के देशों में भारी बर्फबारी होती है। ऐसे में ये पक्षी उड़कर कम ठंड वाले इलाकों में आते हैं। इन देशों में अफगानिस्तान, आर्मेनिया, अजरबैजान, बहरीन, चाइना, जॉर्जिया, ईरान, कजाकिस्तान, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान, यूनाइटेड अरब अमीरात, मंगोलिया, पाकिस्तान, रशियन फेडरेशन, सऊदी अरब, श्रीलंका, यूनाइटेड किंगडम, उज्बेकिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, इराक, म्यांमार, नेपाल, ओमान, कतर, कुवैत, किर्गिस्तान, मालदीव, यमन सहित अन्य देशों के गिद्ध भी जोड़बीड़ क्षेत्र में देखे गए हैं। खाने और अनुकूल मौसम की तलाश में यह रूस जैसे देशों से अफगानिस्तान से होते हुए पाकिस्तान के रास्ते भारत में प्रवेश करते हैं, जिन्हें बीकानेर के जोड़बीड़ में भरपूर भोजन मिलता है। दुनियाभर में गिद्धों की करीब 23 प्रजातियां है, जिनमें से जोड़बीड़ पर 15 से अधिक प्रजातियों के गिद्ध पहुंचे हैं। इनमें हिमालयन गिफ्रॉन, इजिप्शियन वल्चर, टोनी ईगल, येलो आइड पिजन, स्टेपी ईगल, यूरेशियन हुपो, लेगर फाल्कन, व्हाइट इन्चर्ड बुलबुल, कॉमन बेबलर, ब्लैक रेड स्टार्ट, लिटल आईग्रेट, सिनेरियस वल्चर, रोजी स्टर्लिंग, कॉमन मैना, डेजर्ट व्हीटर, ग्रे फ्रेंकोलिन, लाफिंग डॉ, इंपीरियल ईगल खास तौर पर शामिल है।

गुजरात से स्टडी के लिए आए रिसर्चर मितुल देसाई ने बताया कि यहां आने वाली प्रजातियों में यूरोशियन ग्रिफॉन, सिनेरियस वल्चर, इजिप्शियन ग्रिफॉन यहां सबसे ज्यादा आ रहे हैं। यहां इजिप्शियन वल्चर तो स्थानीय है, लेकिन शेष सभी विदेशी हैं। विदेशी पक्षी फरवरी के बाद वापस अपने देश चले जाएंगे। बीकानेर की व्यवस्था पूरे देश में एक उदाहरण है। ऐसा ही काम पूरे देश में होना चाहिए। ईको सिस्टम की सबसे टॉप चेन 'वल्चर' ही हैं।

पूर्व उपवन संरक्षक और जोड़बीड़ के प्रभारी रह चुके रामनिवास कुमावत के अनुसार जोड़बीड़ को वन विभाग ने साल 2008 में रिजर्व और कंजर्वेशन एरिया घोषित किया था। इसके बाद से क्षेत्र में गिद्धों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। व्हाइट बैक वल्चर, किंग वल्चर भी देखने को मिल रहे हैं, जो लुप्त होने की कगार पर हैं। इनके अलावा दूसरे वल्चर भी बड़ी संख्या में आते हैं। व्हाइट ईगल भी देखा गया है। सफेद बगुले भी बड़ी संख्या में आते हैं।

बीकानेर के जनसंपर्क अधिकारी और पक्षी प्रेमी सुरेश बिश्नोई ने बताया कि इस सेंटर को बड़े पर्यटन केंद्र के रूप में स्थापित किया जा सकता है। आज भी जब यहां सैकड़ों पर्यटक आ रहे हैं। प्रयास किए जाएं तो संख्या बढ़ सकती है। एक साथ इतनी प्रजातियों के वल्चर देखना रोमांचक है। बीकानेर के जोड़बीड़ कंजर्वेशन एरिया में मृत पशुओं को फेंका जाता है। ऐसे में गिद्धों को यहां भरपूर खाना मिलता है।

हर साल 5 जनवरी को भी ''राष्ट्रीय पक्षी दिवस'' के रूप में मनाया जाता है। इसकी शुरुआत मुख्य रूप से अमेरिका से 2002 में हुई थी, लेकिन अब भारत सहित दुनिया के कई देशों में प्रकृति प्रेमी इस दिन पक्षियों के अधिकारों और उनके संरक्षण के लिए कार्यक्रम आयोजित करते हैं। इसमें किसी पक्षी की बजाय सभी पक्षियों के प्रति जागरूकता लाने का प्रयास किया जाता है।

रुदावल में अवैध खनन में लगी चार ट्रैक्टर-ट्रॉलियां जब्त, चालक गिरफ्तार

- आरोपी बंशी पहाड़पुर क्षेत्र से अवैध खनन कर सैंड स्टोन लेकर आ रहे थे

रुदावल/भरतपुर, (निसं)। रुदावल थाना पुलिस ने अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए सैंड स्टोन भरकर ला रही चार ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को जब्त कर चार चालकों को गिरफ्तार किया है।

रुदावल थाना प्रभारी नरेश शर्मा ने बताया कि आईजी कैलाश चंद विश्नोई एवं पुलिस अधीक्षक दिगन्त आनंद द्वारा अवैध खनन पर सख्ती से अंकुश लगाने के निर्देश दिए गए थे। इन निर्देशों की पालना में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरिराम कुमावत एवं वृत्ताधिकारी नीरज भारद्वाज के सुपरविजन में एसएचओ नरेश शर्मा के नेतृत्व में चार पुलिस टीमें गठित की गईं। चारों टीमों ने अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए अवैध खनन कर सैंड स्टोन से भरी चार ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को जब्त किया। इस दौरान ट्रैक्टर चालकों में महेश लोधा लखनपुर, राजेंद्र गुसांई निवासी नगला गुसांई, धारासिंह लोधा निवासी लखनपुर, वीरीसिंह कुशवाहा निवासी खेड़ाठाकुर को गिरफ्तार किया गया। एसएचओ नरेश शर्मा ने बताया कि पिछले कई दिनों से क्षेत्र में अवैध खनन माफियाओं की गतिविधियों को लेकर शिकायतें मिल रही थी। इसी के चलते पुलिस ने कार्रवाई की योजना बनाई। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी बंशी पहाड़पुर क्षेत्र से अवैध खनन कर सैंड स्टोन लेकर आ रहे थे। पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ खनिज अधिनियम के तहत अलग-अलग प्रकरण दर्ज कर जांच एवं पूछताछ शुरू कर दी है।

हादसे में महिला की मौत

उदयपुर, (कासं)। सायरा थाना क्षेत्र में पिकअप वाहन की टक्कर से बाइक सवार महिला की मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार सायरा थाना क्षेत्र के वरवाड़ा हाइवे पर पिकअप वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार ओड़ों का गुडा पानेर सायरा निवासी देवली बाई (57) पत्नी मानसिंह गंभीर घायल हो गई, जिसे उपचार के लिए निजी चिकित्सालय मे भर्ती करवाया, जहां उसकी मौत हो गई। देवली बाई तबीयत खराब होने पर रविवार दोपहर में अपने पोते वाघसिंह के साथ बाइक पर घर से चिकित्सालय जा रही थी, जहां बीच रास्ते में बरवाड़ा हाइवे पर हादसा हो गया। हेडकांस्टेबल नरेन्द्रसिंह ने मृतका का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया।

RAJASTHAN STATE GANGANAGAR SUGAR MILLS LIMITED
(Centre of Excellence for Revenue Research & Analysis) दूसरी मंजिल, अलाय सदन के पास, प्रताप नगर, जयपुर-302004
Tel: 0141-2740841, Fax: 0141-2740676, Email-ID : dgmpurchase.rsgsm@rajasthan.gov.in
NIB No. :- RSGSM/ENA/RC/2025-26/Pur/30 Dated :- 02/01/2026
NOTICE INVITING BID
Bids for ENA are invited from interested bidders up to 6.00 p.m. of 27.01.2026. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in) of the state; http://excise.rajasthan.gov.in/ departmental website.
UBN : GSM2526GLRC00105
Raj.Samwad/C/25/17104 Dy. General Manager (Purchase)

महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर
निविदा सूचना
विश्वविद्यालय में लाइब्रेरी फर्नीचर क्रय हेतु निविदा जारी की गयी हैं, जिसका यूबीएन GSU2526GLOB00052 हैं। निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी http://sppp.rajasthan.gov.in व www.eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।
राज.संवाद/सी/25/17109 वित्त नियंत्रक

Office Of The Municipal Board Malpura District Tonk (Raj.)
Sr.No. NPM/2025-26/3828 Date :- 31-12-2025
Notice Inviting Bid
Nagar Palika Malpura Bids For 51/2025-26 Nib No DLB2526A9774 of subject matters of procurement are invited from interested bidders Last Submission End Date 12.01.2026 Other Particulars of the bid may be visited on the procurement portal www.eproc.rajasthan.gov.in & www.sppp.rajasthan.gov.in.
Bid – DLB2526GLOB29093, DLB2526GLOB29094, DLB2526GLOB29096
Executive Officer
Raj.Samwad/C/25/17074 Municipal Board Malpura

Municipal Board Of Bagru (Jaipur)
क्रमांकः– न.पा.ब./2025–26/826 दिनांक :– 30.12.2025
:: E- Notice Inviting Bid ::
Bid for Municipal Board Of Bagru For Works (02) Date 30.12.2025 invited form interested bidders Date 09.01.2026 Upto 6:00 AM And Work (01) Date 30.12.2025 invited form interested bidders Date 14.01.2026 Upto 6:00 AM Other particulars of the bid may be invited on the procurement portal, http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in of the state.
UBN CODE :- DLB2526WSOB28886, DLB2526WSOB28888, DLB2526WSOB28874.
Raj.Samwad/C/25/17084 Executive officer

राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड
ई-निविदा सूचना संख्या-16 (2025-26)
केन्द्र/राज्य सरकार के विभागों एवं रा.रा.वि.प्र.नि.लि. के उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत/मान्य व अनुभवी निविदाकारो से ई निविदा सूचना संख्या–16 (2025–26) के क्र0 स0 01 अधिशाषी अभियन्ता द्वितीय (सिविल), रा0रा0वि0प्रसा0नि0लि0 बीकानेर व क्र0 स0 02 अधिशाषी अभियन्ता (सिविल), रा0रा0वि0प्रसा0नि0लि0 हनुमानगढ़ के अन्तर्गत कार्यो हेतु निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। इन कार्यो की अनुमानित लागत, निविदा शुल्क, निविदा बेचे जाने तथा खुलने की तारीख, धरोहर राशि व निविदा विशिष्टियां आदि का सम्पूर्ण विवरण वेबसाइट http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.nic.in & www.rvpn.co.in पर देखा जा सकता है।
UBN : VPN2526WSOBO2521, 2517 अधीक्षण अभियंता
राज.संवाद/सी/25/17101 रा.रा.वि.प्र.नि./TR-7325/2026 (सिविल), बीकानेर

Rajasthan Financial Services Delivery Limited
3rd Floor, B-Block, Vitta Bhawan, Janpath, Jaipur-302005 (Raj.)
e-mail Id: rfsdl@rajasthan.gov.in
File No. :- F.1(21)/RFSDL/2025 Date :- 02/01/2026
NOTICE INVITING BIDS
(NIB - 04/2025-26)
Bid for Empanelment of Consulting Firms for Enhanced Quality Assurance and Project Delivery by RFSDL is invited from interested bidders up to 06.00 PM on dated 03.02.2026. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://sppp.rajasthan.gov.in) of the State and RFSDL website (https://rfsdl.rajasthan.gov.in). The approximate value of the procurement is INR 3 Crores. UBN Number: FGT2526SLOB00019
Raj.Samwad/C/25/17114 Executive Director (Adm.)

जोधपुर में हैण्डीक्राफ्ट फैक्टरी में भीषण आग लगी

आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट से बताया जा रहा है

- आग को बुझाने के लिए आधा दर्जन से ज्यादा दमकलें लगी
- आग से फैक्टरी मालिक का मकान और एक पड़ौसी का घर दरक गया

जोधपुर, (कासं)। शहर के बासनी औद्योगिक क्षेत्र सालावास रोड पर एक बस्ती में आई हैण्डीक्राफ्ट फैक्टरी में आधी रात को भीषण आग लग गई। आग शॉर्ट सर्किट से लगना बताया जाता है। आग को बुझाने के लिए आधा दर्जन से ज्यादा दमकलें लगी। तकरीबन तीन घंटे बाद आग पर काबू पाया जा सका। आग से फैक्टरी मालिक का मकान और एक पड़ौसी का घर भी दरक गया। फैक्टरी के आस पास बस्ती होने से बड़े जानमाल के नुकसान को बचा लिया गया।

बासनी फायर स्टेशन प्रभारी अधिकारी प्रशांत सिंह ने बताया कि रात पौने चार बजे सूचना मिली थी। सालावास रोड पर कुम्हारों का बास आया है। यहां पर बनी एक हैण्डीक्राफ्ट फैक्टरी में आग लगी है। इस पर बासनी से पहले एक गाड़ी भेजी गई, मगर आग की विकरालता को देखते हुए दो और गाड़ियां फिर शास्त्रीनगर से दो, चौपासनी हाउसिंग बोर्ड से दो और नागौरी गेट से भी दमकल को बुलाया गया।

फायर ऑफिसर प्रशांत सिंह ने बताया कि फैक्टरी का मालिक कालूराम प्रजापत है। आग से उसका घर और एक अन्य मकान को भी नुकसान पहुंचा है। फैक्टरी बस्ती क्षेत्र में आई है। हालांकि आसपास की बस्ती को चपेट में आने से बचा लिया गया है। आग से फैक्टरी में कच्चा और तैयार माल जलकर नष्ट होने के साथ मशीनरी को नुकसान हुआ है। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट होना फैक्टरी मालिक बता रहा है। इसमें कोई फायरमैन हताहत नहीं हुआ है।

प्रशांत सिंह ने बताया कि रात को लगी इस आग के कारण उसके मालिक कालूराम को नोटिस की सिफारिश नगर निगम से की गई है। वहां पर कोई फायर सेफ्टी सिस्टम नहीं था। इसके अलावा जोधपुर में ऐसी तकरीबन दो हजार फैक्ट्रियों के मालिकों को नोटिस जारी करवाए गए हैं। बासनी प्रथम, द्वितीय चरण और पाली रोड पर आई कई फैक्ट्रियों में फायर सिस्टम नहीं है, जोकि कभी बड़े हादसे का सबब बन सकते हैं।

स्विफ्ट कार असंतुलित होकर पलटी, हादसा टला

- कार में पांच जने सवार थे, हादसे में सभी को मामूली चोटें आई

रामगंजमंडी, (निसं)। कोटा से झालावाड़ की ओर जा रही एक स्विफ्ट कार सोमवार को कमलपुरा क्षेत्र में नेशनल हाईवे पर पुलिया के पास अचानक असंतुलित होकर पलटी खा गई। कार में पांच जने सवार थे। हादसे में सभी को मामूली चोटें आईं, लेकिन किसी को गंभीर नुकसान नहीं हुआ। गनीमत रही कि बड़ा हादसा होने से बच गया। हादसे के बाद कार सड़क से नीचे जा गिरी। घटना की सूचना मिलते ही दरा की नाल हाईवे पर ड्यूटी कर रहे पुलिसकर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया। सभी घायलों को सुरक्षित बाहर निकाला गया और प्राथमिक सहायता दिलाई गई।

कोटा के कमलपुरा क्षेत्र में अनियंत्रित होकर कार पलट गई।

पुलिस उप अधीक्षक घनश्याम मीणा ने बताया कि फिलहाल दरा की नाल जंगल क्षेत्र में नेशनल हाईवे पर किसी प्रकार का जाम नहीं है। पुलिस बल मौके पर तैनात है और यातायात व्यवस्था पूरी तरह सुचारू रूप से संचालित हो रही है। आम जनता को किसी प्रकार की परेशानी नहीं है। पुलिस की तत्परता से स्थिति पर तुरंत नियंत्रण पा लिया गया और आवागमन शांतिपूर्ण तरीके से जारी है।

सांचोर से जयपुर जा रही बस खाई में गिरी, तीन की मौत, एक दर्जन लोग घायल

- पुलिस के अनुसार निजी ट्रैवल्स बस में करीब 45 सवारियां भरी हुई थी
- बस में सवार यात्रियों ने बताया कि बस का ड्राइवर नशे में लग रहा था

आहोर, (निसं)। सांचोर से जयपुर जा रही निजी ट्रैवल्स बस बीती रात आहोर थाना क्षेत्र में राष्टीय राजमार्ग 325 पर उम्मेदपुर के पास अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी। हादसे में एक दंपती सहित तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि करीब एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। सभी घायलों को आहोर के सरकारी अस्पताल लाया गया, जहां दस गंभीर घायलों को उच्च अस्पताल मे रैफर किया गया। वहीं तीन यात्रियों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। हादसे के बाद बस में सवार सवारियों में चीख पुकार मच गई। साथ ही मौके पर अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया।

हादसे की सूचना पर आहोर थानाधिकारी करणसिंह जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे और घायलों को रोगी वाहन के जरिये आहोर के सरकारी अस्पताल पहुंचाया।

अस्पताल प्रभारी डॉ. पीएम मुणोत के मुताबिक हादसे मे दो लोगों की मौके पर ही मौत हुई है तथा 13 लोग घायल हुए है। इसमे से 10 की हालत गंभीर होने से उन्हें आगे रैफर किया है। पुलिस के अनुसार बस में करीब 45 सवारियां भरी हुई थी। सांचोर के लियादरा निवासी एक बुजुर्ग दंपती फगलूराम व उसकी पत्नी हाऊदेवी की बस के नीचे दबने से मौत हो गई है। वहीं भरतपुर के बयाना निवासी अमृत जाटव ने जालोर अस्पताल मे उपचार के दौरान दम तौड़ दिया। बस में सवार यात्रियों ने बताया कि बस का ड्राइवर नशे में लग रहा था और बहुत तेज गति में भी पान-मसाला का गुटखा बना रहा था। उसी दौरान यह हादसा हो गया। पुलिस ने करीब आधा दर्जन जेसीबी मशीन व अन्य उपकरणों की मदद से बस में फंसी सवारियों को बाहर निकाला।

आहोर थानाधिकारी करणसिंह ने बताया कि बुजुर्ग दंपती का पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है, वही अमृत जाटव के शव का पोस्टमार्टम कल किया जाएगा। बस का चालक भी शीघ्र ही पुलिस की हिरासत मे होगा। आहोर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

लापता युवक का शव कुएं में मिला

उदयपुर, (कासं)। सायरा थाना क्षेत्र में गत दिनों लापता हुए युवक का शव कुएं में मिला। सायरा थाना क्षेत्र सुआवतोकां का गुड़ा के समीप कुम्हारवास गांव में बीवाला वड़ा अमृतलाल ब्राम्हण के कुएं में अज्ञात शव होने की सूचना मिली।

सूचना पर इस पर एएसआई राजेन्द्रसिंह ने मौके पर पहुंच कर रेस्क्यू टीम की मदद से शव को बाहर निकाला। जहां मौजूद लोगों ने एवं जेब से मिले आधार कार्ड के अनुसार मृतक की शिनाख्त सुहावतों का गुड़ा निवासी ताराचंद पुत्र नौकाराम मेघवाल के रूप में शिनाख्त कर परिजनों को सूचना दी तथा मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंपा। ताराचंद इधर-उधर घूमता रहता था एवं कभी-कभार घर पर जाता था। गत कई दिनों से वह घर नहीं गया था, जिसका शव कुए में मिला जो पूरी तरह सड़ चुका था।

युवती ने आत्महत्या की : उदयपुर के नाई थाना क्षेत्र में युवती ने पेड़ पर फांसी लगा आत्महत्या कर ली। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार को नाई थाना क्षेत्र हवालाल गांव के पास जंगल में पेड़ पर युवती का शव लटका होने की सूचना मिली। इस पर नाई थानाधिकारी देवीलाल मय टीम ने मौके पर पहुंच कर मृतका को फंदे से निचे उतार उसकी शिनाख्त सदकड़ी सेमारी निवासी हसिना कुमारी मीणा (20) पुत्री देवीलाल मीणा के रूप में की।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड टोडाभीम
क्रमांक-3579-3588 दिनांक 29.12.2025
ई-निविदा सूचना संख्याः 10/2025-26
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से जिला करौली (खण्ड टोडाभीम) में पुलिया निर्माण कार्य के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्रीय सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकां, जो कि राजस्थान सरकार के विभिन्न सक्षम श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया हेतु ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है।
निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर करवाना आवश्यक है।
NIB NO. PWD2526A4912, UBN NO. PWD2526WSOB19653
(के.के. मीना)
अधिशाषी अभियन्ता
DIPR/C/56/2026 सा.नि.वि. खण्ड टोडाभीम

Municipal Corporation Jodhpur
(Nagar Nigam Bhawan] Inside Polytechnic Parisar] Gaurav Path] Jodhpur)
(ceo.nnj@rediffmail.com Tel: 0291-2651464)
S.No. :- 445 Date:- 01.01.2026
ONLINE NOTICE INVITING TENDERS
UBN NO. DLB2526SLOB29076
Municipal Corporation Jodhpur invites online unconditional bids under Single Stage two envelope system through e-procurement portal http://eproc.rajasthan.gov.in from eligible/ experienced bidders as per criteria mentioned in bid document, for Supply, delivery and commissioning of advanced "Robot" for cleaning of Sewer manholes/machine holes with robot carrier vehicle with jetting pump & Rear assembly including 01 year of O&M. as per bid documents in Municipal Corporation Jodhpur. Tenders are to be submitted duly digitally signed in electronic format only on website http:/eproc.rajasthan.gov.in. The tender document is available for downloading on website http:/eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in and www.lsg.rajasthan.gov.in/mcj from 02 Jan. 2026 and the last date and time of online submission of tender is 15 Jan. 2026 up to 3.00 PM.
Commissioner
Raj.Samwad/C/25/17092 Municipal Corporation Jodhpur

आनलाइन ठगी में चार को पकड़ा

उदयपुर, (कासं)। शहर के सुखेर थाना पुलिस ने ऑनलाइन ठगी के मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से लेपटॉप, मोबाईल, सीम एवं बैंक चैकबुक व पासक बुक जब्त कर प्रकरण दर्ज किया। सुखेर थानाधिकारी रविन्द्र चारण के नेतृत्व में गठित दल ने मुखबीर से मिली सूचना के आधार पर सोनारिया लखावली स्थित एक मकान पर दबीश देकर चार व्यक्तियों के कब्जे से 2लेपटॉप, 46 मोबाईल, 42 सीम कार्ड, 36 एटीएम कार्ड मय राउटर,16 बैंक पास बुक जब्त कर विशाल यादव पुत्र जितेन्द्रसिंह, विजयसिंह पुत्र गोपालसिंह सिसोदिया, मोहम्मद परवेज खान पुत्र बाबुखान एवं मनीष पुत्र राठौड़ पुत्र दिनेश राठौड़ को गिरफ्तार किया। पूछताछ में पता चला कि अरोपी विशल यादव, विजयसिंह, मो. परवेज एवं मनीष राठौड़ अपने साथी सौरभ उपाध्याय व सुमित चंदेल के साथ मिलकर धोखाधड़ी कर कमीशन पर लोगों से बैक खाते खरीद कर कमीशन पर दूसरों को देकर ऑनलाइन ठगी, ऑनलाइन गेम की राशि ट्रांसफर करवा अपने साथियों के साथ धोखाधड़ी कर बैक खाते खरीदने बेचने का कारोबार किया करते हैं।

टोंक में रहस्यमयी घड़ा मिलने के मामले में तांत्रिक सहित आरोपी गिरफ्तार

- आरोपियों ने नकली सोने की ईंट और बिस्किट से लोगों को झांसे में लेकर ठगना स्वीकार किया
- नकली सोने को जमीन में गाड़कर असली धन जमीन में गड़ा होने का झांसा देते थे

टोंक, (निसं)। निवाई उपखण्ड क्षैत्र में खुदाई में मिले रहस्यमयी घड़े के मामले में सामने आया कि यह कार्रवाई ठग द्वारा दबाकर की गई थी, जिसमें मुख्य आरोपी खुद को तांत्रिक बताया गया है। मामले में पुलिस ने रविवार रात दो आरोपियों को पकड़कर उनसे नकली सोने की ईंट और बिस्किट से लोगों को झांसे में लेकर ठगना स्वीकार किया, जो तंत्र-मंत्र से जमीन में गड़ा हुआ धन ढूंढने का दावा करते थे।

पुलिस जांच में सामने आया कि यह कोई खजाना नहीं था, बल्कि दोनों आरोपियों ने लोगों को ठगने के लिए पहले से जमीन में छिपाकर रखा था। घड़े में रखी सोने की ईंट, बिस्किट जैसी दिखने वाली वस्तुएं असल में पीतल और तांबे की नकली सामग्री थी। उल्लेखनीय है कि 3 दिसंबर, शनिवार को निवाई के सींदड़ा गांव की देवरी ढाणी में चारागाह जमीन पर पूजा-अर्चना का सामान मिला था, जहां मौके पर पहुंचे तहसीलदार ने यहां जेसीबी से खुदाई शुरू करवाई तो 100-150 किलो वजनी काफी पुराना धातु का करीब 2 फीट ऊंचाई और डेढ़ फीट चौड़ाई का घड़ा निकला, जिसमें सोने जैसी धातु के टुकड़े थे।

मुख्य आरोपी तांत्रिक और सहयोगी को पुलिस ने गिरफ्तार किया।

निवाई थानाधिकारी राजेंद्र सिंह ने बताया 4 जनवरी को गश्त करते हुए टीम के साथ झिलाई बाइपास पुलिया पहुंचे, जहां मुखबिर से सूचना मिली थी कि जयपुर से टोंक जाने वाली सड़क की निर्माणाधीन सर्विस रोड पर एक कार में दो युवक बैठे हुए हैं, जो नकली सोने को असली बताकर बेचने के फिराक में हैं। पुलिस ने वहां पहुंचकर कार में मौजूद युवक मुकेश मीणा पुत्र तेजाराम मीणा और उसके साथी अभिषेक मीणा पुत्र कैलाश मीणा को पूछताछ के बाद संदिग्ध होने पर गिरफ्तार किया। आरोपियों के पास से पीतल जैसी धातु की ईंट (2 किलो 515 ग्राम) और दो ढली (गोल वस्तु) (505 और 500 ग्राम) और बिस्किट (97 ग्राम) पीतल के धातु के मिले हैं। दोनों से पूछताछ में बताया कि वे लोगों को असली सोना देने की कहकर जाल में फंसाते थे और कम दामों में बेचते थे। साथ ही नकली सोने को जमीन में गाड़कर असली धन जमीन में गड़ा होने का झांसा देते थे, दोनों यहां भी ऐसे लोगों को ढूंढ रहे थे जो झांसे में आ जाए। पूछताछ के बाद पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया, साथ ही कार और उनके पास से मिली धातुओं को जब्त कर लिया।

स्मैक तस्करी में महिला गिरफ्तार

सरवाड़, (निसं)। थाना पुलिस ने वांछित अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे धरपकड़ अभियान के दौरान स्मैक तस्करी के मामले में पिछले छह महीने से फरार चल रही महिला सप्लायर रचना सांसी (27) पत्नी कमल सांसी को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी रामपाल शर्मा ने बताया कि 27 जून 2025 को भिनाय थाना पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान सांसी बस्ती भिनाय निवासी संजय सांसी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 5.16 ग्राम अवैध स्मैक बरामद की थी। भिनाय थाना पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच सरवाड़ थानाधिकारी के जिम्मे की थी। पुलिस अनुसंधान में सामने आया कि संजय को स्मैक की सप्लाई सावर निवासी रचना सांसी ने की थी। तब से ही आरोपी महिला गिरफ्तारी से बचने के लिए फरार चल रही थी। पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना व तकनीकी विश्लेषण के आधार पर आरोपी महिला को सावर स्थित सांसी बस्ती से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार महिला को न्यायालय में पेश किया गया है, वहीं जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

कार्यालय नगर पालिका मण्डल सुल्तानपुर जिला कोटा (राज.)
E-mail id – npsultanpur01@gmail.com Ph.No. 07455-294166
क्रमांकः–नपासु0/विकास/2025–26/2232–33 दिनांकः 01.01.2026
ई–निविदा–सूचना /2025–26
इस कार्यालय की निविदा सूचना संख्या 2230–31 दिनांक 01.01.2026 के द्वारा कुल 2 कार्य की अनुमानित लागत 16.26 लाख की जाती है। नगर पालिका सुल्तानपुर की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु नियमानुसार डीएलबी में सक्षम श्रेणी एवं अन्य विभागों में A, AA श्रेणी में राज्य सरकार/केन्द्र सरकार से पंजीकृत संवेदकों जो राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के सक्षम हो से ही ई–प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया द्वारा ऑनलाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है। ई–निविदा से संबंधित समस्त विवरण http://eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

Work No.	UBN No.
1	DLB2526WSOB29064
2	DLB2526WSOB29065

राज.संवाद/सी/25/17051 प्रशासक अधिशाषी अधिकारी

कार्यालय नगर निगम, भीलवाड़ा (राज.)
क्रमांक :न.नि.भी./DAY-NULM/2025–26/15024 दिनांकः– 31.12.2025
–: अल्पकालीन निविदा सूचना :–
नगर निगम भीलवाड़ा द्वारा निम्नांकित कार्यो के लिए निविदाएं आमंत्रित की जाती है। जिसकी जानकारी वेबसाईट www.sppp.raj.gov.in पर उपलब्ध है।

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	धरोहर राशि	निविदा शुल्क
1.	दीनदयाल अन्त्योदय योजना राष्ट्रीय शहरी आजीवीका मिशन योजना अथवा दीनदयाल जन आजीविका योजना (शहरी), प्रधानमंत्री–स्वनिधि योजना एवं मुख्यमंत्री–स्वनिधि योजना के लिए कार्मिक उपलब्ध कराने का कार्य।	रू. 1526448/–	रू. 30529/–	रू. 2000/–

NIB Code : DLB2526A9761
UBN Code : DLB2526SLOB29104 आयुक्त
राज.संवाद/सी/25/17094 नगर निगम, भीलवाड़ा

बिहारीलाल बिश्नोई भरतपुर संभाग प्रभारी बने

नोखा, (कासं)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने राजस्थान के सभी संभागों के प्रभारियों के नामों की घोषणा कर दी। संगठनात्मक मजबूती की दिशा में उठाए गए इस कदम के तहत नोखा के पूर्व विधायक और प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष बिहारीलाल बिश्नोई को भरतपुर संभाग का प्रभारी नियुक्त किया गया है।

बिहारीलाल बिश्नोई को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के गृह संभाग क्षेत्र भरतपुर की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पार्टी सूत्रों के अनुसार इस नियुक्ति का उद्देश्य जमीनी स्तर पर संगठन को और अधिक सक्रिय बनाना और आगामी राजनीतिक चुनौतियों के लिए भाजपा को मजबूत करना है। बिश्नोई को संगठनात्मक अनुभव और क्षेत्रीय पकड़ के चलते यह अहम जिम्मेदारी दी गई है।

प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी की ओर से जारी आधिकारिक पत्र में अन्य संभाग प्रभारियों के नाम भी घोषित किए गए हैं। सूची के अनुसार बीकानेर संभाग की जिम्मेदारी मिथिलेश गौतम को सौंपी गई है। जयपुर संभाग के प्रभारी स्वयं प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी होंगे। अजमेर संभाग में कैलाश मेघवाल को दायित्व दिया गया है। जोधपुर संभाग के प्रभारी भूपेन्द्र सैनी बनाये गए हैं।

मांगों को लेकर कर्मचारी नेताओं की चेतावनी महारैली 12 को

- **पदोन्नति विसंगति दूर करवाना एवं 8, 16, 24, 32 वर्ष की सेवा पर चयनित वेतनमान, वेतन विसंगति दूर करवाना व केन्द्र के समान पे लेवल, पुरानी पेंशन योजना की सुरक्षा, संविदा एवं मानदेय कार्मिकों का नियमितीकरण अदि मांगे शामिल है**

बीकानेर,(कासं)। अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ की 12 जनवरी को जयपुर में कर्मचारियों की विभिन्न मांगों के समर्थन में चेतावनी महारैली को सफल बनाने के लिए सम्पर्क अभियान जारी रहा।

रैली को सफल बनाने के लिए कर्मचारी नेता संजय पुरोहित व आनंद पारीक के नेतृत्व में सोमवार को कर्मचारी नेताओं ने शिक्षा निदेशालय प्रारंभिक व माध्यमिक, पंजीयक परीक्षाएं, जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक, जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग आदि कार्यालयों में सम्पर्क कर कर्मचारियों से रैली में भाग लेने की अपील की। जिलाध्यक्ष पृथ्वीराज लेघा ने बताया कि सात संकल्पों में पदोन्नति विसंगति दूर करवाना एवं 8, 16, 24, 32 वर्ष की सेवा पर चयनित वेतनमान, वेतन विसंगति दूर करवाना व केन्द्र के समान पे लेवल, पुरानी पेंशन योजना की सुरक्षा, संविदा एवं मानदेय कार्मिकों का नियमितीकरण, पारदर्शी स्थानांतरण नीति जारी करवाना व तृतीय श्रेणी शिक्षकों के स्थानांतरण, निजीकरण पर रोक लगाने व कर्मचारियों के मान, सम्मान व स्वाभिमान की सुरक्षा शामिल है।

सोमवार को सम्पर्क दल में संजय पुरोहित, आनंद पारीक, रेवंतराम गोदारा, यतीश वर्मा, लक्ष्मीनारायण प्रजापत, हुक्माराम झोरड़, देवराज जोशी, देवेन्द्र जाखड़, अरूण गोदारा, असलम मोहम्मद, महेन्द्र पंवार, अरूण गोदारा, मकबूल अहमद, सुरेन्द्र भाटी आदि कर्मचारी नेता शामिल थे।

भीमसेन चौधरी की जयंती मनाई

बीकानेर, (कासं)। पूर्व मंत्री भीमसेन चौधरी के 102 वें जन्मदिवस के अवसर पर उनके प्रतिमा स्थल पर पुष्पांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न राजनीतिक, सामाजिक संगठनों और गणमान्य नागरिकों ने श्रद्धासुमन अर्पित किए।

मरूधरा की तपती रेत में हरियाली का स्वप्न देखने और उसे साकार करने वाले किसान नेता भीमसेन चौधरी शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और आधारभूत ढांचागत विकास के क्षेत्र में एक क्रांति के सूत्रधार थे। वे सही मायनों में इस क्षेत्र में हरित व श्वेत क्रांति के अग्रदूत माने जाते हैं। यह बात पूर्व गृह राज्य मंत्री वीरेन्द्र बेनीवाल ने सोमवार को बीकानेर स्थित भीमसेन चौधरी सर्किल पर आयोजित 102 वें जन्मदिवस समारोह को संबोधित करते हुए कही।

वीरेन्द्र बेनीवाल ने कहा कि खेतों में हरियाली और गांव-ढाणी तक शिक्षा का उजियारा पहुंचाने में भीमसेन चौधरी ने जीवनभर अथक प्रयास किए। उन्होंने दशकों पहले रेत के समंदर में हरियाली लाने का सपना देखा और इंदिरा गांधी नहर परियोजना से पानी लिफ्ट करवाकर उसे धरातल पर साकार कर दिखाया। यह उनकी दूरदृष्टि और संघर्ष का ही परिणाम था कि आज मरूधरा का स्वरूप बदला हुआ दिखाई देता है। कार्यक्रम में वयोवृद्ध गांधीवादी अर्जुनराम कूंकणा एवं रामपाल महाराज द्वारा सर्वधर्म प्रार्थना एवं संकीर्तन करवाया गया। उपस्थित जनों ने दो मिनट का मौन रखकर भीमसेन चौधरी को श्रद्धांजलि अर्पित की। सभा में कांग्रेस नेता मदन गोपाल मेघवाल, श्रवण रामावत, शिवलाल गोदारा, पूर्व उपप्रधान भंवरलाल गोदारा, खाजूवाला से पूर्व विधानसभा प्रत्याशी सुषमा बारूपाल, बीकानेर पंचायत समिति के पूर्व प्रधान लालचंद आसोपा, धर्मचंद चौधरी, मनोज चौधरी, इंदिरा गांधी नहर राष्ट्रीय मजदूर यूनियन के अध्यक्ष भागीरथ सिंह खीचड़, एडवोकेट सत्यपाल सहू, पूर्व आरएएस सुभाषचंद्र चौधरी, डी सी गहलोत बीरबल सिंह चौधरी, संयुक्त निदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग डॉक्टर देवेंद्र चौधरी, राजेन्द्र भार्गव, उदय भान, किसान छात्रावास रानी बाजार के अध्यक्ष चेतराम थालोड़ आदि मौजूद थे।

सार-समाचार

विधायक सुशीला डूडी का स्वागत

राजीव गांधी यूथ फैडरेशन का संरक्षक बनने पर नोखा विधायक सुशीला डूडी का स्मृति चिन्ह, शॉल से स्वागत किया।

बीकानेर, (कासं)। राजस्थान प्रदेश राजीव गांधी यूथ फैडरेशन की ओर से नोखा विधायक सुशीला रामेश्वर डूडी का राजस्थान प्रदेश राजीव गांधी यूथ फैडरेशन में संरक्षक बनने पर स्मृति चिन्ह, शॉल, माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। फैडरेशन के प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद रमजान रंगरेज़ ने आभार जताते हुए कहा कि फैडरेशन में आपके मार्गदर्शन से युवाओं और कांग्रेस के कार्यकर्ताओं का हौसला बुलंद होगा और कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता के साथ उद्देश्यों पर कार्य करता रहेगा। प्रदेश अध्यक्ष रंगरेज़ और प्रदेश पदाधिकारियों ने सुशीला डूडी को गणेशजी की आकृति में नाम लिखा स्मृति चिन्ह भेंट किया। फैडरेशन के प्रदेश सलाहकार पूनमचंद टॉक ने शॉल ओढ़ाकर अभिनंदन किया। फैडरेशन के प्रदेश सचिव महेंद्र ज्याणी, पार्षद गजानंद शर्मा, आबिद हुसैन, रियाज अहमद, वाजिद अली, बलराम नायक व अन्य कार्यकर्ताओं ने फूलमाला भेंट कर स्वागत किया। इस अवसर पर विधायक सुशीला रामेश्वर डूडी ने कहा कि आज इस नफरत के दौर में बीजेपी विकास के नाम पर केवल नाम बदलने का काम कर रही है चाहे वो रोड़े, हो शहर हो ता या फिर कांग्रेस पार्टी कि जनहित कल्याणकारी योजनाओं का हो। अब जरूरत है देश के युवाओं को देश कि एकता अखंडता व भाईचारे के लिए आगे आना होगा। देश में आज तानाशाही का माहौल बन गया है, संविधान को बचाना होगा। प्रदेश अध्यक्ष रंगरेज़ ने कहा कि फैडरेशन कांग्रेस पार्टी को युवाओं को जोड़कर ओर जनहित के मुद्दों को प्रखरता के साथ उठायेगा।

होनहार प्रतिभाओं का सम्मान

खत्री मोदी समाज की होनहार प्रतिभाओं को सम्मानित किया।

बीकानेर, (कासं)। स्थानीय रविन्द्र रंगमंच में श्री खत्री मोदी समाज सेवा समिति द्वारा पांचवा खत्री मोदी शिक्षा अवार्ड पुरस्कार सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समिति के अध्यक्ष श्याम मोदी ने बताया कि श्री दरियाव देव महाराज की पूजा अर्चना के साथ सरस्वती वंदना, गणेश वंदना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में देशभर से समाज के होनहार छात्र-छात्राओं एवं प्रतिभाओं का सम्मान किया। मुख्य अतिथि समाजसेवी रमेश मोदी द्वारा टॉपर रहे कक्षा 10 वीं की छात्रा भविष्या खत्री, मनन्श मोदी व कक्षा 12 वीं से प्रियांशु गोची, लक्षिता मोदी, गोल्ड मेडलिस्ट व यूनिवर्सिटी के टॉपर खुशी मोदी (एम.ए. इंग्लिश) एवं खेल क्षेत्र में बाल प्रतिभा अक्षय मोदी को 5100 (पांच हजार एक सौ) की राशि देकर प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सरकारी चयनित कार्मिक एवं उच्च अधिकारी के रूप में लगे राजस्थान प्रशासनिक सेवा अधिकारी देवेन्द्र मोदी का भी विशेष रूप से सम्मान किया गया। साथ ही कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजसेवी रमेश मोदी का समिति के पदाधिकारियों द्वारा 21 किलो की माला पहनाकर व स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर समाज के सेवा क्षेत्र में डॉ. प्रमिला खत्री, डॉ. संजय मोदी, प्रोफेसर एल. एन. खत्री, पूनम मोदी, दीनदयाल मोदी, देवेन्द्र मोदी, भंवर मोदी, बालकिशन मोदी, रामरतन मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र राय मलाणी का सेवा क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए स्मृति चिन्ह व शॉल ओढाकर सम्मान किया गया।

ग्राम पं वार्ड परिसीमन का विरोध

कालू, (कासं)। कालू क्षेत्र की नकोदेसर ग्राम पंचायत में पंचायत समिति वार्ड परिसीमन का विरोध किया जा रहा है। ग्राम पंचायत के सभी सदस्यों और नकोदेसर पुरा गांव के निवासियों ने संगठित होकर इस परिसीमन पर आपत्ति जताई है। ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत समिति वार्ड का वर्तमान परिसीमन उचित नहीं है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से इस समस्या को समझने और क्षेत्र के परिसीमन को सही तरीके से करने के लिए आवश्यक कदम उठाने का अनुरोध किया है। विरोध का मुख्य कारण यह है कि इस परिसीमन के तहत नकोदेसर पंचायत को दो भागों में बांटा जा रहा है, जिसे ग्रामीण दुर्भाग्यपूर्ण मान रहे हैं। उनका मानना है कि इससे प्रशासनिक और सामाजिक समस्याएं उत्पन्न होंगी। यह विरोध पंचायत समिति कार्यालय, जिला पंचायत अधिकारी, राज्य चुनाव आयोग, सामाजिक कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों को संबोधित किया गया है। ग्रामीणों ने इन सभी से हस्तक्षेप कर उनकी मांग पर विचार करने की अपील की है।

जमीन विवाद में मारपीट

नोखा, (कासं)। जसरासर थाना क्षेत्र में जमीन विवाद को लेकर मारपीट का मामला सामने आया है। इस घटना में मेघवाल समाज का एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पीडित अमरसिंह पुत्र हीराराम, निवासी झाड़ेली तहसील जसरासर ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। रिपोर्ट के अनुसार अमरसिंह खसरा नंबर 1516/731 व 730 स्थित अपनी जमीन पर दीवार का निर्माण कर रहे थे। इसी दौरान कुछ आरोपी वहां पहुंचे और गाली-गलौज करते हुए जबरन काम रुकवाने की कोशिश की। पीड़ित ने बताया कि आरोपियों ने लाठी-डंडों से उन पर हमला कर दिया, जिससे उनके हाथ और शरीर के अन्य हिस्सों में चोटें आई। बीच-बचाव करने आए लोगों के साथ भी धक्का-मुक्की की गई। घटना के बाद घायल अमरसिंह को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया।

बीडीए से कलानुशासनों के पुरस्कार प्रारंभ करने की मांग

बीकानेर, समृद्ध साहित्यिक परंपरा रही है, साथ ही विशेष तौर से हिन्दी, उर्दू एवं राजस्थानी साहित्य का सृजन निरन्तर होता रहा है और बीकानेर का भाषा समन्वय एवं अपनत्व की पहचान प्रदेश ही नहीं बल्कि पूरे देश में है। बीकानेर की ऐसी साहित्य विरासत और उसको संजोने वाली प्रतिभाओं का सम्मान करना नगर की परंपरा रही है। इसी परंपरा का निर्वहन दशकों तक बीकानेर नगर विकास न्यास द्वारा किया जाता रहा है। परन्तु वर्तमान में उक्त सम्मान-पुरस्कार प्रदत्त करने की परंपरा का निक्न्हन नहीं हो रहा है। इस संदर्भ में राजस्थानी युवा लेखक संघ के प्रदेशाध्यक्ष वरिष्ठ साहित्यकार कमल रंगा ने बताया कि न्यास के कार्यकाल के समय बंद हुए पुरस्कार बाबत पूर्व में भी मांग की गई थी। परन्तु उस पर ठोस कार्यवाही नहीं हुई। कमल रंगा एवं क़ासिम बीकानेरी ने बताया कि वर्तमान में बीकानेर विकास प्राधिकरण बन चुका है। ऐसी स्थिति में बीकानेर विकास प्राधिकरण द्वारा बीकानेर के रचनाकारों को पुरस्कृत करने की परंपरा को नए सिरे से प्रारंभ किया जाना चाहिए।

खेजड़ी सहित हरे पेड़ों की अवैध कटाई का विरोध

- **बज्जू उपखंड मुख्यालय पर सैकड़ों पर्यावरण प्रेमियों ने राज्य में अंधाधुंध वृक्षों की कटाई रोकने के लिए कठोर कानून की मांग करते हुए प्रदर्शन किया**
- **इस प्रदर्शन में बज्जू उपखंड के दर्जनों गांवों से सैकड़ों जीव और पर्यावरण प्रेमी शामिल हुए, मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपा**

बज्जू, (कासं)। बज्जू उपखंड मुख्यालय पर सैकड़ों पर्यावरण प्रेमियों ने राज्य में अंधाधुंध वृक्षों की कटाई रोकने के लिए कठोर कानून की मांग करते हुए प्रदर्शन किया।

उन्होंने मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन उपखंड अधिकारी को सौंपा। इस दौरान पर्यावरण प्रेमियों ने हाल ही में राज्य सरकार द्वारा कानून में किए गए बदलावों का विरोध करते हुए नारेबाजी भी की। बीकानेर सहित पूरे राजस्थान में सोलर कंपनियों द्वारा बड़ी संख्या में हरे पेड़ों की कटाई की जा रही है। बीकानेर में इस मुद्दे पर पिछले 600 दिनों से सबसे लम्बा धरना जारी है।

प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि मौजूदा कानून पेड़ों की कटाई रोकने में अपर्याप्त है। जीव रक्षा संगठन से जुड़े श्रवण पूनिया ने बताया कि राज्य में चल रहे विभिन्न प्रोजेक्ट्स के कारण लाखों हरे पेड़, विशेषकर राज्य वृक्ष खेजड़ी की अंधाधुंध कटाई हो रही है। सीमावर्ती जिलों में अब तक लाखों खेजडियां, जाल, कुमठ और फोग जैसे पेड़ काटे जा चुके हैं। पर्यावरण प्रेमियों की मांग है कि राज्य सरकार इनके बचाव के लिए सख्त प्रावधान करे और कटाई होने पर कड़ी सजा तथा भारी जुर्माने का प्रावधान हो।

मिठडिया के सहीराम पूनिया ने मांग की है कि राज्य वृक्ष खेजड़ी, कुमठा, फोग, राज्य पुष्प रोहिड़ा और जाल आदि वृक्षों के बचाव हेतु एक अलग से कानून (ट्री एक्ट) बनाया जाए। उन्होंने बताया कि प्रदेश के कानून मंत्री ने 3 दिसम्बर को एक प्रेस वार्ता में 1955 के कानून में जुर्माना राशि 100 रूपये से बढ़ाकर 1000 रूपये करने की जानकारी दी थी। लेकिन यह राशि वर्तमान समय को देखते हुए ऊंट के मुंह में जीरे के समान है।

उन्होंने यह भी मांग की है कि किसी भी प्रोजेक्ट के लिए अनुमति देने से पहले इन पेड़ों की गिनती करके जियो टैगिंग की जाए। साथ ही स्थानीय निकाय जैसे ग्राम पंचायत या नगर पालिका से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) का प्रावधान किया जाए और प्रत्येक प्रोजेक्ट के लिए एक ग्रीन बेल्ट बनाना भी अनिवार्य हो। ज्ञापन में चेतावनी दी गई है कि यदि समय रहते कठोर कानून नहीं बनाया गया तो पर्यावरण प्रेमी आगामी 2 फरवरी 2026 को बीकानेर मुख्यालय पर अनिश्चितकालीन महापड़ाव पर बैठेंगे। इस प्रदर्शन में बज्जू उपखंड के दर्जनों गांवों से सैकड़ों जीव और पर्यावरण प्रेमी शामिल हुए।

स्मैक तस्कर गिरफ्तार

नोखा, (कासं)। नोखा थाना पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एक बड़ी सफलता हासिल की है। नागौर रोड पर की गई कार्रवाई में पुलिस ने एक स्मैक तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 5.81 ग्राम अवैध स्मैक बरामद की है।

थानाधिकारी अरविंद कुमार ने बताया कि पुलिस टीम ने संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर नागौर रोड पर एक व्यक्ति को रोका और तलाशी ली। तलाशी के दौरान आरोपी के पास मौजूद प्लास्टिक की थैली से 5.81 ग्राम अवैध स्मैक मिली, जिसे मौके पर जब्त कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान नोखा कस्बे के निवासी रमजान पुत्र सफी मोहम्मद, उम्र 35 वर्ष, के रूप में हुई है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार आरोपी के खिलाफ नोखा, पांचू और बीकानेर के विभिन्न थानों में पहले से ही आधा दर्जन से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें नशीले पदार्थों से जुड़े प्रकरण भी शामिल बताए जा रहे हैं। यह कार्रवाई जिला पुलिस अधीक्षक कावेंद्र सिंह सागर के निर्देश पर नशा तस्करों के खिलाफ चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत की गई।

यूरिया की किल्लत, चार बैग की सीमा से नाराजगी

- **जिले में यूरिया की किल्लत से किसान परेशान हैं। मांग के मुकाबले आपूर्ति कम होने के कारण किसानों को लम्बी कतारों में खड़ा होना पड़ रहा है**

बीकानेर, (कासं)। जिले में यूरिया की किल्लत से किसान परेशान हैं। मांग के मुकाबले आपूर्ति कम होने के कारण किसानों को लम्बी कतारों में खड़ा होना पड़ रहा है। कई वितरण केन्द्रों पर किसानों को अधिकतम चार बैग यूरिया ही मिल पाया, जिससे उनमें नाराजगी है।

बीकानेर की कच्ची आढ़त मंडी के सामने स्थित सहकारी समिति की दुकान पर यूरिया लेने के लिए किसानों की लम्बी कतारें देखी गई। यहां किसानों को चार बैग से अधिक यूरिया नहीं दिया गया, जिससे वे निराश होकर लौटे। श्रीडूंगरगढ़ से यूरिया लेने बीकानेर पहुंचे किसान मदनलाल ने बताया कि उन्हें लगभग 40 बैग यूरिया की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि कल श्रीडूंगरगढ़ में भी लाइन में लगे थे, लेकिन यूरिया नहीं मिला। आज किराये की गाड़ी से बीकानेर आने के बाद भी उन्हें केवल चार बैग ही मिल पाए जो उनकी जरूरत से बहुत कम हैं।

इसी तरह श्रीडूंगरगढ़ के बेणीसर गांव से आये किसान रेवंतराम ने अपनी समस्या बताते हुए कहा कि वे तीन ट्यूबवैल पर खेती करते हैं और उन्हें करीब 50 बैग यूरिया की जरूरत है। लेकिन उन्हें भी सिर्फ चार बैग ही दिए जा रहे हैं। उन्होंने चिंता व्यक्त की है कि खाद के लिए बार-बार चक्कर लगाने से उनका खेती का काम प्रभावित हो रहा है।

मौके पर यूरिया वितरण की निगरानी कर रहे सहायक कृषि अधिकारी देवेन्द्र सिंह शेखावत ने जानकारी दी कि वर्तमान में बीकानेर जिले में रिटेलर काउंटरों पर लगभग 962 मीट्रिक टन यूरिया का स्टॉक उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि कृषि उपज मंडी में भी दो दुकानों पर यूरिया का वितरण किया जा रहा है।

बीकानेर में कोहरा, 10 बजे तक धूप नहीं निकली

- **जनवरी में भी कड़ाके की सर्दी का इंतजार**

बीकानेर, (कासं)। सोमवार को बीकानेर में हल्का कोहरा रहा। सुबह करीब दस बजे तक धूप नहीं निकली लेकिन कोहरा घना नहीं था। इस पूरे सर्दी के सीजन में अब तक केवल दो से तीन बार ही घने कोहरे की स्थिति बनी है बाकी दिनों में दृश्यता सामान्य रही।

मौसम के आंकड़ों का विश्लेषण करें तो बीकानेर में पिछले दस दिनों में अधिकतम तापमान 20 से 23 डिग्री सेल्सियस के बीच बना हुआ है। जबकि न्यूनतम तापमान 7 से 10 डिग्री सेल्सियस के दायरे में रहा है। इससे साफ है कि इस बार सर्दी स्थिर रही है और अब तक शीतलहर जैसे हालात नहीं बने हैं।

पिछले 10 दिनों के मौसम पर नजर डालें तो सर्दी का असर संतुलित नजर आ रहा है। तापमान में न गिरावट हुई और न ही अचानक उछाल देखा गया। सोमवार को बीकानेर का अधिकतम तापमान 21.2 डिग्री सेल्सियस जबकि न्यूनतम तापमान 7.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

बीकानेर संभाग के लूणकरनसर क्षेत्र में भी मौसम का मिजाज लगभग समान रहा। यहां अधिकतम तापमान 20.9 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 8.4 डिग्री सेल्सियस रहा। बीते दस दिनों में न्यूनतम तापमान 7 से 9 डिग्री के बीच बना हुआ है, जिससे कड़ाके की सर्दी जैसी स्थिति नहीं बनी। हालांकि सुबह और रात के समय ठंड है, लेकिन दोपहर में सर्दी का असर काफी कम हो जाता है।

नाल में बमनुमा वस्तु मिलने से मचा हड़कम्प

बीकानेर, (कासं)। नाल क्षेत्र में उस समय हड़कम्प मच गया जब नाईयों की बस्ती रोड पर एक बम जैसी संदिग्ध वस्तु मिलने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही नाल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे क्षेत्र को सतर्क कर दिया गया।

नाल थानाधिकारी विकास विश्नोई ने बताया कि शाम करीब 5 बजे उन्हें सूचना मिली थी कि नाल स्थित नाईयों की बस्ती रोड पर एक बमनुमा वस्तु पड़ी है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए तत्काल पुलिस बल मौके पर भेजा गया और आसपास के लोगों को अलर्ट किया गया। थानाधिकारी विकास विश्नोई पुलिस बल के साथ मौके पर मौजूद हैं। भारतीय वायुसेना एयरफोर्स और सेना को भी इस घटना के बारे में सूचित कर दिया गया है। संदिग्ध वस्तु की जांच की जा रही है।

ऊंट उत्सव नजदीक, जूनागढ़ के पास जलभराव और टूटी सड़कें बरकरार

- **देशी-विदेशी पर्यटक गुजरने वाले हैं, लेकिन जिम्मेदारों को न गंदगी दिख रही है और न ही सड़क की बदहाली**

बीकानेर, (कासं)। यहां की पहचान और गौरव का प्रतीक जूनागढ़ किला आज प्रशासनिक लापरवाही और घोर मिस-मैनेजमेंट का सबसे बड़ा उदाहरण बनता जा रहा है। पिछले एक सप्ताह से जूनागढ़ के पास नालों और सीवरेज का गंदा पानी सड़कों पर फैल रहा है।

नगर निगम कार्यालय के सामने, पेट्रोल पंप के पास और मुख्य मार्ग पर हालात ऐसे हैं कि राहगीरों को बदबू, फिसलन और गड्ढों से जूझना पड़ रहा है। यह वही रास्ता है, जहां से रोजाना आमजन, अधिकारी, जनप्रतिनिधि और जल्द ही देशी-विदेशी पर्यटक गुजरने वाले हैं, लेकिन जिम्मेदारों को न गंदगी दिख रही है और न ही सड़क की बदहाली। नगर निगम से जूनागढ़ तक सीसी सड़क बनाई गई है, लेकिन उसके आगे निकलते ही हालात बद से बदतर हो जाते हैं। सड़क पर दो-दो फीट गहरे गड्ढे, उबड़-खाबड़ सतह और बीच सड़क पर बहता सीवरेज पानी दुपहिया ही नहीं, फोर व्हीलर चालको के लिए भी खतरा बन चुका है।

खुले नालों से निकलता गंदा पानी सड़क पर फैल रहा है, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा हर वक्त बना हुआ है। हैरानी की बात यह है कि यह कोई सुनसान गली नहीं बल्कि शहर का सबसे महत्वपूर्ण और वीआईपी मार्ग है। इसके बावजूद प्रशासन की नाकामी यहां साफ दिखाई दे रही है। कलेक्टर, बीडीए आयुक्त, नगर निगम आयुक्त और पीडब्लयूडी के बड़े अधिकारी लम्बे समय से फील्ड में नजर नहीं आए। अधिकारी अगर दफ्तरों से बाहर निकले तो उन्हें जमीनी हकीकत खुद-ब-खुद दिख जाए। और भी चिंताजनक तथ्य यह है कि 9 से 11 जनवरी तक जिले में अंतरराष्ट्रीय ऊंट उत्सव प्रस्तावित है। इसी मार्ग से देशी-विदेशी पर्यटक गुजरेंगे, लेकिन अफसरशाही फाइलों में दिशा-निर्देश जारी करने तक सीमित है। उन्हें इस बात की सुध तक नहीं है कि शहर के प्रवेश द्वार जैसे इलाके की हालत क्या है।

संगठन सशक्तिकरण पखवाड़ा बूथ स्तर तक संगठन को मजबूती देगा : सुमन छाजेड़

बीकानेर,(कासं)। बीकानेर संभाग कार्यालय में संगठन सशक्तिकरण पखवाड़ा के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक का आयोजन जिला अध्यक्ष सुमन छाजेड़ के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ।

बैठक का उद्देश्य संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत करना, कार्यकर्ताओं में समन्वय बढ़ाना तथा संगठनात्मक कार्यों को प्रभावी बनाना रहा। कार्यक्रम के सौरभ सारस्वत ने अपने संबोधन में कहा कि संगठन की मजबूती कार्यकर्ताओं की सजगता, अनुशासन और निरंतर सक्रियता पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा कि संगठनात्मक कार्यों में गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ काम करने से ही लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत किया जा सकता है। प्रत्येक कार्यकर्ता को अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करना चाहिए।

बीकानेर संभाग कार्यालय में संगठन सशक्तिकरण पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित संगठनात्मक बैठक को शहर जिला अध्यक्ष सुमन छाजेड़ ने संबोधित किया।

इस अवसर पर काशीराम गोदारा ने कहा कि संगठनात्मक बैठकें कार्यकर्ताओं को दिशा और उद्देश्य प्रदान करती हैं। बैठक का मूल लक्ष्य भारत की उन्नति और लोकतंत्र को सशक्त बनाना है। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता राष्ट्रीय स्तर से लेकर बूथ स्तर तक पूरी निष्ठा और लगन से कार्य कर रहे हैं, जिसके परिणामस्वरूप संगठन निरंतर मजबूत हो रहा है। जिला प्रभारी ओम सारस्वत ने संगठन सशक्तिकरण पखवाड़े के दूसरे चरण को लेकर कहा कि यह अभियान संगठनात्मक अनुशासन, आपसी समन्वय और जमीनी स्तर पर संगठन को और अधिक सुदृढ़ करेगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन के निर्देशों का पूर्ण पालन करने का आव्हान किया।

मीडिया संयोजक कमल गहलोत ने बताया कि बैठक में महापौर सुशीला कंवर, जिला महामंत्री श्याम सिंह हाड़ला, राजेन्द्र पंवार, नारायण चौपड़ा, मोहन सुराणा, अशोक मीणा, जिला उपाध्यक्ष दीपक पारीक, अशोक प्रजापत, मोतीलाल हर्ष, सोहन प्रजापत, भूपेन्द्र शर्मा, किशन मोदी, जिला मंत्री किशन चौधरी, तरूण स्वामी, धर्मेन्द्र सिंह सोलंकी, रामचंद्र सोनी, सुमन शेखावत, गोपाल अग्रवाल, चंद्रप्रकाश गहलोत मौजूद थे।

ऑन्कोलॉजी में डीएम शुरू करने की तैयारी

बीकानेर, (कासं)। सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज में मेडिकल ऑन्कोलॉजी में नए कोर्स के तौर पर डीएम शुरू करने की तैयारी की जा रही है। नेशनल मेडिकल काउंसिल से डीएम की दो सीटों का आवंटन जल्दी ही होगा।

इससे कैंसर के इलाज के लिए हर साल सुपर स्पेशलिस्ट मिलेंगे। मेडिकल कॉलेज को विभिन्न विषयों में पीजी की आठ सीटों का आवंटन नेशनल मेडिकल काउंसिल ने किया है। मेडिकल ऑन्कोलॉजी में डीएम की दो सीटों के आवंटन का इंतजार किया जा रहा है। आचार्य तुलसी रीजनल कैंसर रिसर्च सेंटर में वर्तमान में मेडिकल ऑन्कोलॉजी के एक प्रोफेसर और एक ही असिस्टेंट प्रोफेसर हैं। एसोसिएट प्रोफेसर का पद खाली है, लेकिन नियमानुसार दो पद भरे होने के कारण यहां डीएम शुरू हो जायेगी। उसके बाद हर साल कैंसर के दो सुपर स्पेशलिस्ट तैयार होंगे।

राजस्थान सरकार, कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)
Telefax No. 0154-2466652, Email :- uit_sgnr@yahoo.com Off. Add:- UIT Office, Model Town, Sri Ganganagar (Raj.) 335001
क्रमांक :- नियमन/2025/5090 **सार्वजनिक आपत्ति सूचना** दिनांक : 5.1.2026
सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि कृषि भूमि क्षेत्र में रिहायशी भूखण्ड वाके चक 6 ई छोटी मुरब्बा नं. 25 के किला नं. 05 व 06 में भूखण्ड संख्या का माप 25'-0'' गुणा 60'-0'' फीट के नियमन / पटटा हेतु आवेदक श्रीमती प्रेमलता पत्नी श्री किशनलाल मोदी निवासी निवासी मकान नम्बर 05, गली नं.03 बाबादीप सिंह कॉलोनी श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर इनके भूखण्ड का नियमन किया जाना है। अतः उपरोक्त वर्णित भूखण्ड के आवेदक के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों / रकबे के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति मय सबूत आपत्ति सूचना के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस के अन्दर-अन्दर न्यास कार्यालय में कमरा नं. 17 में प्रस्तुत कर सकता है अन्यथा बाद मियाद गुजरने अवधि के उपरान्त आवेदक श्रीमती प्रेमलता पत्नी श्री किशनलाल मोदी निवासी निवासी मकान नम्बर 05, गली नं.03 बाबादीप सिंह कॉलोनी श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर चक 6 ई छोटी मुरब्बा नं. 25 के किला नं. 05 व 06 में भूखण्ड संख्या का माप 25'-0'' गुणा 60'-0'' फीट का नियमन / पटटा जारी कर दिया जावेगा। यदि उक्त वर्णित क्षेत्र का पूर्व में नियमन / पटटा जारी होना पाया गया तो वर्तमान पटटा स्वतः ही निरस्त माना जावेगा। न्यास किसी भी विवाद के लिए जिम्मेवार नहीं होगा।
- सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)
क्रमांकः नियमन/2025/5087 **सार्वजनिक आपत्ति सूचना** दिनांक : 05.01.2026
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती नमृता पत्नी श्री विजय कान्त पाठक एवं श्री शिवकान्त पाठक व विष्णुकान्त पाठक पिसरान श्री विजय कान्त पाठक निवासी 78 शिव कॉलोनी, अग्रवाल पीरखाना के पास, श्रीगंगानगर के द्वारा न्यास क्षेत्र में स्थित आवासीय भूखंड का न्यास रिकॉर्ड में नामांतरण हेतु आवेदन किया गया है। उक्त भूखंड के संबंध में न्यास रिकार्ड एवं आवेदक के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज की स्थिति निम्नानुसार है -

| न्यास रिकार्ड के अनुसार भूखंड का विवरण | | आवेदक के द्

जब हार्दिक बल्लेबाजी करने आते हैं, तो विरोधी टीम पर तुरंत दबाव बन जाता है। अगर वह कुछ ओवर टिक जाते हैं, तो मैच हाथ से निकल सकता है। - एबी डीविलियर्स

दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी, हार्दिक पांड्या के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी — जो रूट

इंग्लैंड के बल्लेबाज जो रूट ने सोमवार को सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर पांचवें एशेज टेस्ट के दूसरे दिन अपना 41वां शतक लगाकर ऑस्ट्रेलिया के रिकी पॉटिंग के रिकार्ड की बराबरी कर ली और पुरुषों के टेस्ट शतकों की सूची में संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर आ गए। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की वेबसाइट के अनुसार, पहले दिन खेल जल्दी खत्म होने के बाद 72 रन से आगे खेलते हुए, रूट ने शांत और आत्मविश्वास के साथ बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए भोजनकाल के बाद 160 गेंदों में अपने टेस्ट करियर का 41वां शतक पूरा किया।

क्या आप जानते हैं ?... पाकिस्तान के पूर्व कप्तान मिस्बाह उल हक के नाम वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में बिना शतक के सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड दर्ज है। मिस्बाह ने 162 वनडे में 5122 रन बनाए हैं।

जो रूट की बदौलत इंग्लैंड का स्कोर 384, ऑस्ट्रेलिया 166/2 विकेट

सिडनी, 5 जनवरी। जो रूट (160) की शतकीय और हैरी ब्रूक (84) की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत ने इंग्लैंड ने एशेज के पांचवें टेस्ट के दूसरे दिन 384 का स्कोर खड़ा करने के बाद स्टंप्स के समय तक ऑस्ट्रेलिया के 166 रन पर दो विकेट झटक लिये। आज यहां इंग्लैंड के कल के तीन विकेट पर 211 रन के स्कोर से आगे खेलना शुरु किया। सुबह के सत्र में 226 के स्कोर पर इंग्लैंड का चौथा विकेट हैरी ब्रूक के रूप में गिरा। उन्हें स्कॉट बोलैंड ने स्मिथ के हाथों कैच आउट कराया। 229 के स्कोर पर इंग्लैंड को पांचवां झटका मिचेल स्टार्क ने कप्तान बेन स्टोक्स (शून्य) को आउट कर दिया।

इसके बाद बल्लेबाजी करने आये जेमी स्मिथ ने जो रूट के साथ पारी को संभलाने का प्रयास किया। जो रूट ने लंच से पहले 160 गेंदों में अपने टेस्ट करियर अपना 41वां शतक पूरा किया। उन्होंने 242 गेंदों में 15 चौकों की मदद से 160 रनों की पारी खेली। 75वें ओवर में मार्नस लाबुशेन ने जेमी स्मिथ (46) को अपना शिकार बना लिया। विल जैक्स (27) रन बनाकर आउट हुये। 98वें ओवर में माइकल नीसर ने जॉश टंग (शॅन्य) को बोल्ड कर 384 के स्कोर पर इंग्लैंड की पहली पारी का अंत कर दिया। ऑस्ट्रेलिया के लिए माइकल नीसर ने चार विकेट लिये। मिचेल स्टार्क, स्कॉट बोलैंड को दो-दो विकेट मिले। कैमरन ग्रीन और मार्नस लाबुशेन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया के लिए ट्रैविस हेड और जेक वेदरॉल्ड की जोड़ी ने अच्छु शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 57 रन जोड़े। 13वें ओवर में बेन स्टोक्स ने जेक वेदरॉल्ड (21) को आउटकर ऑस्ट्रेलिया को पहला झटका दिया। 31वें ओवर में स्टोक्स ने मार्नस लाबुशेन (48) का शिकार कर इंग्लैंड की झोली में दूसरा विकेट डाल दिया। दिन का खेल समाप्त होने के समय ऑस्ट्रेलिया ने दो विकेट पर 166 रन बना लिये है और ट्रैविड हेड (नाबाद 91) और माइकल नीसर (नाबाद एक) क्रीज पर मौजूद थे। ऑस्ट्रेलिया अभी भी इंग्लैंड के पहली पारी में बनाये गये स्कोर से 218 रन पीछे है।

श्रेयस अय्यर होंगे अब विजय हजारे ट्रॉफी में मुंबई के कप्तान

मुम्बई, 5 जनवरी। श्रेयस अय्यर को चोटिल शार्दुल ठाकुर की जगह विजय हजारे ट्रॉफी के शेष मैचों के लिए मुंबई टीम का कप्तान बनाया गया है। मुम्बई क्रिकेटए सोसिएशन ने सोमवार को एक बयान में कहा, एमसीए को यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि श्रेयस अय्यर को विजय हजारे ट्रॉफी के शेष लीग मैचों के लिए मुंबई सीनियर पुरुष टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है।

विजय हजारे ट्रॉफी के बाद कप्तान के तौर पर अय्यर का बने रहना भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) से अंतरराष्ट्रीय कर्तव्यों के लिए फिटनेस क्लीयरेंस पर निर्भर करेगा। अय्यर को 11 जनवरी से बड़ौदा में न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरु होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए टीम में शामिल किया गया है। उनका चयन इस शर्त पर किया गया था। कि वह फिटनेस

हासिल कर लेंगे। हाल ही में वनडे टीम की घोषणा करते समय बीसीसीआई ने कहा था कि अय्यर की फिटनेस का आकलन सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में किया जाएगा, और अगर उन्हें फिट घोषित किया जाता है तो वह वनडे टीम में शामिल होंगे। अगर अय्यर को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के लिए हरी झंडी मिल जाती है, तो एमसीए को विजय हजारे ट्रॉफी के नॉकआउट के लिए दूसरा कप्तान चुनना होगा।

एमसीए सचिव उन्मेश खानविलकर ने कहा, जब स्थिति साफ हो जाएगी तो हम फैसला लेंगे। श्रेयस बाकी दो लीग मैचों में टीम की कप्तानी करेंगे। अय्यर पिछले अक्टूबर में सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे में कैच लेने की प्रयास करते समय चोटिल होने के बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से बाहर हैं। मंगलवार का मैच तीन महीने से ज़्यादा समय में उनका पहला मैच होगा।

मुंबई फिलहाल ग्रुप सी में दूसरे स्थान पर है और अगले राउंड में पहुंचने के लिए अच्छी स्थिति में है। वे अपना अगला लीग मैच मंगलवार को हिमाचल प्रदेश के खिलाफ और आठ जनवरी को पंजाब के खिलाफ खेलेंगे, दोनों मैच जयपुर में होंगे।

पीवी सिंधु आज मलेशिया ओपन में भारतीय चुनौती पेश करेगी

कुआलालंपुर, 5 जनवरी। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु पिछले सितंबर के बाद पहली बार मंगलवार को मलेशिया ओपन 2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगी। कुआलालंपुर के स्टेडियम एक्सियाटा एरिना में शुरू होने वाला यह सीजन का पहला टूर्नामेंट, जो एक टॉप-टियर बीडब्ल्यूएफ सुपर 1000 टूर्नामेंट है, चोटों से भरे 2025 सीजन के बाद सिंधु के लिए एक नई शुरुआत होगी। 30 साल की भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी सिंधु पिछले सितंबर में चाइना मास्टर्स में पेरिस 2024 ओलंपिक चैंपियन एन से यंग से क्वार्टर-फाइनल में हारने के बाद से बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर में नहीं खेली हैं। सिंधु ने पैर की चोट से उबरने के लिए 2025 सीजन के शेष टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया था।उन्होंने आखिरी बार दिसंबर 2024 में सैयद मोदी इंटरनेशनल सुपर 300 में खिताब जीता था।

कल से शुरु हो रहे इस टूर्नामेंट में भारत की महिला एकल चुनौती में मालविका बंसोड़ और उन्नित हुड्डा भी शामिल होंगी। पुरुष एकल

में, पेरिस 2024 सेमी-फाइनलिस्ट लक्ष्य सेन और आयुष शेट्टी भारतीय उम्मीदों को आगे बढ़ाएंगे। दोनों ने पिछले साल सफलता का स्वाद चखा था - सेन ने ऑस्ट्रेलियन ओपन सुपर 500 में और शेट्टी ने यूएस ओपन सुपर 300 में - लेकिन उनका सीजन उतार-चढ़ाव भरा रहा, जिसमें कई बार पहले राउंड में ही बाहर होना पड़ा।

पुरुष युगल में भारत की उम्मीदों की अगुवाई दो बार के विश्व चैंपियनशिप कांस्य पदक विजेता चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी करेंगे। इस बीच, महिला युगल में भारत की चुनौती का नेतृत्व ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद करेंगी, जो पिछले महीने सैयद मोदी इंटरनेशनल टूर्नामेंट में अपना खिताब बचाने के बाद इस टूर्नामेंट में उतर रही हैं। मिश्रित युगल में, पेरिस 2024 ओलंपियन तनीषा क्रास्टो और ध्रुव कपिला दुनिया की नंबर 17 रैंकिंग वाली भारत की टॉप जोड़ी हैं।

भारतीय अंडर-19 टीम के गेंदबाजों ने दक्षिण अफ्रीका 245 के स्कोर पर रोका

बेनोनी (दक्षिण अफ्रीका), 5 जनवरी। किशन सिंह (चार विकेट) की अगुवाई में भारतीय अंडर-19 टीम के गेंदबाजों ने सोमवार को दूसरे यूथ वनडे में दक्षिण अफ्रीका की टीम 49.3 ओवरों में 245 के स्कोर पर समेट दिया। आज यहां टॉस जीतकर दक्षिण अफ्रीका की अंडर-19 टीम ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। जेसन राउल्स ने दक्षिण अफ्रीका के लिए सर्वाधिक रन बनाये। जेसन राउल्स ने 113 गेंदों में सात चौके और तीन छक्के लगाते हुए 114 रनों की शानदार शतकीय पारी खेली। भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के आगे एक ओर से जहां दक्षिण अफ्रीका के विकेट गिरते जा रहे थे, जेसन राउल्स एक छोर थामे तेजी के साथ रन बनाते रहे। डेनियल बोसमैन (31), अदनान लगादीन (25), अरमान मनैक (16), कप्तान मुहम्मद बुलबुलिया (14) और जोरिख वान स्कालक्वेक 10 रन बनाकर आउट हुये।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आया वैभव सूर्यवंशी का तूफान

24 गेंदों में जड़े 10 छक्के, शतक से चूके

बेनोनी (साउथ अफ्रीका), 5 जनवरी। भारत और दक्षिण अफ्रीका की अंडर-19 टीमों के बीच जारी दूसरे यूथ वनडे में वैभव सूर्यवंशी का तूफान आया। पहले मैच में 11 रन बनाकर आउट होने वाले युवा बल्लेबाज आज अपने पुराने रंग में नजर आए। उन्होंने महज 24 गेंदों में 10 छक्के लगाकर विपक्षी गेंदबाजों की लाइन और लेंथ बिगाड़ दी। बता दें कि, बेनोनी में खेले जा रहे दूसरे मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका ने जेसन रॉल्स के शतक की मदद से 245 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम ने 12.5 ओवर में दो विकेट पर 115 रन बना लिए हैं। फिलहाल मुकाबला खराब मौसम के कारण रुका हुआ है।

इस मुकाबले में भारत की अगुआई कर रहे वैभव सूर्यवंशी ने विस्फोटक बल्लेबाजी से महफिल लूट ली। उन्होंने महज 24 गेंदों का सामना किया और 283.33 के स्ट्राइक रेट से 68 रनों की शानदार पारी खेली। इस दौरान उनके बल्ले से एक चौका और 10 गगनचुंबी छक्के निकले।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जारी तीन यूथ वनडे मैचों की सीरीज के लिए बीसीसीआई ने 14 वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को टीम की कमान सौंपी है। इसी के साथ उन्होंने बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली।

राजधानी

नीलकंठ महादेव मंदिर में 50 वाँ पोषबड़ा महोत्सव मनाया गया

जयपुर। नेहरू नगर पानीपेच स्थित नीलकंठ महादेव मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष कैलाश सैनी, उपाध्यक्ष रामबाबू खोज, महामंत्री राजू सैनी, कोषाध्यक्ष हनुमान सहायक अग्रवाल, के द्वारा पौष बड़ा महोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया समाज सेवीक महेश सैनी ने बताया कि मंदिर की स्थापना सन् 1975 में की गई थी नेहरू नगर का यह एक ऐसा मंदिर है जिसकी सुंदरता के कारण अपनी प्रसिद्धि प्राप्त कर रहा है मंदिर प्रांगण में सुबह से ही भक्तों ने रामधुनी का जाप किया गया संध्याकालीन फूलों के द्वारा बाबा का अद्भुत श्रंगार एवं महा आरती के द्वारा शिव परिवार को रिझाया गया प्रसादी के रूप में देसी घी गाजर का हलवा, आलू मटर की सब्जी, दाल के पकोड़े, मिर्ची के टपोर एवं पुरी का भोग लगाकर लगभग 2500 भक्तों को पंगत प्रसाद द्वारा ग्रहण की इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सिविल लाइन के विधायक गोपाल जी शर्मा के पुत्र जिज्ञासु शर्मा विधायक के प्रतिनिधि बनकर आए उनका बाबा का भगवा दुपट्टा पहना कर स्वागत किया गया यह कार्यक्रम रात के 12:00 तक चलता रहा और वक्त आते रहे और प्रसादी लेते रहे।

चोरी का माल खरीदने वाला व्यापारी गिरफ्तार, 25 किलो ड्राई फ्रूट बरामद

जयपुर। नाहरगढ़ रोड थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चोरी की वारदात का 24 घंटे में खुलासा कर शातिर नकबजन को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से चोरी किया गया करीब 25 किलो खस-खस बरामद किया गया है। पुलिस ने चोरी का माल खरीदने वाले व्यापारी को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करण शर्मा ने बताया कि 3 जनवरी 2026 को परिवादी ने थाना नाहरगढ़ रोड में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि अग्रसेन मार्केट बालाजी का चौक स्थित उसकी दुकान के बाहर रखी ड्राई फ्रूट (खस-खस) की बोरी अज्ञात व्यक्ति चोरी कर ले गया। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त बजरंग सिंह के निर्देशन एवं सहायक पुलिस आयुक्त कोतवाली राजेंद्र कुमार के सुपरविजन में विशेष टीम का गठन किया गया।

गठित टीम ने सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी सलमान खान उर्फ अज़हर हुसैन को 4 जनवरी 2026 को गिरफ्तार किया।

पूछताछ में आरोपी ने नशे की आदत के चलते रात्रि व सुबह के समय दुकानों और मकानों के बाहर रखा सामान चोरी

शातिर नकबजन को गिरफ्तार किया।

करना स्वीकार किया। आरोपी ने जयपुर उत्तर क्षेत्र में करीब एक दर्जन नकबजनी व चोरी की वारदातों को अंजाम देना कबूल किया है।पुलिस ने चोरी का माल खरीदने वाले व्यापारी सलमान खान उर्फ चमन को भी गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 25 किलो खस-खस बरामद की है। पुलिस के अनुसार आरोपी सलमान खान का आपराधिक रिकॉर्ड भी रहा है और उसके खिलाफ पूर्व में चोरी व नकबजनी के कई प्रकरण दर्ज हैं। आरोपी से अन्य वारदातों को लेकर गहन पूछताछ जारी है।

जयपुर में आयोजित हुआ अभाविप जयपुर प्रांत का 61 वाँ प्रांत आधिवेशन

जयपुर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद जयपुर प्रांत का 61वाँ प्रांत अधिवेशन गुलाबी जयपुर की पूर्णिमा यूनिवर्सिटी में महाराणा प्रताप नगर के सार्जेंट सुरेंद्र कुमार मोगा सभागार में 29-31 दिसंबर 2025 को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। जिसमें जयपुर प्रांत के कुल 704 प्रतिनिधि उपस्थित रहे । इस अधिवेशन में संगठनात्मक विकास, शैक्षिक नीतियों तथा सामाजिक-सांस्कृतिक मुद्दों पर गंभीर विचार-विमर्श कर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। महाराणा प्रताप नगर में आयोजित अभाविप जयपुर के 61वें प्रांत अधिवेशन में कुल 4 प्रस्ताव पारित किये गये। "राजस्थान : संस्कृति, पर्यावरण, और वर्तमान चुनौतियों में युवा शक्ति की भूमिका", "राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की भावना के अनुरूप राज्य विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों की शैक्षिणक सुदृढ़ता हेतु संरचनात्मक सुधार की आवश्यकता", "राजस्थान में छात्रावास व्यवस्था : समग्र मूल्यांकन और सुधार", "छात्रसंघ चुनाव : समाज में सक्षम नेतृत्व निर्माण की अनिवार्य आवश्यकता" विषयक इन चार प्रस्तावों को प्रतिनिधियों द्वारा प्राप्त सुझावों के अनुसार संशोधन कर पारित किया गया।

अभाविप के प्रांत मंत्री अभिनव सिंह ने पूरे प्रांतभर में अभाविप जयपुर प्रांत द्वारा किये गये क्रियाकलापों पर आधारित मंत्री प्रतिवेदन रखा, जिसमें प्रांत भर में हुए अभाविप के कार्यक्रम, गतिविधियाँ, आंदोलन तथा 1,59,286 सदस्यता के आकड़े की जानकारी दी। इस वर्ष सदस्यता अभियान में अभाविप जयपुर प्रांत ने अपने पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ कर अब तक की सर्वाधिक सदस्यता की।

अभाविप के 61वें प्रांत अधिवेशन में सत्र 2025-26 हेतु पुनः निर्वाचित प्रांत अध्यक्ष डॉ. जिनेश जैन और नवनिर्वाचित प्रांत मंत्री शुभेंद्र सिंह को चुनावाधिकारी डॉ. धर्मवीर मीणा ने पदभार ग्रहण कराया। अभाविप के 61वें प्रांत अधिवेशन का उद्घाटन 29 दिसंबर को हुआ, जिसमें मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा उद्घाटनकर्ता एवं मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र प्रचारक निम्बाराम , अभाविप राष्ट्रीय सह-संगठन मंत्री देवदत्त जोशी , राष्ट्रीय मंत्री हर्षित ननोमा , उत्तर पश्चिम क्षेत्र के क्षेत्रीय संगठन मंत्री अश्वनी शर्मा अधिवेशन में पूरे समय उपस्थित रहे। प्रांत अधिवेशन में "युवा भारत का आवाहन विचार बैठक 2025 के क्रियान्वयन की दिशा" और "हल्दीघाटी युद्ध के सत्य और तथ्य और जुड़े विमर्श" विषय पर भाषण सत्र आयोजित हुआ। वही पाँच समानांतर सत्रों के माध्यम से विषय विशेषज्ञों द्वारा समसामयिक विषयों "राजस्थान की जनजाति परंपरा और विमर्श", - ,, , " वंदे मातरम, स्वाधीनता काल का मंत्र", "राजस्थान में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन की दिशा व गति" पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।

जेजेएम टेंडर प्रक्रिया, बजट आवंटन और मंत्री तक किस प्रक्रिया से जाती हैं फाइल-ईडी कोर्ट

जयपुर। ईडी मामलों की विशेष अदालत ने जल जीवन मिशन से जुडे मामले में टेंडर प्रक्रिया से लेकर बजट आवंटन और अंतिम रूप से विशिष्ट अधिकारी व मंत्री तक पत्रावली भेजने की प्रक्रिया की जानकारी मांगी है। अदालत ने विभाग के संबंधित अधिकारी को जानकारी देने के लिए रिकॉर्ड सहित पेश होने को कहा है। पीठासीन अधिकारी खगेन्द्र कुमार शर्मा ने कहा है कि परिवाद और पूरक परिवाद पर आगामी कार्रवाई करने से पूर्व जल जीवन मिशन योजना से संबंधित स्कीम की अवधारणा, प्रदेश को आवंटित बजट और इसमें से जिलेवार आवंटित होने वाले बजट की जानकारी लेना जरूरी है।

इसके साथ ही संबंधित जिलों के अधिकारियों का नियंत्रण, टेंडर प्रक्रिया, टेंडर को अंतिम रूप देने वाले अधिकारी और उसकी प्रक्रिया, तकनीकी और वित्तीय बिड स्वीकार करने वाले बोर्ड के सदस्यों की संख्या और अधिकारिता सहित अंतिम रूप से पत्रावली विशिष्ट अधिकारी व मंत्री को भेजने से जुड़ी प्रक्रिया का खुलासा होने की जरूरत है।

सुनवाई के दौरान आरोपी पदमचंद जैन ने अदालत में समर्पण किया। इसके बाद आरोपी की ओर से जमानत अर्जी पेश की गई। जिसे स्वीकार करते हुए अदालत ने आरोपी को जमानत मुचलके पेश करने की शर्त पर जमानत पर छोड़ने के आदेश दिए। गौरतलब है कि प्रदेश में जल जीवन मिशन घोटाले को लेकर एसीबी ने मामला दर्ज किया था। वहीं बाद में करोडों रुपए के लेनेदेन को लेकर ईडी ने अलग से मामला दर्ज किया था। प्रकरण में तत्कालीन जलदाय मंत्री महेश जोशी सहित टेंडर लेने वाले ठेकेदारों व अन्य लोगों को गिरफ्तार कर आरोप पत्र पेश किया गया था।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सुनी आमजन की पीड़ा

जयपुर । उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने आज सिविल लाइंस स्थित अपने कार्यालय में जनसुनवाई की। जनसुनवाई में बड़ी संख्या में दूर-दराज से आए लोगों ने भाग लिया और अपनी समस्याएं उपमुख्यमंत्री के समक्ष रखीं। लोगों ने अतिक्रमण, पानी, सड़क, बिजली सहित अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं से उपमुख्यमंत्री को अवगत कराया। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सभी फरियादियों की समस्याएं ध्यानपूर्वक सुनीं और मौके पर मौजूद संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जनता की समस्याओं का जल्द से जल्द निस्तारण किया जाए और किसी भी नागरिक को असुविधा का सामना न करना पड़े। उपमुख्यमंत्री ने लोगों की परेशानियों को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों को किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने के सख्त निर्देश भी दिए।

कांग्रेस सांसद संजना जाटव, राहुल कस्वां और बृजेन्द्र सिंह ओला ने एमपी-एलएडीएस निधि से साधा राजनीतिक हित

- **केन्द्रीय नेतृत्व की खुशामद के लिए हरियाणा के कैथल में सांसद विकास निधि से खर्च किए 1 करोड़ 30 लाख रुपये**
- **राजनीतिक भविष्य को सुरक्षित करने के लिए संसदीय क्षेत्रों के विकास की चढ़ाई बलि- गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म**

जयपुर। गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने सोमवार को एक बयान जारी कर कांग्रेस के तीन सांसदों पर सांसद विकास निधि का उपयोग राजनीतिक हित के लिए करने का आरोप लगाते हुए तथ्यों के साथ अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के तीन सांसद संजना जाटव (भरतपुर), राहुल कस्वां (चूरू) और बृजेन्द्र सिंह ओला (झुन्झुनूं) केन्द्रीय नेतृत्व के खास नेताओं की खुशामद करने के लिए जनप्रतिनिधि के कर्तव्यों की मर्यादाएं तार-तार कर रहे हैं। वे नियमों को ताक में रखकर एमपी-एलएडीएस निधि का पैसा कांग्रेस राज्यसभा सांसद और पार्टी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला के बेटे आदित्य सिंह सुरजेवाला के कैथल विधानसभा में खर्च कर रहे हैं। राजस्थान के हिस्से का पैसा इन तीन सांसदों के राजनीतिक भविष्य को सुरक्षित करने पर हरियाणा में खर्च किया जा रहा है।

बेढ़म ने कहा कि एमपी-एलएडीएस निधि के नियमों के अनुसार हर सांसद को 5 करोड़ रुपये प्रतिवर्ष मिलते हैं जिनमें से अधिकतम 25 लाख रुपये प्रतिवर्ष सांसद अपने क्षेत्र के बाहर खर्च कर सकता है। आपदा में 1 करोड़ रुपये तक दिया जा सकता है। लेकिन कांग्रेस के तीन सांसद संजना जाटव, राहुल कस्वां और बृजेन्द्र सिंह ओला अपनी सांसद निधि का बड़ा हिस्सा हरियाणा के कैथल जिले में भेज रहे हैं जबकि उनकी संसदीय निधि से क्रमशः भरतपुर, चूरू और झुन्झुनूं संसदीय क्षेत्रों में विकास कार्य अधूरे पड़े हैं।

गृह राज्य मंत्री ने कहा कि संजना जाटव 45 लाख रुपये, राहुल कस्वां 50 लाख रुपये और बृजेन्द्र सिंह ओला 25 लाख रुपये सहित लगभग 1.30 करोड़ रुपये कैथल के विकास कार्यों के लिए दे चुके हैं। आश्चर्य है कि राजस्थान की जनता ने उनको वोट दिया लेकिन वो विकास के लिए पैसे हरियाणा को दे रहे हैं। बेढ़म ने कहा कि भरतपुर की सांसद संजना जाटव ने एमपी-एलएडीएस निधि से 142 कार्य अनुशंसित किए। इनमें से 37 कार्य ही पूर्ण हुए जो कि अलवर जिले में किए गए।

साइबर ठगी करने वाले चढे पुलिस के हत्थे

जयपुर। साइबर ठगी के मामलों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बजाज नगर थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक गिरोह का पर्दाफाश करते हुए तीन ठगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से विभिन्न बैंकों के 58 एटीएम कार्ड, 18 मोबाइल फोन, 4 लैपटॉप, 19 सिम कार्ड, एक सीसीटीवी कैमरा सहित अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद किए हैं। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व संजीव नैन ने बताया कि पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर साइबर अपराधों में वांछित आरोपियों की धरपकड़ के लिए जयपुर पूर्व में विशेष टीम का गठन किया गया था। टीम ने एक साल से फरार चल रहे आरोपी के मोबाइल लोकेशन के आधार पर महेश नगर थाना क्षेत्र के न्यू सांगानेर रोड स्थित राधा विहार कॉलोनी में दबिश दी।

मुख्यमंत्री का विधायकों के साथ बजट बैठकों का सिलसिला जारी रहा

विधानसभा क्षेत्रों के विकास कार्यों की ''प्रगति व भविष्य'' की कार्य योजना पर चर्चा हुई

जयपुर, 5 जनवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आगामी वर्ष 2026-27 के बजट को विकासोन्मुखी और जन केन्द्रित बनाने की दिशा में सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर जिलेवार विधायकों और प्रत्याशियों से संवाद किया। उन्होंने अजमेर, ब्यावर, भीलवाड़ा, नागौर, डीडवाना-कुचामन, टोंक, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू, बीकानेर, भरतपुर, डीग, धौलपुर, करौली, सवाईमाधोपुर, अलवर, खैरथल-तिजारा, बहरोड़ और दौसा जिलों के विधायकों एवं प्रत्याशियों के साथ मैराथन बैठकें कर बजट के सुझावों पर विस्तृत चर्चा की।

इस दौरान महिला, युवा, किसान और गरीब सहित, सभी वर्गों के कल्याण से संबंधित योजनाओं और कार्यों के साथ-साथ संबंधित विधानसभा क्षेत्रों में विकास कार्यों की प्रगति और भविष्य की कार्ययोजना पर चर्चा की गई और बजट सुझावों पर मंथन किया गया। देर रात तक चली इन बैठकों में विधायकों और प्रत्याशियों ने बजट पर अपने सुझाव दिए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

राज्य सरकार प्रदेश के 200 विधानसभा क्षेत्रों में 8 करोड़ जनता को निरंतर विकास कार्यों की सौगात दे रही है। इन सभी विकास कार्यों को पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ पूरा किया जा रहा है और हर योजना का लाभ लाभार्थी तक पहुंचना सुनिश्चित किया जा रहा है।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने देर रात तक चली बैठकों में अजमेर, ब्यावर, भीलवाड़ा, नागौर, डीडवाना, कुचामन, टोंक, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू, बीकानेर, भरतपुर, डीग, धौलपुर, करौली, सवाई माधोपुर, अलवर, खैरथल-तिजारा, बहरोड़ व दौसा जिले के विधायकों व प्रत्याशियों के साथ बजट के सुझावों पर विस्तृत चर्चा की।**

रीजनल एआई इम्पैक्ट कॉन्फ्रेंस का आयोजन आज

जयपुर, 5 जनवरी। राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट के तीसरे एवं अंतिम दिन मंगलवार को राजस्थान रीजनल एआई इम्पैक्ट कॉन्फ्रेंस 2026 का आयोजन होगा। यह कॉन्फ्रेंस भारत के इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 की तैयारियों का महत्वपूर्ण हिस्सा है और राजस्थान को डिजिटल इनोवेशन एवं उभरती तकनीकों का हब बनाने की दिशा में बड़ा कदम है।

कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, केन्द्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी तथा वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद, प्रदेश के सूचना प्रौद्योगिकी और संचार मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ की उपस्थिति में आर्टिफिशल इंटेलिजेंस क्षेत्र से जुड़े विभिन्न विशेषज्ञ शामिल होंगे। इस दौरान राज्य के एआई इकोसिस्टम को मजबूत करने, इनोवेशन को बढ़ावा देने तथा प्रमुख सेक्टर्स में एआई को तेजी से अपनाने के बारे में मंथन होगा और विभिन्न एमओयू भी किए जाएंगे।

- **कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री राजस्थान की एआई/एमएल पॉलिसी 2026 को लॉन्च करेंगे।**

इसके अलावा, राजस्थान की एआई/एमएल पॉलिसी 2026 को भी लॉन्च किया जाएगा। एआई तथा रोजगार एवं कौशल का भविष्य तथा राजस्थान के एआई स्टार्टअप एवं इनोवेशन इकोसिस्टम के उदय से संबंधित विविध विषयों पर विशेषज्ञ अपने अनुभव साझा करेंगे।

एसआईआर के खिलाफ खुद कोर्ट में जिरह करेगी ममताजी

गंगासागर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए प.बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस बारे में घोषणा की

कोलकाता, 05 जनवरी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने ऐलान किया है कि वे एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) के खिलाफ खुद कोर्ट में जिरह करेंगी। ममता ने आरोप लगाया है कि इस प्रक्रिया के नाम पर लोगों के साथ अमानवीय बर्ताव हो रहा है। गंगासागर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने साफ कहा कि मंगलवार को कोर्ट खुलते ही टीएमसी दोबारा अर्जी लगाएगी। इस बार ममता खुद अपनी दलीलों से कोर्ट को समझाने की कोशिश करेंगी। उनके पास लॉ की डिग्री है और वह इसका इस्तेमाल अब सियासी और कानूनी लड़ाई में करने जा रही हैं। ममता का कहना है कि गंभीर रूप से बीमार लोगों को भी लंबी लाइनों में खड़ा किया जा रहा है।

- **ममता बनर्जी ने कहा ''मेरे पास लॉ की डिग्री है और मुझे कानून की पूरी समझ है। मैं बंगाल के लोगों के अधिकारों की रक्षा के लिए किसी भी हद तक जा सकती हूँ।''**

ममता बनर्जी के पास आर्ट्स, एजुकेशन और लॉ (एलएलबी) की डिग्री है। वे एक अनुभवी नेता होने के साथ-साथ कानून की समझ भी रखती हैं। ममता का मानना है कि एसआईआर की प्रक्रिया पूरी तरह से दोषपूर्ण है। उनके मुताबिक, इस एक्सरसाइज की वजह से असली वोटर्स के नाम काटे जा रहे हैं। ममता ने चुनाव आयोग को भी चिट्ठी लिखकर इस प्रक्रिया को रोकने की मांग की थी। अब वे सीधे अदालत में खड़े होकर इस मुद्दे पर बहस करना चाहती हैं। इस कदम से वे जताना चाहती हैं कि वे बंगाल के लोगों के अधिकारों के लिए किसी भी हद तक जा सकती हैं।

उत्तर प्रदेश में मंत्रिमण्डल विस्तार की अटकलें और तेज हुई

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्र.मंत्री मोदी की मुलाकात ने इन अटकलों को और बढ़ाया

नयी दिल्ली, 05 जनवरी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की और उन्हें अयोध्या के राम मंदिर की प्रतिकृति भेंट की।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने इस मुलाकात की जानकारी दी है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दोनों नेताओं की मुलाकात की तस्वीरें साझा की हैं। एक तस्वीर में योगी प्रधानमंत्री को अयोध्या के राम मंदिर की प्रतिकृति भेंट कर रहे हैं। यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है, जब उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में सिर्फ एक साल का समय शेष रह गया है और राज्य में मंत्रिमंडल विस्तार की चर्चाएं जोरों पर हैं।

मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने भी इस मुलाकात की तस्वीरें साझा करते हुए इसे शिष्टाचार भेंट बताया है। उन्होंने एक्स पर लिखा, आज नई दिल्ली में आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से शिष्टाचार भेंट कर उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया। आपका पाथेय नये उत्तर प्रदेश की विकास यात्रा को और अधिक गति प्रदान करने हेतु सदैव नवीन ऊर्जा का संचार करता है। अपना बहुमूल्य समय प्रदान करने हेतु हार्दिक आभार प्रधानमंत्री जी। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक अन्य पोस्ट में बताया कि लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता ने भी मोदी से मुलाकात की। गुप्ता ने भी सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर इस मुलाकात की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा कि उन्होंने प्रधानमंत्री के साथ शिष्टाचार भेंट में लद्दाख में जन कल्याण, मुख्य विकास प्राथमिकताओं, अवसंरचना, कनेक्टिविटी, पर्यटन और समावेशी विकास पर चर्चा की।

- **योगी ने एक्स पर मुलाकात की फोटो शेयर की और कहा कि यह शिष्टाचार मुलाकात थी।**

आंध्र प्रदेश ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लीक हुई गैस में तुरंत आग लग गई। ये देखकर आस-पास रहने वाले लोग और अधिकारी भी घबरा गए। गैस और धुएं का बादल सुमंडा और आसपास के इलाकों में घने कोहरे की तरह फैल गया। स्थानीय प्रशासन ने तुरंत पास के गांव खाली करवा लिए।

कई लोग पहले ही घरों से भाग गए। वे अपने मवेशियों को भी सुरक्षित जगह पर ले गए। लोगों से बिजली का इस्तेमाल न करने, बिजली के उपकरण चालू न करने और चूल्हा न जलाने को कहा गया है। ओएनजीसी के कर्मचारी लीक को कंट्रोल करने और आग बुझाने के लिए मौके पर मौजूद हैं।

अधिकारियों ने पूरे इलाके को घेर लिया और हालात पर नजर बनाए हुए हैं। लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं।

प्र.मंत्री के चादर चढ़ाने के खिलाफ दर्ज याचिका खारिज

नयी दिल्ली, 05 जनवरी। उच्चतम न्यायालय ने सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती के 814वें सालाना उर्स के दौरान अजमेर शरीफ दरगाह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चादर चढ़ाने से रोकने की मांग को लेकर पेश याचिका सोमवार को खारिज कर दी।

मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि याचिका में उठाया गया मुद्दा सुनवाई योग्य नहीं है। वैसे भी यह अप्रासंगिक हो गया है, क्योंकि चादर चढ़ाने का कार्यक्रम पहले ही हो चुका है।

पीठ ने हालांकि स्पष्ट किया कि उसके आदेश का दरगाह से जुड़े अजमेर अदालत में चल रहे दीवानी मुकदमे पर कोई असर नहीं पड़ेगा। न्यायालय ने कहा, ''मुकदमा लंबित है, उसे जारी रखें।''

पीठ ने यह भी कहा कि अजमेर शरीफ दरगाह पर चादर चढ़ाना पुरानी परंपरा है।

- **सुप्रीम कोर्ट ने कहा चादर चढ़ाने का कार्य हो चुका है इसलिए यह याचिका अप्रासंगिक हो गई है।**

इसका पालन पिछले प्रधानमंत्रियों ने भी किया है।

यह याचिका हिंदू सेना के तत्कालीन अध्यक्ष विष्णु गुप्ता की अजमेर अदालत में पहले से दायर लंबित मुकदमे का हिस्सा है, जिसमें दावा किया गया था कि अजमेर शरीफ दरगाह तोड़े गये शिव मंदिर की जगह पर बनायी गयी थी।

गुप्ता ने तर्क दिया था कि केंद्र सरकार ने जहां चादर चढ़ाने के लिए भेजा है, वह विवादित ढांचा है। उनका यह काम न्यायिक स्वतंत्रता और निष्पक्ष सुनवाई के अधिकार को कमजोर करता है, जबकि मामला अभी न्यायालय में विचाराधीन है।

हिंदुओं ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अलग देशों के खिलाड़ियों की भागीदारी और क्रिकेट को किसी बड़े राजनीतिक संदेश के लिए इस्तेमाल करने पर एक स्पष्ट रुख़ होता है।

इस बीच, बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के ख़िलाफ़ हो रही आतंकी कार्यवाहियों तथा क्रूरता से भारतीय खिलाड़ी और पूरा देश दुखी एवं स्तब्ध है। खिलाड़ियों ने वहाँ हिंदुओं को दी जा रही यातनाओं और उनकी हत्याओं को लेकर गहरी चिंता और बेचैनी ज़ाहिर की है। यह भी देखा गया है कि बांग्लादेश की क़ानून-व्यवस्था से जुड़ी एजेंसियों ने अल्पसंख्यक समुदायों के जीवन और स्वतंत्रता की रक्षा के लिए कुछ खास नहीं किया है।

साल के पहले ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

घोषित करने के साथ ही, जोधपुर और जयपुर में एक-एक मजिस्ट्रेट कोर्ट को इवनिंग कोर्ट के रूप में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर शुरू करने की घोषणा की गई थी।

हाईकोर्ट में इस साल के पहले कार्यदिवस पर जजों ने मुकदमों की सुनवाई की, लेकिन कोई भी वकील पैरवी के लिए नहीं आया। ऐसे में अधिकांश प्रकरणों में आगामी तारीख दी गई और सिर्फ उन्हीं प्रकरणों में सुनवाई हुई, जिसमें पक्षकार स्वयं पेश हुए। इस संबंध में हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राजीव सोगरवाल ने कहा कि मुकदमों की सुनवाई मशीनी अंदाज में नहीं की जा सकती है। इसमें जज और वकील पूरी तरह से मस्तिष्क का उपयोग कर बहस और फैसला करते हैं। ऐसे में लगातार पांच दिन काम करने के बाद शनिवार को उन्हें अवकाश चाहिए होता है। रविवार को वकील सोमवार को लगने वाले मुकदमों की पैरवी की तैयारी करते हैं। ऐसे में उन्हें सिर्फ शनिवार का ही अवकाश मिल पाता है।

एसआई भर्ती- ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में एसओजी थाना जयपुर में प्रकरण दर्ज कर जांच की जा रही है। इस मामले में पहले ही मुख्य आरोपी डालूराम मीणा और हरसनराम देवासी सहित, अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा चुका है। वहीं, जांच के दौरान सामने आया कि इस प्रकरण में वांछित सहयोगी आरोपी सुनील कुमार विश्नोई निवासी सांचौर जिला जालोर (वर्तमान में निलंबित द्वितीय श्रेणी अध्यापक, विषय हिन्दी) की भूमिका संदिग्ध पाई गई। इसके बाद एसओजी ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है। एडीजी एसओजी ने बताया कि आरोपी सुनील कुमार विश्नोई पूर्व में भी एसओजी जयपुर में शारीरिक शिक्षा अध्यापक भर्ती परीक्षा-2022 से जुड़े एक अन्य प्रकरण में गिरफ्तार हो चुका है। उस मामले में चयन कराने के बदले राशि लेने के आरोप थे। वर्तमान प्रकरण में भी उससे गहन पूछताछ कर नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। एसओजी ने स्पष्ट किया है कि भर्ती परीक्षाओं में अनियमितताओं और फर्जीवाड़े के मामलों में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और जांच लगातार जारी है।

केन्द्र सरकार ने चार वकीलों को हाईकोर्ट में जज बनाया

सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम की सिफारिश के अनुसार यह फैसला किया गया है

नई दिल्ली, 05 जनवरी। देश के विभिन्न हाई कोर्ट में जजों की कमी को दूर करने और न्यायिक कामकाज में तेजी लाने के उद्देश्य से केन्द्र सरकार ने सोमवार को एक अहम कदम उठाया। राष्ट्रपति ने पटना, इलाहाबाद और उत्तराखंड हाई कोर्ट में चार अधिवक्ताओं की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। इसमें तीन वकीलों को स्थायी जज और एक वकील को अतिरिक्त जज के रूप में नियुक्त किया गया है। केन्द्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट कोलेजियम की सिफारिशों पर कार्रवाई करते हुए अधिसूचना जारी की है।

केन्द्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल ने एक्स पर कहा कि सीजेआई से परामर्श के बाद अधिवक्ता रितेश कुमार और प्रवीण कुमार को पटना हाई कोर्ट के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया है।

मंत्री ने बताया कि अधिवक्ता जय कृष्ण उपाध्याय को इलाहाबाद हाई कोर्ट का न्यायाधीश और अधिवक्ता सिद्धार्थ साह को उत्तराखंड हाई कोर्ट का अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। फरवरी 2025 में, तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता में सुप्रीम कोर्ट कोलेजियम ने रितेश कुमार सहित कई अधिवक्ताओं को पटना हाई कोर्ट के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी।

इसी प्रकार, अधिवक्ता जय कृष्ण उपाध्याय का नाम सितंबर 2025 में सुप्रीम कोर्ट कोलेजियम द्वारा इलाहाबाद हाई कोर्ट में पदोन्नति के लिए अनुशंसित नामों में शामिल था।

- **केन्द्र सरकार ने इलाहाबाद, पटना, व उत्तराखंड हाईकोर्ट में ये नियुक्तियां की हैं।**

अमेरिकी उपराष्ट्रपति के घर पर हमला

वॉशिंगटन, 05 जनवरी। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वैंस के ओहायो वाले घर पर हमला हुआ है। पुलिस ने इस मामले में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया है। मामले की जांच जारी है। पुलिस ने बताया कि हमले के वक्त उपराष्ट्रपति वैंस का परिवार घर पर नहीं था। शुरुआती रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारियों का मानना है कि हमलावर व्यक्ति उपराष्ट्रपति के घर में नहीं घुसा था।

स्थानीय समाचार आउटलेट्स की तस्वीरों में जेडी वेंस के घर की खिड़कियों को नुकसान पहुंचा हुआ दिखा, लेकिन अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि वास्तव में क्या हुआ था। सीएनएन ने पुलिस अधिकारियों के हवाले से बताया कि अधिकारी इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या कोई व्यक्ति वैंस या उनके परिवार को निशाना बना रहा था। वाइट हाउस और सीक्रेट सर्विस भी इस घटना पर जानकारी देगा।

सीक्रेट सर्विस के एक प्रवक्ता ने कहा कि हमलावर व्यक्ति, जो एक वयस्क पुरुष है और जिसकी पहचान नहीं हुई है को हिरासत में लिया गया है। यह घटना आधी रात के कुछ समय बाद हुई। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने सीएनएन को बताया कि घटना होने से पहले ही वैंस परिवार शहर छोड़ चुका था।

- **घर की खिड़कियों के शीशे टूटे, एक गिरफ्तार।**

असम चुनाव...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि संगठन को सुव्यवस्थित करने, अनुभवी वरिष्ठ नेताओं को आगे लाने की जरुरत है, साथ ही ऐसी टीम की ज़रूरत है, जो प्रभावी ढंग से फ़ैसले ले सके और भाजपा के दोनों बड़े नेताओं को चुनौती दे सके। असम, जहाँ जीत हासिल करना बहुत मुश्किल है, प्रियंका गांधी के लिए एक कड़ी परीक्षा है। कांग्रेस में कुछ लोग ऐसे भी हैं, जो प्रियंका को असफल होते देखना चाहते हैं, लेकिन पार्टी के अनुभवी नेताओं का कहना है कि चुनाव जीतने की कुंजी सही प्रबंधन में ही छिपी होती है।

'अब यही है मेरी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस एन. वी. अंजनिया की पीठ ने कहा, ''जिन लोगों पर गैरकानूनी गतिविधि या आतंकवादी गतिविधि की योजना बनाने, उसे निर्देशित करने या उसे आगे बढ़ाने का आरोप है, उनकी कानूनी स्थिति उन लोगों से अलग होती है, जिनकी भूमिका केवल किसी और स्तर पर मदद करने या भाग लेने तक सीमित बताई गई है। ऐसे अंतर को नज़रअंदाज़ करना अपने आप में मनमाना फैसला होगा।''

ख़ालिद की साथी बानो ज्योत्सना लाहिरी ने एक्स पर लिखा कि कोर्ट के फ़ैसले के बाद जब उन्होंने ख़ालिद से बात की, तो उन्होंने खालिद को बताया कि वे मंगलवार को तिहाड़ जेल जाकर उनसे मुलाक़ात करेंगी, जहाँ वह बंद हैं।

उमर ने कहा, ''मुझे बहुत खुशी है कि बाकी लोगों को ज़मानत मिल गई। बहुत राहत महसूस हो रही है।'' जब लाहिरी ने बताया कि वे मंगलवार को तिहाड़ जेल में ''मुलाक़ात'' के लिए आएँगी, तो उमर ने कहा, ''ठीक है, आ जाना। अब यही ज़िंदगी है मेरी।''

'जरुरी न हो तो ईरान न जाएं'

नयी दिल्ली, 05 जनवरी। भारत ने ईरान में पिछले कुछ दिनों से चल रहे व्यापक विरोध प्रदर्शनों और घटनाक्रमों के मद्देनजर भारतीय नागरिकों को वहां की अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह दी है।

विदेश मंत्रालय ने सोमवार को एक वक्तव्य जारी कर कहा कि हाल के घटनाक्रमों को देखते हुए, भारतीय नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे अगली सूचना तक ईरान की गैर-ज़रूरी यात्रा से बचें।

मंत्रालय ने कहा है कि ईरान में मौजूद भारतीय नागरिकों और भारतीय मूल के लोगों को सावधानी बरतने, विरोध प्रदर्शन या प्रदर्शनों वाले इलाकों से बचने और खबरों के साथ-साथ तेहरान में भारतीय दूतावास की वेबसाइट और सोशल मीडिया हैंडल पर नज़र रखने की सलाह दी जाती है।

वक्तव्य में कहा गया है कि ईरान में रेजिडेंट-वीज़ा पर रहने वाले भारतीय नागरिकों को भी सलाह दी जाती है कि अगर उन्होंने अभी तक ऐसा नहीं किया है, तो वे भारतीय दूतावास में पंजीकरण करवा लें।

- **ईरान में चल रहे विरोध प्रदर्शनों को देखते हुए भारतीय विदेश मंत्रालय ने एडवाइज़री जारी की।**

उमर खालिद ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को चुनौती देते हुए, अलग-अलग स्पेशल लीव पिटीशंस दायर की थीं। उच्च न्यायालय ने उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया था। उच्च न्यायालय ने कहा था कि ''विरोध करने का अप्रतिबंधित अधिकार'' सार्वजनिक व्यवस्था पर असर डाल सकता है और यह माना था कि रिकॉर्ड पर मौजूद सामग्री से प्रथम दृष्टया यह साबित होता है कि उन दंगों के पीछे एक समन्वित (को-ऑर्डिनेटेड) साजिश थी, जिनमें दिल्ली में 53 लोग मारे गए और सैकड़ों घायल हुए।

ट्रंप ने क्यूबा, कोलंबिया और ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कोलंबिया पर एक तीखी टिप्पणी करते हुए, ट्रंप ने उसके नेतृत्व पर आरोप लगाया कि वह बड़े पैमाने पर कोकीन का उत्पादन करवा रहा है, जिसे अमेरिका भेजा जाता है।

उन्होंने कहा, ''कोलंबिया भी बहुत बीमार है और एक बीमार आदमी द्वारा चलाया जा रहा है, जो कोकीन बनाना पसंद करता है और इसे संयुक्त राज्य अमेरिका को बेचना भी पसंद करता है।''

जब उनसे पूछा गया कि क्या वॉशिंगटन प्रतिक्रिया में कोई ऑपरेशन शुरू कर सकता है, तो ट्रंप ने कहा, ''यह बात मुझे सुनने में अच्छी लगती है, वर्तमान स्थिति ज्यादा देर तक नहीं चलेगी। वह इसे बहुत समय तक नहीं कर पाएगा।''

ट्रंप ने कोलंबिया, वेनेज़ुएला और क्यूबा को एक क्षेत्रीय मादक पदार्थ नेटवर्क का हिस्सा बताया और कहा, ''हमारे पीछे ही एक ड्रग साम्राज्य था, अब अमेरिका इसे नष्ट कर रहा है।''

मैक्सिको पर, ट्रंप ने कहा कि शक्तिशाली मादक पदार्थ तस्कर गिरोह देश के बड़े हिस्सों पर कब्जा जमाए हुए हैं और उन्होंने मैक्सिको सरकार पर इनसे प्रभावी ढंग से निपटने में विफल होने का आरोप लगाया।

ट्रंप ने कहा, ''ये गिरोह ही मैक्सिको को चला रहे हैं, चाहे आप इसे पसंद करें या नहीं।''

उन्होंने दावा किया कि उन्होंने मादक पदार्थों की तस्करी से लड़ने के लिए मैक्सिको की राष्ट्रपति क्लॉडिया शिनबाम को अमेरिकी सैन्य सहायता की बार-बार पेशकश की है। उन्होंने कहा, ''जब भी मैंने उनसे बात की, मैंने सैनिक भेजने की पेशकश की, पर उन पेशकशों को अस्वीकार कर दिया गया।''

ट्रंप बोले, ''वे चिंतित हैं। वे थोड़ी डर भी रही हैं।''

ट्रंप ने चेतावनी दी कि अगर मैक्सिको अधिक निर्णायक कदम नहीं उठाता है तो परिणाम भुगतने पड सकते हैं, यह नोट करते हुए कि अवैध नशीली दवाएं मैक्सिकन क्षेत्र के माध्यम से संयुक्त राज्य अमेरिका में आ रही हैं। उन्होंने कहा, ''मैक्सिको को अपनी स्थिति ठीक करनी होगी।''

राष्ट्रपति ने कहा कि जरुरी हुआ तो वॉशिंगटन वेनेजुएला से बाहर ऑपरेशन का विस्तार करने के लिए तैयार है। वे बोले ''हम एक दूसरे हमले के लिए तैयार थे, यह विकल्प टेबल पर तो तैयार है, यदि क्षेत्रीय सरकारें सही तरीके से व्यवहार नहीं करतीं हैं तो।''

ट्रंप ने जोर दिया कि हमारा उद्देश्य क्षेत्रीय स्थिरता है, न कि अधिग्रहण। हमारे आसपास के देशों से हमारा भारी सरोकार है।

यह टिप्पणी ट्रंप की इस तैयारी को रेखांकित करती है कि वे आर्थिक दबाव, सैन्य विकल्प और कठोर कूटनीतिक चेतावनियों का उपयोग करके उन देशों के साथ अमेरिकी रिश्तों को नए सिरे से आकार देना चाहते हैं, जिन्हें वे अमेरिकी सुरक्षा के लिए खतरा मानते हैं।

दिल्ली में घना कोहरा, वायु प्रदूषण में भारी वृद्धि

नयी दिल्ली, 05 जनवरी। राष्ट्रीय राजधानी में सोमवार सुबह घने कोहरे की चादर छायी रही। वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) खराब श्रेणी में बना रहा, जिससे इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाईअड्डे पर उड़ान संचालन में बाधा आयी।

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक, सुबह आठ बजे तक दिल्ली का समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 260-262 रहा और लगातार दूसरे दिन भी यह खराब श्रेणी में बना रहा। कई इलाकों में प्रदूषण स्तर चिंताजनक रहा।

घने कोहरे और धुंध से सुबह दृश्यता कम कर दी। इस कारण आईजीआई हवाईअड्डे पर कई उड़ानें देरी से उड़ी। अधिकारियों ने यात्रियों को यात्रा से पहले उड़ान का शेड्यूल जांच करने की सलाह दी है।

अडानी पावर को सुप्रीम कोर्ट में मिली बड़ी राहत

सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात सरकार के फैसले को रद्द कर दिया

नयी दिल्ली, 05 जनवरी। उच्चतम न्यायालय ने अडानी पावर को राहत देने से इनकार करने वाले गुजरात उच्च न्यायालय के 28 जून 2019 के फैसले को रद्द कर दिया है।

न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एन.वी. अंजारिया की पीठ ने सोमवार को यह फैसला सुनाया। उल्लेखनीय है कि यह मामला गुजरात के मुंद्रा स्थित विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईज़ैड) यूनिट से घरेलू टैरिफ क्षेत्र (डीटीए) को आपूर्ति की जाने वाली बिजली पर सीमा शुल्क लगाने से जुड़ा है।

न्यायालय इस बात की जांच कर रहा था कि क्या गुजरात उच्च न्यायालय का अपने 2015 के पुराने फैसले के प्रभाव को सीमित करना और 2010 के बाद एसीज़ैड से डीटीए को दी जाने वाली बिजली पर लगाये गये सीमा शुल्क को चुनौती देने वाली अदानी पावर की व्यापक याचिका को खारिज करना सही था।

अडानी पावर मुंद्रा एसीज़ैड के भीतर एक विशाल कोयला आधारित थर्मल पावर प्लांट चलाती है। यह इकाई एसीज़ैड के भीतर और गुजरात सहित अन्य राज्यों की वितरण कंपनियों को बिजली की आपूर्ति करती है। विवाद तब शुरू हुआ, जब सीमा शुल्क ढांचे में बदलाव कर एसीज़ैड से बाहर (घरेलू बाजार में) जाने वाली बिजली पर शुल्क लगा दिया गया, जबकि विदेशों से भारत में आयात होने वाली बिजली पर ऐसा कोई शुल्क नहीं था।

सुनवाई के दौरान अडानी पावर की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता पी. चिदंबरम और अन्य वकीलों ने तर्क दिया कि यह शुल्क भेदभावपूर्ण है और एसीज़ैड ढांचे के सिद्धांतों के खिलाफ है। केन्द्र सरकार की ओर से एडिशनल सॉलिसिटर जनरल राघवेन्द्र पी. शंकर और अन्य वकीलों ने इस शुल्क का बचाव किया और उच्च न्यायलय के तर्क का समर्थन किया।

इससे पहले 2015 में, गुजरात उच्च न्यायालय ने शुल्क लगाने के तंत्र के एक हिस्से को रद्द कर दिया था और कहा था कि अडानी पावर जून 2009 से सितंबर 2010 के बीच की अवधि के लिए सीमा शुल्क से छूट पाने की हकदार है। उच्च न्यायालय के हस्तक्षेप से इनकार करने के बाद उस फैसले को अंतिम मान लिया गया था।

- **गुजरात सरकार ने एसई जैड से डीटीए को बिजली सप्लाई पर कस्टम ड्यूटी लगाई थी, इसके खिलाफ अडानी पावर ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी, याचिका को हाईकोर्ट ने रद्द कर दिया था।**

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय:-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908